THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 114 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.11 2083 शनिवार, 25 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हंगामे के बीच राज्यसभा में पेश हुआ राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में शुक्रवार को राष्ट्र-गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक 2026 पेश किया गया। यह संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने के लिए है। विधेयक के अनुसार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान को दंडनीय अपराध माना जाएगा। यह विधेयक गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा के समक्ष रखा। विधेयक राज्यसभा के समक्ष विचार करने और पारित करने के लिए पेश किया गया है। विधेयक पेश करने के दौरान सदन में जबरदस्त हंगामा रहा।

मोदी कैबिनेट ने दी पेपर संशोधन विधेयक को मंजूरी

सोमवार को संसद में पेश करेगी सरकार

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्र की मोदी सरकार ने शुक्रवार को बड़ा फैसला किया है। एक अहम बैठक में केंद्रीय कैबिनेट ने पेपर लीक संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार सोमवार को संसद में इस बिल को पेश करेगी।

दरअसल, नीट पर जारी बवाल के बीच शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट की अहम बैठक की थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेपर लीक रोकने वाले विधेयक यानी सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन को मंजूरी दे दी है।

पीएम मोदी ने पहले ही कही थी संशोधन की बात :

सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार आधी रात 12 बजे छात्रों के लिए वीडियो जारी किया था।

उन्होंने कहा कि सरकार पेपर लीक के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान करने वाला कानून बनाएगी। पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर 2.56 मिनट का एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया था।

पीएम मोदी ने छात्रों से क्या कहा :

पीएम मोदी ने अपने वीडियो मैसेज में कहा था, पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

इस्तीफे की मांग पर अडिग सीजेपी और विपक्ष :

पीएम मोदी ने वीडियो संदेश को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बेकार बताया था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, मिस्टर मोदी, हमारे छात्र धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आधी रात के इस बेकार वीडियो से उनकी समझदारी का अपमान न करें। प्रधान को हटाएं, छात्रों को पीटने वालों को सजा दें और माफी मांगें।

वहीं छात्रों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा है कि परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ सरकार जो सबसे सख्त कार्रवाई कर सकती है, वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान को हटाना है। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा था कि धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफा ही सबसे सख्त कदम हो सकता है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में कॉकरोच

पेपर लीक- नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के 47 अफसर बर्खास्त

कानूनी कार्रवाई भी होगी, एक दिन पहले दो सेक्रेटरी हटाए गए थे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। सूत्रों के हवाले से यह खबर दी। बर्खास्त अधिकारियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया जाएगा।

अधिकारियों के मुताबिक यह कदम एनटीए में बड़े पैमाने पर हो रहे बदलाव के तहत उठाया गया है। एनटीए में सुधार के लिए जल्द ही और एक्शन लिए जाएंगे। एक दिन पहले सरकार ने गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय के दो सचिवों को बदला था।

अधिकारियों के अनुसार, आउटसोर्सिंग व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा और संस्था में तकनीकी सुधार लागू किए जाएंगे ताकि परीक्षाओं को पूरी तरह सुरक्षित किया जा सके। इसके अलावा ऐसा टेस्टिंग सिस्टम तैयार किया जा सके, जिसमें पेपर लीक की गुंजाइश न हो।

एनटीए ने भर्ती के लिए यूपीएससी के जरिए विज्ञापन भी जारी किया है। यूपीएससी के प्रतिभा सेतु पोर्टल के जरिए नए लोगों को भर्ती किया जाएगा। एनटीए ने 4 वरिष्ठ पेशेवर (जनरल मैनेजर) पदों के लिए सीधा विज्ञापन जारी किया है। प्रतिभा सेतु पोर्टल के माध्यम से 16 यंग प्रोफेशनल्स नियुक्त किए जाएंगे।

मोदी का वीडियो मैसेज, 20 घंटे बाद एक्शन :

पेपर लीक मामले में एनटीए की तरफ से अधिकारियों को हटाने की यह कार्रवाई पीएम मोदी के वीडियो मैसेज के 20 घंटे के अंदर की गई। दरअसल पीएम ने गुरुवार की रात 12 बजे के आसपास ढाई मिनट का वीडियो संदेश जारी किया था। >14

'छात्रों के हितों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठा रहे'

> केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिया भरोसा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखा। सरकार ने कहा कि वह छात्रों के हितों की सुरक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। केंद्र ने यह दलील आज नीट के प्रश्न पत्र लीक मामले में दायर याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आलोक आराधे की पीठ के समक्ष दी।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि वह दीर्घकालिक सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। कोर्ट ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे कि सब कुछ ठीक से व्यवस्थित हो जाए। पीठ ने कहा कि हम इस मामले की निगरानी करेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आवश्यक व्यवस्थाएं लागू हों, हम अतिरिक्त प्रयास करेंगे।

भारत के सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले गंभीरता से देख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।

नीट के बाद अब पीसीएस परीक्षा पर घमासान

तिरुवनंतपुरम, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश भर में नीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन चल रहे हैं। इसी बीच केरल में पीसीएस परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा युवा मोर्चा ने मुख्यमंत्री वी.डी सतीसन के सरकारी आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वी. मनु प्रसाद कर रहे हैं। इसके साथ ही पार्टी के अन्य नेता भी इसमें शामिल हैं। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने जब मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की और बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया।

प्रदर्शन में युवक पर चलाई गई पैलेट गन, धर्मेंद्र प्रधान 'अपराधी शिक्षा मंत्री' : राहुल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वह हमारी शिक्षा व्यवस्था के पतन के प्रतीक हैं। उन्हें जाना होगा। राहुल गांधी ने कहा, हजारों लोग जो बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं, उसकी वजह वही हैं। उन्हें पद से हटना होगा।

राहुल गांधी ने क्या कहा :

10 जनपथ के बाहर मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, हमने अपनी स्थिति साफ कर दी है। छात्रों ने भी अपनी मांग स्पष्ट कर दी है। हम उनकी मांग दोहरा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वह हमारी शिक्षा व्यवस्था के पतन के प्रतीक हैं।

उन्हें जाना होगा। राहुल गांधी ने कहा, इन छात्रों के माता-पिता ने अपनी मेहनत की कमाई से उन्हें पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका दिया है। सरकार को झूठ बोलना बंद करना चाहिए। उसने देश के भविष्य पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की सिर्फ तीन मांगें हैं। पहली मांग है कि शिक्षा मंत्री को पद से हटाया जाए, जिन्हें छात्र मौजूदा हालात, पेपर लीक और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की स्थिति पैदा होने के लिए जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी मांग है कि उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिन्होंने इन युवाओं पर छर्रे वाली बंदूकें चलाईं और लाठीचार्ज किया। तीसरी मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो इस पूरी व्यवस्था के प्रमुख हैं, उन हजारों युवाओं से माफी मांगें, जिन्हें इस मामले की वजह से नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कई युवाओं को गंभीर शारीरिक चोटें आई हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं यह भी निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि इस युवा व्यक्ति की आंखों की रोशनी बचाई जा सकेगी या नहीं। इसमें छात्रों की कोई गलती नहीं है। उन्होंने कहा, यही तीन मांगें हैं।

भोजशाला : प्रशासन ने मुस्लिम प्रतिनिधियों से की चर्चा

नमाज को लेकर नहीं बन सकी बात, सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई को सुनवाई

धार, 24 जुलाई (एजेंसियां)। धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। जुमे की नमाज के लिए जिला प्रशासन द्वारा तय किए गए वैकल्पिक स्थान को लेकर मुस्लिम पक्ष और प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। मुस्लिम समाज ने प्रशासन द्वारा सुझाई गई जगह पर कड़ी आपत्ति जताई है।

देर रात प्रशासन ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया। काफी देर तक चली बैठक के बाद भी स्थान को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी। इधर सुप्रीम कोर्ट भी मामले को 29 जुलाई को सुनेगा। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा धार स्थित विवादित भोजशाला परिसर के लिए चिन्हित वैकल्पिक नमाज स्थल की दूरी को लेकर मुस्लिम पक्ष की अंतरिम याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई। मुस्लिम पक्ष ने अदालत से मांग की है कि उन्हें भोजशाला परिसर के निकट शुक्रवार की नमाज अदा करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए। 22 जुलाई को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका को शुक्रवार को सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, मामला कारण सूची में शामिल नहीं होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ैफा अहमदी ने दिन की कार्यवाही के अंत में इसका उल्लेख किया। अहमदी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवंटित वैकल्पिक स्थल विवादित परिसर से काफी दूर है। उनके अनुसार, दो शुक्रवार की नमाज छूट चुकी है और दिया गया स्थान करीब 1.3 किलोमीटर दूर है। इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वैकल्पिक स्थल करीब 900 मीटर की दूरी पर है।

'कोर्ट का वीडियो पोस्ट करना पोटली से राक्षस निकालना'

> सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कार्यवाही सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर कोर्ट की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग को बिना रोक-टोक फैलाए जाने को 'पोटली से राक्षस निकालने जैसा' करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित कोर्ट की पहले से इजाजत लिए बिना सोशल मीडिया पर कोर्ट की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग पोस्ट या अपलोड करने पर रोक लगा दी है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कोर्ट की कार्यवाही की लाइव-स्ट्रीमिंग और वीडियो शेयरिंग पर रोक लगाने की मांग वाली एक पीआईएल पर अंतरिम आदेश पारित किया।

बिना मंजूरी अदालती कार्यवाही अपलोड करने पर रोक :

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के आदेश में कहा गया है- संबंधित हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल या सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल की

पहले से इजाजत के बिना सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग को निकालना, उसमें बदलाव करना, फैलाना, पोस्ट करना, री-पोस्ट करना, अपलोड करना या उससे पैसे कमाना नहीं किया जाएगा। जस्टिस बागची ने कहा-कोर्ट 24x7 मनोरंजन चैनल नहीं हो सकता है।

हम वीडियो रिकॉर्डिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग अपलोड करने पर रोक लगा रहे हैं। हमने यह भी कहा है कि अगर कोई लाइव-स्ट्रीमिंग या ऑडियो-विज़ुअल दिखाया जाना है, तो इसके लिए हाई कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल और रजिस्ट्रार जनरल की मंजूरी होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि इस आदेश का कोर्ट की कार्यवाही की न्यूज रिपोर्टिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा और इसे बोलने की आज़ादी पर रोक के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

एक पत्रकार की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि कोर्टरूम में हुई बातचीत को चुनिंदा तरीके से और संदर्भ से हटकर शेयर करने से कोर्ट की गरिमा कम हो रही है और न्याय व्यवस्था में जनता का भरोसा घट रहा है।

हमें सीमित एक्सेस सुनिश्चित करना चाहिए और इसलिए लाइव-स्ट्रीमिंग को ही सीमित करना चाहिए। पार्टियों को साफ तौर पर यह अनुरोध करना होगा कि मैं देखना चाहता हूं। यह 24x7 मनोरंजन चैनल नहीं हो सकता।

जस्टिस बागची बोले- उस राक्षस को रोक नहीं सकते :

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस बात का जवाब देते हुए कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ऐसे क्लिप भरे पड़े हैं जिनमें वकील अपनी दलीलें दिखाते हैं, जस्टिस बागची ने कहा- हम उस राक्षस को नहीं रोक सकते जो पोटली से बाहर निकल चुका है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने यह भी कहा कि वर्चुअल सुनवाई के लिए दिए गए ऑनलाइन एक्सेस लिंक अक्सर बिना सोचे-समझे शेयर किए जाते हैं और ऐसे एक्सेस को भी रेगुलेट करने की जरूरत है।

हवाई यात्रियों के लिए बड़ी खबर

अब हर उड़ान पर रहेगी सरकार की नजर, डीजीसीए ने लागू किया प्लान

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हवाई सफर को और सुरक्षित बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक्शन प्लान लागू किया है। इसके तहत एयरलाइंस और एयरपोर्ट पर कड़ी नजर रखी जाएगी। औचक निरीक्षण बढ़ेंगे, नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी और हादसों व तकनीकी गड़बड़ियों की रिपोर्टिंग पूरी तरह डिजिटल की जाएगी।

दरअसल, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने वर्ष 2026 के लिए वार्षिक निगरानी कार्यक्रम तैयार किया है। इसके तहत उड़ानों की सुरक्षा पर पहले से ज्यादा कड़ी नजर रखी जाएगी, ताकि सुरक्षा मानकों में किसी तरह की ढिलाई न रहे। इस योजना के तहत एयरलाइंस और अन्य ऑपरेटरों का नियमित ऑडिट किया जाएगा। साथ ही रात में औचक निरीक्षण, रैंप इंस्पेक्शन और स्पॉट चेक भी होंगे। इन जांचों के जरिए यह परखा जाएगा कि सुरक्षा नियमों का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं। अगर कोई एयरलाइन या ऑपरेटर तय सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जरूरत पड़ने पर वित्तीय जुर्माना भी लगाया जाएगा, ताकि नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित हो सके। विमान हादसों और तकनीकी गड़बड़ियों की रिपोर्टिंग को भी डिजिटल बनाया जा रहा है। इसके लिए डीजीसीए ने अपने ई जीसीए पोर्टल पर नया डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। इससे किसी भी घटना की सूचना तुरंत दर्ज हो सकेगी और जांच व आगे की कार्रवाई में तेजी आएगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय संसद में एक प्रश्न के जवाब में स्पष्ट किया है कि सभी भारतीय एयरपोर्ट और एयरलाइंस को अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के मानकों के अनुरूप सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम और इमरजेंसी रिस्पांस प्लान लागू रखना होगा।

एयरोस्पेस में भारत की बड़ी छलांग

देसी स्टार्टअप ने टेस्ट किया दुनिया का सबसे एडवांस सुपरसोनिक मिसाइल इंजन!

चेन्नई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय एयरोस्पेस स्टार्टअप ने इतिहास रचते हुए दुनिया के सबसे एडवांस मिसाइल इंजन का टेस्ट किया है। यह इंजन भारत के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह आईआईटी मद्रास की तरफ से इनक्यूबेटेड एक स्टार्टअप है जिसने अपने 5 केएन (किलोन्यूटन) एयर-ब्रीदिंग रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन (आरडीई) का एक सरकारी टेस्ट रिग डीआरडीओ फैसिलिटी में सफल परीक्षण पूरा किया है।

एयरोस्पेस कंपनी के फाउंडर और सीईओ सौरव झा ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से बात करते हुए कहा कि इंजन ने अब टीआरएल-5 लेवल को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। इसका मतलब है कि यह इंजन अब प्रयोगशाला के बुनियादी परीक्षणों से बाहर निकलकर वास्तविक प्रोटोटाइप के रूप में प्रमाणित हो चुका है और फिजिकल स्ट्रेस को झेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

भारत का पहला ब्रीदिंग रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन :

बहुत आसान शब्दों में समझें तो ये इंजन भविष्य का इंजन है। इसे सुपरसोनिक मिसाइलों से ज्यादा स्पीड वाली मिसाइलों में इस्तेमाल किया जाएगा। यानि ब्रह्मोस से ज्यादा रफ्तार वाली मिसाइलों में इसका इस्तेमाल हो सकता है।

कम हवा के प्रवाह में भी इस इंजन ने स्थिरता के साथ 5 केएन का दमदार थ्रस्ट पैदा किया है। यह थ्रस्ट एक छोटी क्रूज मिसाइल के इंजन के बराबर माना जाता है।

सौरव झा ने कहा यह परफॉर्मेंस कम एयर मास फ्लो के साथ काम करने के बावजूद हासिल की गई जिससे पता चलता है कि आगे के टेस्ट कैंपेन में और ऑप्टिमाइजेशन से और भी ज़्यादा थ्रस्ट लेवल हासिल किए जा सकते हैं। यह उपलब्धि भारत के स्वदेशी प्रोपल्शन इकोसिस्टम के लिए खासकर अगली पीढ़ी के हाई-एफिशिएंसी इंजन के क्षेत्र में एक अहम कदम है।

हम मोदी और शाह से डरा करते थे कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर पिछले कई दिनों से छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर भी जंतर-मंतर पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। हम भी यहां हैं। हमने सोचा कि हमें भी इस इतिहास का हिस्सा बनना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं यहां सीखने आया हूं। छात्र हमें निडर होना सिखा रहे हैं। हम मोदी और शाह से डरा करते थे।

उन्होंने आगे कहा, हमने उमर खालिद और शरजील इमाम का मामला देखा। वे अभी भी जेल में हैं और सरकार कोर्ट में मामला साबित करने में नाकाम रही है। मैंने तब आवाज उठाने की कोशिश की थी, लेकिन मैं डरा हुआ था। छात्र निडर हैं और देश को भी निडर होना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधिमंडल की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात पर मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मुझे खुशी है कि बातचीत हो रही है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में मणिशंकर अय्यर की पत्नी सुनीत अय्यर ने कहा कि बच्चे हों, छात्र हों, मजदूर हों, किसान हों, हिंसा नहीं होनी चाहिए। यह एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन है। हम यहां लोगों की आवाज सुनने और उसमें अपनी आवाज मिलाने आए हैं। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री ने गुरुवार की मध्यरात्रि को एक वीडियो संदेश में कहा था कि सोमवार को जब संसद के मानसून सत्र का दूसरा सप्ताह शुरू होगा, तो प्रश्नपत्र लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई के प्रावधानों वाला एक विधेयक लाया जाएगा और हम उसे जल्द से जल्द पारित कराने की कोशिश करेंगे।

आंध्र-कर्नाटक के बीच बनेगा आर्थिक गलियारा

4,294 करोड़ रुपये की योजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के विकास को हरी झंडी दे दी है। इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए कुल 4,294 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

वैष्णव ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया जाएगा। पहली परियोजना बल्लारी-गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण की है, जिसके लिए 1,264 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। यह रेलवे लाइन माल ढुलाई की क्षमता में बड़ा इजाफा करेगी। वहीं दूसरी प्रमुख परियोजना भव्य रसायन योजना है, जिसके लिए 3,030 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने में मदद करेगी। यह आर्थिक गलियारा बल्लारी-होसपेट क्षेत्र के स्टील और सीमेंट क्लस्टरों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। इससे भारी उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन काफी तेज और आसान हो जाएगा। इसके अलावा, यह गलियारा प्रमुख समुद्री बंदरगाहों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक पहुंच को भी सुगम बनाएगा। इस रेलवे विस्तार से हर साल 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव हो सकेगी, जिससे व्यापार और वाणिज्य को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। यह परियोजना न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी एक मिसाल कायम करेगी। इस गलियारे के शुरू होने से हर साल करीब 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) का उत्सर्जन कम होगा, जो कि लगभग 27 लाख पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरण संरक्षण का काम करेगा।

परियोजना से जुड़ी पांच बड़ी बातें

✻ कुल बजट आवंटन : आंध्र-कर्नाटक कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 4,294 करोड़ रुपये के कुल निवेश को मंजूरी दी।

✻ रेलवे लाइन विस्तार : बल्लारी-गुंटकल मार्ग पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,264 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

✻ भव्य रसायन योजना : औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने वाली इस योजना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

✻ भारी रोजगार सृजन : निर्माण और परिचालन के दौरान करीब 31 लाख मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा।

✻ अतिरिक्त माल ढुलाई : इस गलियारे की मदद से प्रति वर्ष 1.6 करोड़ टन अधिक माल की आवाजाही हो सकेगी।

आसनसोल में बिजली तार चोरी के संदेह में तीन युवकों की पिटाई

आसनसोल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इलाके में लगातार बिजली के तार चोरी होने की वजह से भारी तनाव। चोरी के शक में तीन युवकों को पकड़ कर नाराज जनता ने उन्हें पीटा। यह सनसनीखेज घटना आसनसोल दक्षिण थाना के माहीशिला खुदीराम पार्क के पास हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मोहिसीला खुदीराम पार्क और शिमुलटोला इलाकों में काफी समय से कई घरों के अर्थिंग और बिजली के तार चोरी हो रहे हैं। इन लगातार चोरियों के कारण इलाके में बिजली आपूर्ति बुरी तरह से बाधित है और निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार की सुबह, स्थानीय निवासियों ने तीन युवकों को इलाके में संदिग्ध रूप से घूमते देखा। जब उन्होंने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की, तो उनके बयानों में कई विसंगतियां पाई गईं। इसके बाद, क्रोधित भीड़ ने अपना धैर्य खो दिया और तीनों को घेरकर उनकी पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही आसनसोल साउथ पुलिस स्टेशन तुरंत मौके पर पहुंचा।

जवाबदेही मांगने वाले छात्रों के साथ

राष्ट्र के दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही मोदी सरकारः सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर शुक्रवार को तीखा हमला करते हुए, कहा कि छात्रों ने जवाबदेही तय करने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की है, लेकिन मोदी सरकार ने उनके साहस का जवाब कायरता और अकारण क्रूरता से दिया है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों को देश का भविष्य मानने के बजाए उनके साथ राष्ट्र के दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है।

उन्होंने सरकार पर भारत की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश के छात्रों ने मोदी सरकार के दावों की पोल खोल दी है।

सोनिया गांधी ने कहा कि छात्रों के साथ खड़ा होना और उनके भविष्य की रक्षा करना नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक दायित्व

है। शिक्षा व्यवस्था का पतन, युवा भारत की पीड़ा शीर्षक से द हिंदू अखबार में प्रकाशित अपने लेख में सोनिया गांधी ने कहा, छात्रों का आंदोलन एक-दूसरे से जुड़े दो कारणों का स्वाभाविक परिणाम है- पहला, आज की ऐसी शिक्षा व्यवस्था, जो युवाओं में केवल निराशा पैदा करती है और दूसरा, मोदी सरकार का वही परिचित अहंकार तथा जवाबदेही तय करने या रचनात्मक कदम उठाने से उसका लगातार इनकार।

'प्रदर्शनकारियों के लिए सरकार पहले भी करती रही है बर्बरता'

सोनिया ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री के प्रत्यक्ष अधिकार क्षेत्र में कार्यरत पुलिसकर्मियों द्वारा छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई बर्बरता इस सरकार के लिए कोई नयी बात नहीं है।

उन्होंने कहा, हम सभी को अच्छी तरह याद है कि 2020 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम-राष्ट्रीय नागरिक पंजी (सीएए-एनआरसी) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान सशस्त्र पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने विश्वविद्यालय परिसरों में किस तरह कार्रवाई की थी। भारत की महिला पहलवानों के साथ हुई अस्वीकार्य ज्यादतियों को भी कभी भुलाया नहीं जा सकता।

पीएम मोदी ने देर रात क्या दिया मैसेज?

गुरुवार देर रात जारी एक रिकॉर्डेड मैसेज में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित कानून में फास्ट-ट्रैक कोर्ट और दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान होगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की मंजूरी के बाद बिल को अंतिम रूप दिया जाएगा और मॉनसून सत्र के दूसरे हफ़्ते की शुरुआत में इसे संसद में पेश किया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार पिछले ढाई महीनों से कथित नीट पेपर लीक से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने दोबारा परीक्षा आयोजित करके और नतीजे घोषित करके यह सुनिश्चित किया है कि लगभग 22 लाख छात्रों का एक एकेडमिक साल बर्बाद न हो।

होमगार्ड जवान का बेटा निकला फर्जी सीआईए कर्मी

खन्ना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में खन्ना पुलिस ने खुद को सीआईए स्टाफ का कर्मचारी बताकर लोगों को डराने और जबरन वसूली करने वाले गांव राहौण निवासी लखवीर सिंह उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक नकली पिस्तौल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी इसी पिस्तौल के बल पर लोगों को पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर रुपये ऐंठता था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह खन्ना और मंडी गोबिंदगढ़ क्षेत्र में कई लोगों को निशाना बना चुका है। पुलिस ने बताया कि लखवीर के पिता पंजाब होमगार्ड से सेवानिवृत्त जवान हैं। आरोपी इसी का फायदा उठाकर खुद को सीआईए स्टाफ का कर्मचारी बताता था। कई पीड़ित डर के कारण शिकायत तक नहीं कर सके। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

जम्मू कश्मीर में भूस्खलन और फ्लैश फ्लड से बिगड़े हालात

26 मौतें, छह लापता, हजारों श्रद्धालु फंसे

जम्मू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार हो रही बारिश, बादल फटने और फ्लैश फ्लड के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा। कई स्थानों पर भूस्खलन, पत्थर गिरने और सड़क धंसने से यातायात पूरी तरह प्रभावित है। प्रशासन की ओर से यात्रियों को हाईवे पर सफर करने से बचने की सलाह दी गई है। पिछले छह दिनों में जम्मू संभाग में बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के कारण 26 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लोग अभी भी लापता हैं।

पुंछ और राजौरी जिलों में लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव दल अभियान चला रहे हैं। करीब 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर उधमपुर जिले के देओल ब्रिज, समरोली और जखैनी तथा रामबन जिले के बनिहाल इलाके में मार्ग बाधित है। लगातार बारिश के कारण मलबा हटाने और सड़क मरम्मत का काम प्रभावित हो रहा है। हाईवे बंद होने से जम्मू, नगरोटा, उधमपुर, रामबन, लखनपुर और सांबा समेत कई स्थानों पर 1000 से अधिक वाहन फंसे हुए हैं। कई अंतर-जिला सड़कें भी भूस्खलन और सड़क कटाव के कारण बंद हैं। हालांकि मुगल रोड और श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी मार्ग पर यातायात जारी है। फंसे हुए यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने बडगाम और बनिहाल से कटड़ा तक विशेष ट्रेन चलाई है।

इसके अलावा श्रीनगर से जम्मू तक 600 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। मौसम विभाग ने जम्मू संभाग के कई हिस्सों में खासकर चिनाब घाटी, उधमपुर, जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में बारिश की संभावना जताई है। हालांकि दोपहर बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है, लेकिन शाम तक कुछ स्थानों पर हल्की बारिश जारी रह सकती है।

वन्यजीव तस्करी के प्रयास का पर्दाफाशः दो साल पहले फंदे से मारा था गुलदार, खाल बेचने से पहले आरोपी गिरफ्तार

सतपुली(कोटद्वार), 24 जुलाई (एजेंसियां)। पौड़ी जिले की सतपुली थाना पुलिस ने गुलदार की खाल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर वन्यजीव तस्करी के प्रयास का पर्दाफाश किया है। आरोपी खाल को हरियाणा में बेचने की फिराक में था, लेकिन मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे पहले ही धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। एसएसपी सर्वेश पंवार के अनुसार ग्राम पोखरी (दुधारखाल) निवासी संदीप धस्माना के पास गुलदार की खाल होने और उसे बेचने की तैयारी की सूचना मिली थी। जिस पर थानाध्यक्ष सतपुली अनिल चौहान के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर छापेमारी की।

तलाशी के दौरान आरोपी की निशानदेही पर घर में रखे एक टिन के बॉक्स से गुलदार की खाल बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने करीब दो वर्ष पहले जंगल में फंदा लगाकर गुलदार का शिकार किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीएम चंद्रबाबू ने कहा कि उन्होंने एक टीचर के तौर पर छात्रों को पढ़ाया

पोलावरम, 24 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आज (शुक्रवार) रामपाचोडावरम जिले का दौरा किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सरकारी हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज के छात्रों और उनके माता-पिता के साथ आमने-सामने बातचीत की। इस बैठक में एपी के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश, स्थानीय जन-प्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर कई अहम मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया गया।

सीएम ने खुद छात्रों की पढ़ाई की प्रगति और प्रोग्रेस रिपोर्ट कार्ड की जांच की। छात्रों के मार्क्स, अटेंडेंस प्रतिशत, सेहत आदि की जानकारी माता-पिता को दी गई। आश्रम स्कूल के छात्रों के रिपोर्ट कार्ड माता-पिता के देखने के लिए, उनके घर भेजे जाते हैं। सीएम ने जिला कलेक्टर को इन्हें भेजने का आदेश दिया। एक और क्लासरूम में स्मार्ट बोर्ड के जरिए विषय पढ़ाने के तरीके की जांच की गई। इसके बाद, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने क्लासरूम में कुछ समय तक एक टीचर के तौर पर छात्रों को पढ़ाया। सरकारी हाई स्कूल परिसर में लगाए गए पौधों की देखभाल और छात्रों को दिए गए 'ग्रीन पासपोर्ट' का सीएम चंद्रबाबू ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस मौके पर छात्रों को बधाई दी। अधिकारियों ने बताया कि कैसे क्यूआर कोड स्कैन करके जानकारी हासिल की जा सकती है। उन्होंने सभी छात्रों से राज्य में हरियाली बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

'मेगा पैरेंट-टीचर मीटिंग 4.0' के दौरान सीएम चंद्रबाबू और मंत्री लोकेश ने क्लासरूम में छात्रों, उनके माता-पिता और शिक्षकों के साथ बातचीत की गई। साथ ही, रामपाचोडावरम में सरकारी हाई स्कूल-जूनियर कॉलेज परिसर में सीएम चंद्रबाबू और मंत्री नारा लोकेश ने सरस्वती देवी और अल्लूरी सीताराम राजू की मूर्तियों पर फूल चढ़ाए। 'माता वंदनम' लाभार्थियों के साथ आमने-सामने बैठकें आयोजित की गईं। 'माता वंदनम' फंड इकट्ठा किया गया और लाभार्थियों को इसके बारे में जानकारी दी गई।

मणिपुर पेट्रोल पंप बम धमाके के मामले में उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मोइरांग में एक पेट्रोल पंप पर हुए बम धमाके के सिलसिले में मणिपुर के बिष्णुपुर जिले से एक संदिग्ध उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 39 वर्षीय मयांगलामबम टोम्बा सिंह के तौर पर हुई है, जो प्रतिबंधित संगठन 'कांगलेई यावोल कन्ना लुप' (केवाईकेएल) का सक्रिय सदस्य है। अधिकारियों ने बताया कि उसे गुरुवार को बिष्णुपुर जिले के टेरा उराक चेकपॉइंट पर पकड़ा गया। चुराचांदपुर जिले के बिजांग ख़ुनौ का रहने वाला सिंह अभी फुबाला रिलीफ कैंप में रह रहा है। पुलिस ने बताया कि उसके पास से एक 9 एमएम की पिस्तौल, एक मैगजीन और अलग-अलग कैलिबर के 11 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक, सिंह कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में मोइरांग के एक पेट्रोल पंप पर हुए धमाके में शामिल था। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक अलग ऑपरेशन में, सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के मोलनोम से प्रतिबंधित संगठन 'यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी' (यूकेएनए) के एक संदिग्ध फाइनेंस हेड को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति, जिसकी पहचान एस। पलल कुकी के तौर पर हुई है, कथित तौर पर गोलीबारी और जबरन वसूली के कई मामलों में शामिल था।

गुजरात के नवसारी में बाढ़

हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्टःअहमदाबाद-सूरत समेत 5 शहरों में पानी भरा, बाजार डूबे; यूपी में सड़क पर नाव चली

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पूरे देश में मानसून की बारिश जारी है। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड के उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। शुक्रवार को राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। अहमदाबाद, सूरत में पानी भर गया। वाव-थराद जिले में बाजार डूब गए। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में पानी सड़क पर भर गया।

ग्रामीण नाव से आ-जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सिवान समेत बिहार के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजस्थान के बांसवाड़ा और डूंगरपुर समेत 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी है। गुजरात के वाव थराद जिले में लाटी बाजार क्षेत्र में बाढ़ का पानी दुकानों में घुस गया। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है। मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को श्योपुर, मंदसौर, रतलाम, आलीराजपुर और पन्ना में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में 24 घंटे के दौरान 4 इंच तक बारिश हो सकती है। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का होने का अनुमान है। राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार (24) को 2 जिलों बांसवाड़ा और डूंगरपुर में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। वहीं, 9 जिलों में ऑरेंज और अन्य में यलो अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को बाड़मेर, जालोर, सिरोही, उदयपुर, जैसलमेर, पाली, भीलवाड़ा सहित कई जिलों में दोपहर बाद भारी बारिश हुई।

सीएमओ के पूर्व अधिकारियों ने 3,500 करोड़ के शराब घोटाले के नेटवर्क का साथ दिया : एसआईटी

अमरावती, 24 जुलाई (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान हुए करोड़ों रुपये के चर्चित शराब घोटाले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने हाई कोर्ट को बताया कि सीएमओ के पूर्व सेक्रेटरी और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी धनंजय रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के ओएसडी पी। कृष्णा मोहन रेड्डी ने शराब घोटाले के जरिए गैर-कानूनी तरीके से पैसे कमाने में पूरी मदद की। धनंजय रेड्डी (ए31), बालाजी गोविंदप्पा (ए33) और कृष्णा मोहन रेड्डी (ए32) ने विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें उन्हें शराब घोटाले के मामले में रेगुलर जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

एसआईटी की ओर से पेश सीनियर वकील बी। आदिनारायण राव ने जस्टिस वेंकटा ज्योतिर्मयी को बताया कि आरोपियों ने दूसरे संदिग्धों की मदद की और राज्य के खजाने को 3,500 करोड़ का नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि धनंजय रेड्डी, कृष्णा मोहन रेड्डी और भारती सीमेंट के डायरेक्टर बालाजी गोविंदप्पा के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है और चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सक्षम अधिकारी से मुकदमा चलाने की मंजूरी मिलने के बाद एसीबी कोर्ट चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लेगी।

वकील ने दलील दी, सिर्फ इसलिए कि सह-आरोपियों को रिहा कर दिया गया है, याचिकाकर्ता उस आधार पर जमानत नहीं मांग सकते। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने जांच में कोई दखल नहीं दिया क्योंकि उनकी जमानत याचिकाएं लंबित थीं, और उन्हें अभी रिहा करने से गवाहों के साथ छेड़छाड़ हो सकती है। सीनियर वकीलों सिद्धार्थ दवे, एस।

निरंजन रेड्डी और एस। श्रीराम ने दलील दी कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट के संरक्षण में बिना जांच या गवाहों को प्रभावित किए आज़ाद रहे। उन्होंने कहा कि सभी सह-आरोपियों को जमानत मिल चुकी है और उनके भागने का कोई खतरा नहीं है। कोर्ट ने अपना आदेश मंगलवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

मालदा कैंप में बीएसएफ जवान ने की फायरिंग, दो साथियों की मौत

कोलकाता, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मालदा जिले के बैष्णवनगर में बीएसएफ कैंप में एक जवान ने घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें दो साथी जवानों की मौत हो गई। इस चौंकाने वाली घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, दो जवानों की जान चली गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार आरोपी जवान पर एक साल पहले भी अपने साथियों पर फायरिंग करने का आरोप लगा था और उसे बीएसएफ कानून के तहत सजा दी गई थी। वह सजा कुछ दिन पहले ही खत्म हुई थी, जिसके बाद यह ताजा घटना हुई। मालदा के विधाननगर में बीएसएफ की 119वीं और 71वीं बटालियन का मुख्यालय है।

दोपहर को शिवम मिश्रा ने वहां अपने साथियों पर कथित तौर पर फायरिंग की। वह छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। मृतकों की पहचान बिहार के छपरा जिले के मांझी इलाके के रहने वाले 51 वर्षीय अजय कुमार सिंह और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के रहने वाले 37 वर्षीय अंबादर सुरेश डारगु के तौर पर हुई है। घायल जवान, पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के पोलबा पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले मोहंदा गांव के 44 वर्षीय विकास ब्रह्म को मालदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। ये तीनों बीएसएफ की 71वीं बटालियन से हैं। बैष्णवनगर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। बीएसएफ मालदा सेक्टर के डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने पुष्टि की कि जांच भी शुरू कर दी गई है। आरोपी जवान पूर्व में भी साथी जवानों पर फायरिंग कर चुका है।

रिश्वतखोरी पर पश्चिम बंगाल सरकार का कड़ा एक्शन

2 अफसर सस्पेंड, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा- 'भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस'

कोलकाता, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने पश्चिम बर्धमान के रामपुर चेकपोस्ट पर तैनात दो मोटर वाहन निरीक्षकों को तुरंत सस्पेंड करने की घोषणा की। इन पर आरोप है कि उन्होंने सामान ढोने वाले ट्रक के ड्राइवर को परेशान किया और गैर-कानूनी तरीके से रिश्वत मांगी। चेकपोस्ट अधिकारियों द्वारा ट्रक को गैर-कानूनी तरीके से जब्त करने के मामले में परिवहन विभाग की त्वरित कार्रवाई के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी हाल में जबरन वसूली और प्रशासनिक दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रशासन की सख्त कार्रवाई पर जोर दिया और अधिकारियों के सस्पेंशन आदेश के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने लिखा, 'भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार प्रशासन, विभाग या सरकार के किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरी तरह से 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' अपनाती है।

किसी भी हाल में जबरन वसूली और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हम अपने प्रशासनिक तंत्र को पूरी तरह से साफ-सुथरा बनाने के लिए भ्रष्ट तत्वों को हटाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।' उन्होंने उस वाहन और उसके चालक दल से जुड़ी घटनाओं का क्रम भी बताया। उन्होंने लिखा, 'ट्रक नंबर जेएच09बीए3535 सर्विसिंग के बाद गैराज लौट रहा था, तभी पश्चिम बर्धमान के रामपुर चेकपोस्ट पर अधिकारियों ने उसे गलत तरीके से रोक लिया। ट्रक के ड्राइवर शिवा यादव को गैर-कानूनी तरीके से परेशान किया गया और रिश्वत के लिए दबाव डाला गया। मना करने पर गाड़ी जब्त कर ली गई और ऐसे टैक्स के नाम पर 22,000 की गैर-कानूनी मांग की गई जिसे राज्य सरकार पहले ही खत्म कर चुकी थी।'

नीट परिणाम में गड़बड़ी का आरोप

कलकत्ता हाई कोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब

कोलकाता, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नीट यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक विवाद के बीच अब परिणाम में गड़बड़ी का मामला भी सामने आया है। बंगाल के हुगली जिले की एक परीक्षार्थी श्रेया महंती ने आरोप लगाया है कि 'उत्तर कुंजी' के अनुसार उसे 659 से 661 अंक मिलने चाहिए थे, लेकिन एनटीए ने केवल 289 अंक दिए।

छात्रा ने ओएमआर शीट के मूल्यांकन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने एनटीए को शीघ्र जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई मंगलवार 28 जुलाई को होगी। मालूम हो कि इस वर्ष तीन मई को आयोजित नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई गई, जिसका परिणाम 16 जुलाई को घोषित हुआ। याचिकाकर्ता श्रेया का कहना है कि 21 जून को आयोजित नीट परीक्षा के बाद जारी उत्तर कुंजी और उनकी ओएमआर शीट में कोई मेल नहीं है। उत्तर कुंजी के आधार पर उन्हें 659 से 661 अंक मिलने चाहिए थे, जबकि घोषित परिणाम में केवल 289 अंक मिले। यह गंभीर अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला है। नीट परीक्षा कुल 720 अंकों की होती है। प्रत्येक सही उत्तर पर चार अंक मिलते हैं, जबकि गलत उत्तर पर एक अंक काटा जाता है। प्रत्येक परीक्षार्थी को अलग क्रम संख्या के अनुसार अलग प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट दी जाती है। परीक्षा के बाद एनटीए उत्तर कुंजी जारी करता है, जिसमें संबंधित प्रश्नपत्र के सही उत्तर दिए जाते हैं। छात्रा के अधिवक्ता सब्यसाची चट्टोपाध्याय ने अदालत में दलील दी कि ओएमआर शीट का मूल्यांकन कंप्यूटर के माध्यम से होता है। ऐसे में उत्तर कुंजी और प्राप्त अंकों के बीच लगभग 370 अंकों का अंतर किसी तकनीकी त्रुटि से संभव नहीं है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि देशभर में मेडिकल दाखिले की काउंसिलिंग जारी है, इसलिए अदालत चाहती है कि एनटीए इस मामले में जल्द अपना पक्ष रखे। अदालत ने एनटीए से यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि प्राप्त अंकों में इतना बड़ा अंतर कैसे आया।

दून की पहाड़ियों की तलहटी में अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट सख्त

सभी पक्षों से एक हफ्ते में मांगा जवाब

देहरादून, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पहाड़ियों की तलहटी और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में लगातार हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए), उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड और अन्य संबंधित पक्षों को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामला वर्ष 2021 में दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि देहरादून-मसूरी फुटहिल क्षेत्र में पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी कर बड़े पैमाने पर निर्माण किया जा रहा है। याचिका में विशेष रूप से उन इलाकों का उल्लेख किया गया है, जहां ढलान 30 डिग्री या उससे अधिक है और जिन्हें भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। देहरादून निवासी रेनू पॉल ने 2021 में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर मांग की थी कि देहरादून की पहाड़ियों की तलहटी में अनियंत्रित निर्माण पर रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि संवेदनशील ढलानों पर बड़े पैमाने पर निर्माण होने से पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है और भविष्य में भूस्खलन जैसी आपदाओं का खतरा बढ़ सकता है। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि ऐसे क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण कराया जाए और बिना वैज्ञानिक परीक्षण तथा आवश्यक अनुमति के किसी भी निर्माण की अनुमति न दी जाए। याचिका के अनुसार, आज तक उस आदेश का प्रभावी अनुपालन नहीं हुआ।

इस दौरान पहाड़ियों की तलहटी में निर्माण गतिविधियां जारी रहीं और संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति पहले की तुलना में और अधिक खराब हो गई। याचिका में कहा गया है कि देहरादून-मसूरी फुटहिल क्षेत्र जैव विविधता और प्राकृतिक जल निकासी की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। अनियोजित निर्माण से न केवल भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है बल्कि वर्षाजल निकासी, भूजल संरक्षण और वन्य जैव विविधता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद अदालत मामले की अगली सुनवाई में यह तय करेगी कि संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण को लेकर आगे क्या निर्देश दिए जाएं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: दूसरों की प्रगति देखकर अपनी यात्रा को कम मत आँकें, हर व्यक्ति का रास्ता अलग होता है।

सिंगरेणी के विस्तार को सरकार का पूरा समर्थन : भट्टी विक्रमार्क

कोयला खनन तक सीमित न रहे सिंगरेणी, दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में बढ़ाए कदम

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिंगरेणी को मजबूत बनाने, संरक्षित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विस्तार देने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सहयोग करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सिंगरेणी के विकास के लिए सरकार के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं। कोत्तागुडेम स्थित सिंगरेणी कार्यालय में सिंगरेणी और जेनको के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित विशेष समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले 15 से 20 वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र का स्वरूप पूरी तरह बदलने वाला है।

सौर ऊर्जा, पंप्ड स्टोरेज, पवन ऊर्जा, हाइड्रोजन, दुर्लभ खनिजों और बैटरी भंडारण प्रणालियों का विस्तार होने से धीरे-धीरे ताप विद्युत और कोयले के उपयोग में कमी आने की संभावना है। ऐसे में सिंगरेणी को केवल कोयला खनन तक सीमित न रहकर नए क्षेत्रों में विस्तार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी तेलंगाना की आत्मा के समान है और 130 वर्षों के गौरवशाली इतिहास वाली इस संस्था के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्पादन क्षेत्र में सिंगरेणी का एकाधिकार था और जिस कीमत पर कंपनी कोयला निर्धारित करती थी, उसी कीमत पर उपभोक्ता खरीदते थे। लेकिन वर्तमान परिस्थितियां बदल चुकी हैं। कोयला खनन क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ी है और केंद्र सरकार की खुली नीलामी नीति के कारण कई निजी संस्थाएं इस क्षेत्र में आई हैं। अब सरकारी संस्थाओं को निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंगरेणी को गुणवत्ता, प्रबंधन खर्च में कमी और बेहतर सेवाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखनी होगी।

उन्होंने कहा कि कोयले की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। खनन के दौरान कोयले में मिट्टी और पत्थर न मिलें, इसके लिए कड़ी निगरानी रखी जाए। कोयला शुद्धीकरण प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए और विभिन्न श्रेणियों के कोयले का उचित मिश्रण कर उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता का कोयला उपलब्ध कराया जाए। भट्टी विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार की दूरदर्शी योजना के अभाव के कारण सिंगरेणी नीलामी में भाग लेकर नए कोयला ब्लॉक हासिल नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि भद्राद्रि और यादाद्रि ताप विद्युत परियोजनाओं के लिए आवश्यक कोयला ब्लॉक प्राप्त करने में भी उचित योजना नहीं बनाई गई। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद ओडिशा स्थित नैनी कोयला ब्लॉक और ताडीचर्ला-2 परियोजना से संबंधित भूमि अधिग्रहण एवं वन अनुमति की समस्याओं का तेजी से समाधान किया गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगरेणी केवल एक व्यावसायिक संस्था नहीं है, बल्कि हजारों श्रमिक परिवारों के जीवन का आधार है। संस्था लाभ में रहेगी तभी कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित होगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक खदान स्तर पर प्रबंधन और श्रमिक संगठनों को कर्मचारियों के साथ खुली चर्चा करनी चाहिए और संस्था के भविष्य के लिए उनके सुझाव लेकर कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सिंगरेणी को सेमीकंडक्टर, चिप और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक लिथियम, कोबाल्ट जैसे दुर्लभ खनिजों के खनन क्षेत्र में भी विस्तार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी में सिंगरेणी को भाग लेना चाहिए।

गुरुकुल खाद्य विषाक्तता मामले पर मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया

हैदराबद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने मंचेरियल जिले के बेल्लमपल्ली स्थित पिछड़ा वर्ग बालिका गुरुकुल विद्यालय में छात्राओं के खाद्य विषाक्तता से प्रभावित होने की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाली पीठ ने 24 जुलाई को एक समाचार में प्रकाशित 'बालिकाओं के गुरुकुल में खाद्य विषाक्तता' शीर्षक समाचार के आधार पर इस मामले को स्वतः संज्ञान में लिया। आयोग ने मंचेरियल के जिला कलेक्टर को निर्देश दिया है कि वह घटना की विस्तृत जांच कर समग्र प्रतिवेदन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए 25 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है।

संगारेड्डी में हॉस्टल से बाहर जाने के बाद सेकंड ईयर की छात्रा लापता

संगारेड्डी, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बी.टेक सेकंड ईयर की एक छात्रा (जो बुधवार को हॉस्टल से बाहर गई थी) वापस नहीं लौटी। छात्रा अश्रिता (19), जो हैदरनगर की रहने वाली है, हैदराबाद की एक यूनिवर्सिटी में सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। यह यूनिवर्सिटी पटनचेरु पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले रुद्राराम में स्थित है।

वह पिछले दो सालों से कॉलेज के हॉस्टल में रह रही थी। उसने बुधवार शाम बाहर जाने के लिए हॉस्टल से अनुमति ली थी। हालांकि, वह हॉस्टल वापस नहीं लौटी। जब गुरुवार को उसके माता-पिता ने फोन पर उससे संपर्क करने की कोशिश की, तो अश्रिता का फोन स्विच ऑफ मिला। माता-पिता कॉलेज पहुंचे और कॉलेज व हॉस्टल के कर्मचारियों से बात करने के बाद उसी दिन गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। उसे खोजने की कोशिश जारी है।

बीआरएस शासन में हुए घोटालों का जवाब दें केटीआर : महेश कुमार गौड़

धरना चौक हटाने वाली पार्टी को प्रदर्शन का अधिकार नहीं : टीपीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर पर निशाना साधते हुए कहा कि धरना चौक को हटाने का इतिहास बीआरएस सरकार का है, इसलिए केटीआर को धरना करने का अधिकार नहीं है। गांधी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में महेश कुमार गौड़ ने केटीआर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें धरना चौक पर प्रदर्शन करने के अधिकार के बारे में पहले समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि केटीआर को धरना चौक पर जाकर जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस समय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे विद्यार्थियों के हितों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उस समय पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव फार्म हाउस तक सीमित हैं। उन्होंने सवाल किया कि विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव विद्यार्थियों के मुद्दे पर दिल्ली क्यों नहीं गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कोडंगल में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि बीआरएस के कार्यकाल में कई अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि इंटरमीडिएट विद्यार्थियों की मौत के मामले में ग्लोबरीना संस्था की भूमिका सामने आई थी। उन्होंने सवाल किया कि ग्लोबरीना संस्था की रिपोर्ट को बीआरएस सरकार ने सार्वजनिक क्यों नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि संस्था ने नाम बदलकर फिर से विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। उन्होंने कहा कि ग्लोबरीना मामले में केटीआर की भूमिका को लेकर भी संदेह व्यक्त किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं लगातार होती रहीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीआरएस के खाते में पड़े 1,400 करोड़ रुपये में से मृत विद्यार्थियों के परिवारों को आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 12 मई को नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के बाद केटीआर अब जागे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को राजनीतिक लाभ मिलने से रोकने के लिए केटीआर प्रधानमंत्री के साथ मिलकर आरोप लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे बीआरएस के राजनीतिक प्रदर्शन का हिस्सा न बनें। महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन में कोई रोजगार अधिसूचना जारी नहीं की गई और ग्रुप-1 परीक्षाओं में भी प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने बीआरएस को करारा जवाब दिया और पार्टी को शून्य सीटों तक सीमित कर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देर से जागकर काले कपड़े पहनकर धरना देने से जनता बीआरएस के दावों पर विश्वास करने वाली नहीं है।

इंजीनियर ने 10वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या की

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को नरसिंगी के पुप्पलागुडा में एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स की 10वीं मंज़िल से कूदकर 27 साल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान एम. विष्णु वर्धन रेड्डी के तौर पर हुई है, जो एएसबीएल स्पेक्ट्रा अपार्टमेंट्स में अपने माता-पिता और भाई के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक, विष्णु वर्धन रेड्डी शाम को काम से घर लौटे और अपने कमरे में चले गए। वह रात के खाने के लिए भी बाहर नहीं आए। हालांकि, बाद में उनके भाई ने देखा कि उनका मोबाइल फोन बालकनी में पड़ा है और नीचे देखने पर उन्हें वह ज़मीन पर बेजान पड़े मिले। सूचना मिलने पर नरसिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरूआती जांच से पता चलता है कि वह कुछ समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे। उनके भाई की शिकायत के आधार पर नरसिंगी पुलिस ने मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है।

राजेंद्रनगर में महिला ने आत्महत्या की

पति और सास पर परेशान करने का आरोप

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पति और सास द्वारा परेशान किए जाने से तंग आकर, एक महिला ने गुरुवार को राजेंद्रनगर के बांडलागुडा जागीर स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली।

मृतक महिला की पहचान श्रीदेवी (25) के रूप में हुई है, जो नारायणपेट जिले की रहने वाली थीं और उन्होंने छह साल पहले महिपाल से शादी की थी। इस जोड़े के तीन बच्चे हैं- दो बेटियां और एक बेटा। वे हाल ही में बांडलागुडा जागीर की आदर्श कॉलोनी में रहने आए थे, जहां दोनों एक हार्डवेयर बनाने वाली यूनिट में काम करते थे।

पुलिस ने बताया कि श्रीदेवी को हाल के महीनों में अपने पति के साथ अक्सर झगड़े और सास द्वारा परेशान किए जाने का सामना करना पड़ रहा था। हालात से परेशान होकर, माना जा रहा है कि उन्होंने अपने घर में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर राजेंद्रनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

तकनीक आधारित पुलिसिंग से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव : डीजीपी

साइबर सुरक्षा मानकों में तेलंगाना पुलिस की स्थिति सुधारने के निर्देश

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने गुरुवार को कहा कि बढ़ते साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तेलंगाना पुलिस को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा आगे रहना होगा।

उन्होंने सभी पुलिस इकाई प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे भारत सरकार द्वारा निर्धारित साइबर सुरक्षा मानकों में राज्य के प्रदर्शन को बेहतर बनाएं और राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए प्रयास करें। पुलिस महानिदेशक ने सभी पुलिस इकाइयों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से साइबर सुरक्षा पहलों, ई-शून्य प्राथमिकी और अपराध एवं अपराधी निगरानी नेटवर्क प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान डीजीपी सी. वी. आनंद ने बताया कि प्रधानमंत्री की प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इंप्लीमेंटेशन) व्यवस्था के माध्यम से देशभर में महत्वपूर्ण परियोजनाओं और शासन संबंधी पहलों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने बढ़ते साइबर धोखाधड़ी मामलों, विशेषकर डिजिटल गिरफ्तारी जैसे साइबर अपराधों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र समय-समय पर राज्यों की साइबर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करता है। राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग नौ प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर तय की जाती है। उन्होंने निर्देश दिया कि तेलंगाना पुलिस इन सभी मानकों पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार करे। डीजीपी ने कहा कि राज्य में ई-शून्य प्राथमिकी व्यवस्था का क्रियान्वयन अभी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने अधिकारियों को इसके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो और टी-स्पार्क के समन्वित प्रयासों की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप केवल दो दिनों में लगभग 20 ई-शून्य प्राथमिकी दर्ज की गईं। तेलंगाना की वर्तमान राष्ट्रीय स्थिति की समीक्षा करते हुए डीजीपी ने बताया कि ई-शून्य प्राथमिकी क्रियान्वयन में राज्य 13वें स्थान पर, धन वापसी प्रक्रिया में 46.6 प्रतिशत वसूली के साथ 18वें स्थान पर, शिकायत निवारण प्रबंधन में चौथे स्थान पर, सहयोग पोर्टल में 16वें स्थान पर, समन्वय पोर्टल में छठे स्थान पर, सामाजिक मीडिया संबंधी प्रदर्शन में 16वें स्थान पर, साइबर सुरक्षा मानकों में 15वें स्थान पर और क्षमता निर्माण में आठवें स्थान पर है। उन्होंने अधिकारियों को साइबर जागरूकता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण तथा सूचना, शिक्षा एवं जनजागरूकता गतिविधियों को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की जांच और पुलिसिंग में तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। सभी अधिकारियों को अपराध एवं अपराधी निगरानी नेटवर्क प्रणाली का उपयोग करते हुए साइबर अपराधों की जांच को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल, टी-स्पार्क के पुलिस अधीक्षक रूपेश, साइबर सुरक्षा पुलिस अधीक्षक साई श्री सहित विभिन्न पुलिस इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गोहत्या विरोधी कानून को सख्ती से लागू करे सरकार : रामचंदर राव

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य की कांग्रेस सरकार से गोहत्या विरोधी कानून को सख्ती से लागू करने की मांग की है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से गोहत्या रोकने के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की। रामचंदर राव ने एलबी नगर के बैरमलगुड़ा स्थित श्री हनुमान गोशाला का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गाय सनातन धर्म की आधारशिला है और गोहत्या रोकने के लिए बनाए गए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में गोमाता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। गाय मानव कल्याण में दूध, दुग्ध उत्पादों और प्राकृतिक खाद के माध्यम से निरंतर योगदान देती है। इसलिए गाय की रक्षा और सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गोवंश संरक्षण के लिए सरकार के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और गोहत्या जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

11.55 लाख रुपये कीमत का 23 किलो गांजा बरामद

पांच लोगों का गिरोह पकड़ा गया

खम्मम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कल्लर एसीपी वसुंधरा यादव ने बताया कि पुलिस ने कल्लर शहर के बाहरी इलाके में गांजा बेच रहे पांच लोगों के एक गिरोह को पकड़ा और 11.55 लाख रुपये कीमत का 23.10 किलो गांजा जब्त किया।

कल्लर की एसआई डी. हरिथा और उनकी टीम ने बुधवार को कोत्तागुडेम के पलोन्चा निवासी मोहम्मद अनवर और मोहम्मद वज़ीर खान, कल्लर निवासी शेख मुजाहिद पाशा, हैदराबाद के यूसुफगुडा निवासी देवरम राकेश और सिकंदराबाद के भोईगुडा निवासी मोहम्मद आदिल को पकड़ा, जबकि ओडिशा के मलकानगिरी निवासी राजू और कार्तिक फरार हैं।

एसीपी ने बताया कि मोहम्मद अनवर, राजू और कार्तिक से 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से गांजा खरीदता था और उसे पलोन्चा और कोत्तागुडेम में बेचता था। पहले जेल की सजा काटने के बाद, उसने हैदराबाद के राकेश को 12,000 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से थोक में गांजा बेचना शुरू कर दिया। पुलिस की निगरानी बढ़ने पर, उसने अपने जीजा मुजाहिद पाशा और चाचा वज़ीर खान को इस धंधे में अपना साथी बना लिया। उन्होंने कल्लर में मुजाहिद पाशा के घर पर गांजा जमा करके रखा था।

फूड पॉइजनिंग : बीसी दल ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सस्पेंड करने की मांग की

मंचेरियल, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी दल के राज्य अध्यक्ष डुंड्रा कुमारस्वामी ने सरकार से मांग की कि बेल्लमपल्ली के एमजेपीआरएस में हुई फ़ूड पॉइजनिंग के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सस्पेंड किया जाए। उन्होंने शुक्रवार को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीएसएचआरसी) में शिकायत दर्ज कराकर अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि फ़ूड पॉइजनिंग की घटना अधिकारियों की विफलता को दर्शाती है और आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं का बार-बार होना अधिकारियों की लापरवाही को दिखाता है। उन्होंने कहा कि जांच के आदेश दिए जाने के बावजूद, जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों के ख़िलाफ़ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत ज़िम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को सस्पेंड करे।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि हॉस्टल में फ़ूड पॉइजनिंग की घटना को दोबारा होने से रोकने के लिए राज्य भर के सरकारी शिक्षण संस्थानों में फ़ूड सेफ़्टी, साफ-सफाई और पीने के पानी की व्यापक जांच (ऑडिट) के लिए विशेष निरीक्षण किए जाएं।

WANTED ADHOC TEACHERS

FOR CRPF PUBLIC SCHOOL: PGT (Economics)01,TGT(Telugu) 01, PRT(Sanskrit)01, PRT(Others) 01. Interested candidates are requested to attend the Walk-in-Interview with original certificates, testimonials and one set of self-attested photocopies at CRPF Public School, Jawahar Nagar, Secunderabad as per the following schedule:
* PGT (Economics) & TGT (Telugu): 28-07-2026 at 09.00Hrs.
* PRT (Sanskrit) & PRT (Others) and Bal Vatika Teacher:29-07-2026 at 09.00 Hrs. For eligibility criteria, educational qualifications and other details, please visit www.crpfpublicschool.com or contact : 040-27981257/ 7842981257.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KEYA GIRI, W/o: SEP/MT BISWAJIT GIRI, R/o: UTTAR MAMUDPUR, MAMUDPUR, TAKIMAMUDPUR, NORTH 24 PARAGANAS, WEST BENGAL -743435, Have Changed My Name From KEYA GIRI To KEYA HALDAR GIRI vide Affidavit dt.21-07-2026

I, GITA KUMARI is spouse of IC-61699A, Colonel RAKESH KUMAR SINGH, residing at New Mainpura, Po-Danapur Cantt, Dist- Patna, Bihar, I have to change my name from - GITA KUMARI to GEETA SINGH For all purpose vide affidavit dated: 24-07-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, रायचूर

आशापुरा रोड, रायचूर कर्नाटक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

PM SHRI

E-MAIL: kv1raichur@gmail.com

फ़ोन नंबर 08532-297336

साक्षात्कार/WALK-IN-INTERVIEWS

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अंशकालिक संविदा शिक्षकों का पैनल तैयार करने हेतु निम्नलिखित पदों के लिए साक्षात्कार का आयोजन पीएम् श्री के वि. रायचूर में दिनांक 31.07.2026 को किया जाएगा।

क्रम संख्या	पद	आवश्यक योग्यता	
1	खेल कोच (पीएम श्री योजना के तहत)	एनआईएस (NIS) प्रमाणपत्र धारक या राज्य स्तरीय खिलाड़ी या राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी	साक्षात्कार की तिथि: 31 जुलाई 2026 (शुक्रवार) रिपोर्टिंग समय: प्रातः 9:00 पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायचूर
2	योग कोच	एनआईएस प्रमाणपत्र धारक या राज्य स्तरीय खिलाड़ी या राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी	
3	विशेष शिक्षक	न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक और बीएड (विशेष शिक्षा) / विशेष शिक्षा में डिप्लोमा/आरसीआई, सीटीईटी (CTET) (पेपर-II) द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य योग्यताएं, सीआरआर नंबर के साथ वैध आरसीआई पंजीकरण, और हिंदी और अंग्रेजी में प्रवीणता।	

* योग्य उम्मीदवार पूर्ण बायोडाटा, मूल दस्तावेजों और उनकी प्रतियों के एक सेट के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं।
* विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र स्कूल की वेबसाइट https://raichur.kvs.ac.in पर उपलब्ध हैं।
* हम साक्षात्कार में भाग लेने के लिए किसी भी टीए डीए की पेशकश नहीं करते हैं

प्राचार्य

इलाहाबाद एचसी ने मैटरनिटी लीव के लिए दो साल के गैप को खारिज किया

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि मैटरनिटी बेनिफिट्स सोशल सिक्योरिटी एक्ट, 2020 के प्रोविज़न के तहत आएंगे। कोर्ट ने कहा कि दो प्रेग्नेंसी के बीच टाइमलाइन के तौर पर दो साल का कोई बैन नहीं लगाया जा सकता और इस आधार पर मैटरनिटी लीव देने से मना नहीं किया जा सकता।

इस ऑब्ज़र्वेशन के साथ, एचसी ने यूपी हेल्थ डिपार्टमेंट के उस ऑर्डर को रद्द कर दिया जिसमें पिटीशनर, जो एक नर्स है, का क्लेम इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि मैटरनिटी लीव तभी दी जा सकती है जब दो प्रेग्नेंसी के बीच दो साल का गैप हो। इसके बाद, कोर्ट ने पिटीशनर को मैटरनिटी लीव के लिए एक नया एप्लीकेशन जमा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने संबंधित अथॉरिटीज़ को सही फैसला लेने के निर्देश जारी किए।

450 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड केस में ईडी का बड़ा एक्शन

दिल्ली-यूपी से पंजाब तक 8 जगहों पर की ताबड़तोड़ रेड

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ईडी के लखनऊ जोनल ऑफिस ने आज (शुक्रवार को) प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत संतोष ओवरसीज लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ जांच के सिलसिले में तलाशी अभियान चलाया। इसको लेकर दिल्ली, यूपी और पंजाब में कई जगहों पर छापेमारी की है। बता दें कि ईडी की यह जांच सीबीआई के एक मामले से जुड़ी हुई है,

जिसमें बैंकों के एक ग्रुप से लिए गए करीब 450 करोड़ रुपये के कथित बैंक फ्रॉड का मामला शामिल है। पड़ताल में पता चला है कि लोन के रुपये को कथित तौर पर शेल कंपनियों, अकोमोडेशन एंट्री ऑपरेटरों और अन्य कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से फर्जी इनवॉइस और गोल-गोल घूमने वाले फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के जरिए दूसरी जगहों पर भेजा गया। इसके अलावा, लेयरिंग भी की गई।

8 जगहों पर छापेमारी कर रही ईडी की टीम

जान लें कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में 8 जगहों पर ईडी की टीम तलाशी ले रही है, जिनमें प्रमोटर्स, संबंधित कंपनियों और मदद करने वालों से जुड़े ठिकाने शामिल हैं। तलाशी अभियान तेजी से चल रहा है। आगे की जांच भी जारी है।

शेल कंपनियां क्या होती हैं?

शेल कंपनियां वे कंपनियां होती है जो केवल कागजों पर अस्तित्व में होती हैं, इनका असल में कोई व्यापार नहीं होता है। इनका ना ही ऑफिस होता है और कर्मचारी भी बस कागज पर दिखाने के लिए होते हैं। शेल कंपनियों का इस्तेमाल अक्सर घोटाले करने में किया जाता है। ऐसा कई मामलों में देखा जा चुका है।

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट क्या है?

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट यानी पीएमएलए देश का एक प्रमुख कानून है। यह मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने, इलीगल प्रॉपर्टी को जब्त करने और आर्थिक अपराधियों को सजा दिलाने के लिए बना है।

जो लोग विदेश से हवाला के जरिए काला धन मंगाकर देश में सफेद करने का काम करते हैं, उनपर भी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट शिकंजा कसता है। इसी महीने ईडी ने होमबायर्स से ठगी मामले में दिल्ली-एनसीआर के 5 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। इस मामले में कब्जा मिलने तक कोई ईएमआई नहीं का लालच देकर लोगों को फ्लैट बेचे गए थे।

पिता की हत्याकर जमीन में गाड़ा

प्रतापगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महेशगंज के अठैसा प्रीतमपुर गांव में वृद्ध की हत्या का राज कमरे में उठ रही दुर्गंध से खुला। साढ़े तीन फीट गड्ढे में दफन शव जब निकाला गया तो उसे देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। वृद्ध के पैर को तोड़कर उसके कंधे तक ले जाया गया था। इसके बाद उन्हें दफनाया गया था। दुर्गंध इतनी अधिक थी कि कमरे में टिक पाना मुश्किल था। पड़ोसियों की सूचना पर घर पहुंचे बेटे संतोष व अजय ने पुलिस को बताया कि हफ्तेभर से पिता और भाई लापता थे। इसकी जानकारी पड़ोसियों ने दी। वह बुधवार को गांव पहुंचे और थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। सुबह घर गए तो वहां बदबू से खड़ा होना मुश्किल हो गया। पुलिस को सूचना दी। सीओ समेत अन्य पुलिसकर्मी गमछे से मुंह ढककर घर में दाखिल हुए। वहीं, ग्रामीणों में चर्चा है कि जब तक आरोपी को पकड़ा नहीं जाता है। हत्या का खुलासा नहीं हो सकता है। हाल ही में प्रयागराज और अंबेडकर नगर में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें जिस पर हत्या का आरोप लगा, अगले दिन उसका शव मिला। इस वजह से आरोपी के पकड़े जाने के बाद ही हत्या की वजह साफ हो सकेगी।

यूपी में बैंकों का एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज एनपीए

हर 8वां कृषि लोन डूबा; चौंकाने वाला खुलासा

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बैंकों का करीब एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) में बदल चुका है। मार्च 2026 तक कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में 99481 करोड़ रुपये का ऋण एनपीए हो गया है। इन क्षेत्रों के 41.73 लाख से अधिक ऋण खाते गैर-निष्पादित हैं। इनमें सबसे खराब स्थिति कृषि क्षेत्र की है, जहां कुल ऋण का 12.97 प्रतिशत एनपीए में बदल चुका है। एमएसएमई क्षेत्र में यह अनुपात 4.98 प्रतिशत और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में 6.81 प्रतिशत है।

बैंकों की ओर से शासन और भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी गई संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, एनपीए बढ़ने के साथ ही ऋण वसूली भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। तहसील स्तर पर 932565 वसूली प्रमाणपत्र लंबित हैं, जिनमें 17856.36 करोड़ की बैंक देनदारियां फंसी हैं। कृषि क्षेत्र में बैंकों ने 260154 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है। इसमें से 33,748 करोड़ का कर्ज एनपीए हो चुका है। यानी कृषि क्षेत्र में दिया गया लगभग हर आठवां रुपया फंस गया है। इस क्षेत्र के 30,12,365 ऋण खाते एनपीए की श्रेणी में पहुंच चुके हैं, जो कुल गैर-निष्पादित खातों का करीब 72 प्रतिशत हैं। इससे स्पष्ट है कि किसानों की ऋण चुकाने की क्षमता पर दबाव बढ़ा है। एमएसएमई क्षेत्र में कुल 302481 करोड़ रुपये का ऋण बकाया है।

इसमें 15070 करोड़ रुपये का कर्ज एनपीए हो चुका है। इस क्षेत्र के 947156 ऋण खाते गैर-निष्पादित हैं। हालांकि, 4.98 प्रतिशत एनपीए के साथ इसकी स्थिति कृषि क्षेत्र की तुलना में बेहतर है। वहीं, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में भी 50,663 करोड़ रुपये एनपीए हो चुका है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि कुल एनपीए खातों में कृषि की हिस्सेदारी करीब 72% और एमएसएमई की लगभग 23 प्रतिशत है।

सांप से कटवा कर पति को मारने वाली दामिनी का होगा प्रेग्नेंसी टेस्ट, जेल में असाइन हुआ काम; मुस्कान भी है साथ

मेरठ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सांप से कटवा कर पति को मौत की नींद सुलाने वाली जेल में बंद दामिनी का प्रेग्नेंसी टेस्ट होगा। दामिनी को उसके प्रेमी तुषार के साथ पुलिस ने अभी हाल में ही गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि दामिनी ने पति की मौत को दुर्घटना दिखाने के लिए एक सांप का इस्तेमाल किया था। उनका मकसद 20 लाख रुपये का इंश्योरेंस क्लेम पाना और अपना रिश्ता जारी रखना था। मृतक अतुल पंवार पत्नी दामिनी के साथ हस्तिनापुर में किड्स प्ले स्कूल चलाते थे। वह अपने बिस्तर पर मृत पाए गए थे। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि दामिनी जेल में लाइब्रेरियन और शिक्षिका बन गई है। वह अपने 6 साल के बेटे से मिलना चाहती है। दामिनी को 12बी में रखा गया है। उसी बैरक में अपने पति सौरव को प्रेमी के साथ मिलकर मारने वाली मुस्कान भी बंद है। इसी तरह पति को मौत देने वाली कोमल और अंजलि 12 बी में बंद है। पति को मौत देने वाली 4 महिलाएं एक बैरक में बंद होने से उनका समूह बन सकता है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया है कि मुस्कान और दामिनी एक बैरक में हैं। दोनों में बातचीत होती है, लेकिन अभी तक निजी जिंदगी से जुड़ी बातों को आपस में साझा नहीं किया है। दामिनी को देर तक जागने की आदत है जबकि जेल में रात 7-8 बजे तक सभी बंदी सो जाते हैं, जिसके चलते उसे एनजायटी हो रही है। दामिनी के प्रेमी तुषार ने अभी दस दिन तक जेल में कोई भी काम करने से मना कर दिया है। जेल में बंद तुषार और दामिनी की बैरक काफी दूर है।

लिहाजा प्रतिदिन आमना-सामना मुश्किल है। जेल में मुस्कान और दामिनी मिल गई हैं। एक ही बैरक में बंदी हैं। दोनों ने ही प्रेम की खातिर प्रेमी के साथ मिलकर सुहाग को ही उजाड़ दिया। दोनों के प्रेमी साहिल और तुषार भी मेरठ जेल में बंद हैं, लेकिन यह दोनों प्रेमी अलग-अलग बैरक में बंद होने के कारण आपस में मिल नही पाये हैं।

पूर्णिया में गैंगवार! जदयू नेता के बेटे को मारी 3 गोली, बचाने पहुंचे मामा भी घायल

पूर्णिया , 24 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्णिया के मरंगा थाना क्षेत्र स्थित नेवालाल चौक के समीप हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बाइक सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने जदयू नेता अमरेंद्र कुशवाहा के बेटे शुभम कुशवाहा पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। शुभम को बचाने पहुंचे उसके मामा सागर कुशवाहा भी हमलावरों के निशाने पर आ गए। दोनों गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज कसबा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुभम कुशवाहा अपने मामा सागर कुशवाहा के साथ नेवालाल चौक के पास एक चाय की दुकान पर रुका था। वहां कुछ देर दोस्तों से बातचीत करने के बाद जैसे ही वह अपनी टाटा पंच कार से आगे बढ़ने लगा, तभी दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश अपराधी पहुंचे और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। बताया जा रहा है कि शुभम ने खुद को बचाने के लिए कार के भीतर छिपने की कोशिश की, जबकि उसके मामा सागर कुशवाहा उसे बचाने आगे आए। हमलावरों ने शुभम को कार से बाहर खींचने का भी प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर लगातार फायरिंग करते रहे। इस हमले में शुभम और उसके मामा दोनों को तीन-तीन गोलियां लगीं। बदमाशों ने शुभम की कार में भी जमकर तोड़फोड़ की और फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद दोनों घायलों को आनन-फानन में निजी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस की शुरुआती जांच में घटना का तार तीन दिन पहले हुए एक विवाद से जुड़ता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि घर की दीवार के पास गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुभम कुशवाहा का पड़ोसी सन्नी सरदार और सन्नी मंडल से विवाद हुआ था। इसी दौरान शुभम ने उन पर स्मैक तस्करी का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ था। अब इसी विवाद के बाद गोलीबारी की घटना सामने आने से पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है।

'सरकार ने अपनी कब्र ही नहीं खोदी है बल्कि उसमें बहुत जल्दी दफन होने वाली है

छात्र संघ अध्यक्ष की हिरासत पर भड़के पप्पू यादव

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पटना में नीट पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया है। छात्रों को हिरासत में लिए जाने के बाद पूर्णिया से कांग्रेस सांसद पप्पू यादव सरकार पर भड़क उठे हैं। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर हिरासत में लिए गए छात्रों का वीडियो शेयर किया। पप्पू यादव ने लिखा, छात्रों के आंदोलन का दमन, बिहार नहीं करेगा सहन! उन्होंने आगे लिखा, बेगूसराय, कटिहार, जहानाबाद में आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज, गोलीबारी वहीं पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर को गिरफ्तार कर सरकार ने अपनी कब्र ही नहीं खोदी है बल्कि खुद उसमें बहुत जल्दी दफन होने वाली है। पप्पू यादव ने धर्मेंद्र प्रधान को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधान जी का कौन-सा नस दबा रखा है, जिससे प्रधान जी अपने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने में घबरा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, प्रधान जी (पीएम) मंत्री प्रधान के लिए क्यों कुर्बान हो रहे हो। इतना कमजोर पीएम पहली बार देखा है। पप्पू यादव ने बीते 22 जुलाई को एक पोस्ट में लिखा, धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने से भारत के प्रधान क्यों डर रहे हैं? वे मंत्री प्रधान से इस्तीफा नहीं ले सकते तो देश को इतना कमजोर प्रधान नहीं चाहिए। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि मंत्री प्रधान नहीं तो प्रधान मंत्री इस्तीफा दें।

पटना में नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर राजभवन की ओर निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस और हजारों छात्रों के बीच जबरदस्त टकराव हुआ। इस दौरान, छात्रों से शांतिपूर्वक वापस लौटने को कहा गया। जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स को पार करने की कोशिश की तो पुलिस ने शुरू में वॉटर कैनन और आंसू गैस के गोले छोड़े। लगभग 20 मिनट की झड़प के बाद, प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर पर बैरिकेड्स तोड़ने में कामयाब रहे और डाकबंगला क्रॉसिंग की ओर बढ़ गए।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

1.70 लाख रुपये की रिश्वत लेते रेलवे के सीनियर डीएमएम रंगे हाथ गिरफ्तार, जांच शुरू

वाराणसी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बनारस रेल मंडल में बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक नितेश अग्रवाल को 1.70 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, सीनियर डीएमएम नितेश अग्रवाल ने रेलवे में फर्नीचर सप्लाई करने वाले एक ठेकेदार से बिल पास करने और ठेके के एवज में रिश्वत की मांग की थी। ठेकेदार ने इसकी शिकायत सीबीआई से की। शिकायत का सत्यापन करने के बाद सीबीआई की टीम ने जाल बिछाया और अधिकारी को रिश्वत की रकम लेते ही मौके पर दबोच लिया। अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की टीम देर रात से ही नितेश अग्रवाल के दफ्तर और सरकारी आवास सहित अन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। सीबीआई की टीम अधिकारी के परिजनों और संबंधित कर्मचारियों से पूछताछ के साथ-साथ संपत्ति व बैंक खातों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को खंगाल रही है। पूर्वोत्तर रेलवे (नेर) के विभिन्न मंडलों में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का अभियान लगातार जारी है।

बीते कुछ महीनों में सीबीआई द्वारा की गई ताबड़तोड़ छापेमारियों और गिरफ्तारियों से रेल महकमे में खलबली मचा हुआ है। ठेकेदारों से रिश्वत मांगने से लेकर महत्वाकांक्षी योजनाओं में अनियमितता तक, सीबीआई ने अधिकारियों के ठिकानों पर रेड मारकर कई बड़े मामलों का पर्दाफाश किया है। हाल ही में जुलाई 2025 में सीबीआई ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'गति शक्ति' परियोजना में बड़ी अनियमितता और घूसखोरी की शिकायत पर वाराणसी और लखनऊ में रेलवे अधिकारियों के कई ठिकानों पर एक साथ बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया और कई वरिष्ठ अधिकारी जांच के दायरे में आ गए हैं।

ऐसी सरकार से मुकाबला हुआ है जो अंग्रेजों से भी ज्यादा बडे तानाशाह हैं

पेपर लीक पर आरजेडी सासंद का बड़ा बयान

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार (24 जुलाई) को कथित नीट पेपर लीक के खिलाफ विपक्ष का विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया। इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति में सांकेतिक प्रदर्शन किया। इस बीच राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद सुधाकर सिंह ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, एक ऐसी तानाशाही सरकार से मुकाबला हुआ है, जो अंग्रेजों से भी ज्यादा तानाशाह लोग हैं। ये लोकतंत्र के नए तानाशाह हैं। गांधी स्मृति पर जाने के उद्देश्य बताते हुए कहा, गांधी जी को इसलिए नमन किया है क्योंकि गांधी के हत्यारे इस देश की सत्ता पर काबिज हैं। लोगों ने जनमत दिया।

आज देश देख रहा है कि आज ये हत्यारे बच्चों के भविष्य के हत्यारे हैं। सरकार लाठी-डंडे की भाषा बोल रही है। पूरी दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सुधाकर सिंह ने आगे कहा, यहां पर लोगों की आवाज दबाई जा रही है। लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म किया जा रहा है। ऐसे में गांधी प्रासंगिक हैं कि अब नए तरीके से इस देश में नई आजादी की लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने यह भी कहा, 12 साल में 152 बार पेपर हुआ। इसमें एक भी गिरफ्तारी नहीं है, एक व्यक्ति दंडित नहीं है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति में सांकेतिक प्रदर्शन किया।

यह विरोध-प्रदर्शन उन छात्रों के समर्थन में किया गया जिन्होंने पेपर लीक विवाद के बाद आत्महत्या कर ली थी और जो हाल के प्रदर्शनों में घायल हुए थे। अपनी पहचान बन चुकी सफेद टी-शर्ट पहने राहुल गांधी ने राष्ट्रीय ध्वज और संविधान की एक प्रति हाथ में ली हुई थी, जबकि उनके साथी सांसदों ने मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर शाम को रोशन किया, जिससे कैंडललाइट मार्च जैसा माहौल बन गया। इस सभा का मकसद उस बात को उजागर करना था जिसे विपक्ष ने युवा उम्मीदवारों के भविष्य की सुरक्षा करने में सरकार की विफलता बताया।

पीएम मोदी ने 'मित्रों' नहीं 'दोस्त' कहा, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार बोले

'चाहे जितनी मर्जी 'मित्रों' को 'दोस्त' बोल लो, औरा तो माइनस हो चुका है'

बेगूसराय, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश में इन दिनों सबसे बड़े मुद्दे की बात करें तो वो छात्रों का आंदोलन है। नीट पेपर लीक मामले में इस बात को लेकर प्रदर्शन हो रहा है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रात अपना वीडियो जारी किया जिस पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने चुटकी ली है। दरअसल पीएम मोदी ने देश के नाम वीडियो जारी करते हुए कहा, फ्रेंड्स मैं जानता हूं कि पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है... वीडियो में इसी फ्रेंड्स शब्द को लेकर कन्हैया कुमार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी और तंज कसा।

कन्हैया कुमार ने लिखा है, मोदी जी चाहे जितनी मर्जी 'मित्रों' को 'दोस्त' बोल लो, औरा तो माइनस हो चुका है। जिम्मेदार बनें और अपने 'लीक-प्रधान' का इस्तीफा लें। कांग्रेस

नेता कन्हैया कुमार ने अब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं लिए जाने पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने अपने एक दूसरे पोस्ट में इसका जिक्र किया है। कन्हैया कुमार ने कहा, बताइए दिल्ली, सीपी की दुकान बंद कराने वालों से लीक नहीं बंद हो रहा।

आखिर डर क्या है? इस्तीफा क्यों नहीं लिया जा रहा? सरेंडर जी ये तो नहीं सोच रहे कि ये लीकप्रधान पेपर तो लीक कर ही रहा कहीं 'वीडियो-क्लिप' ना लीक कर दे? उधर बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल से पीएम मोदी के वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, देख रहा है विनोद! आधी रात को सेल्फी वीडियो जारी कर कैसे गोल-गोल घुमाया जा रहा है... छात्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं, शहंशाह अपनी नाकाम उपलब्धि बता रहे हैं!

नेपाल बॉर्डर से भारत में घुसने की साजिश नाकाम, 'वारिस पंजाब दे' का मोस्ट वांटेड आतंकी गिरफ्तार

बहराइच, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बहराइच में भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की बहुत बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। रूपईडीहा बॉर्डर पर एसएसबी और स्थानीय पुलिस ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन में प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' के मोस्ट वांटेड आतंकी विक्रमजीत सिंह को विदेशी नागरिक मंजीत सिंह के साथ अवैध तरीके से घुसपैठ करते गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब है कि 2023 में पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला थाने पर वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने साथी लवप्रीत सिंह 'तूफान' को छुड़ाने के लिए हमला कर दिया था।

हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और भारी दबाव के बीच पुलिस ने लवप्रीत सिंह को रिहा कर दिया था। उसी दौरान घटना का मुख्य आरोपी विक्रमजीत सिंह फरार हो गया था और फर्जी दस्तावेजों के सहारे नेपाल में छिपा हुआ था। आपको ये भी बता दें कि नेपाल के रास्ते सीमा पार कराने और गाड़ी की व्यवस्था करने वाले नेटवर्क का भी भंडाफोड़ हुआ है।

'खेसारी यादव ने मेरी अश्लील फोटो वायरल कीं'

भोजपुरी एक्ट्रेस अंजना सिंह बोलीं- बेटी को भी नहीं छोड़ा!

भोजपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री अंजना सिंह ने भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अंजना सिंह का आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की नाबालिग बेटी की एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाई गई अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल की गईं। इसके साथ ही उन्होंने गाली-गलौज, धमकी देने और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बदनाम करने का भी आरोप लगाया है। अंजना सिंह ने आरोप लगाया कि यह सब खेसारी लाल यादव, उनके मैनेजर सोनू पांडेय, संजय यादव, कृष्णा बेदर्दी और 'खेसारी आर्मी' नाम से चलने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर उन्होंने एफआईआर में सभी बातों का उल्लेख किया है। अंजना सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी और उनकी 11 साल की नाबालिग बेटी की तस्वीरों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

लास्ट आप कुछ दिनों से देख रहे होंगे सिर की मेरी और मेरी जो माइनर बेटी है छोटी 11 साल की बच्ची, माँ बेटी की दो फोटो एआई से जनरेट

करके बहुत ही गंदे तरीके से खेसारी एंड खेसारी लाल की टीम सर्कुलेट कर रही है। सारी जगह पे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल हो रहा है। अंजना सिंह ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर उन्हें धमकियां भी दी गईं। धमकियाँ दी जा रही हैं वीडियो बना के बताया जा रहा है लखनऊ में आइए, लखनऊ में आके दिखाएंगे, तो देख नहीं पाओगी, इतना थप्पड़ मारेंगे कि याद रखोगी।

ऐसी सारी भाषाओं का इस्तेमाल हुआ है। अंजना सिंह ने आरोप लगाया कि अखिलेश कश्यप, जिन्हें उन्होंने खेसारी लाल यादव का मैनेजर और राइटर बताया, इस पूरे मामले में शामिल हैं। उन्होंने कहा, अखिलेश कश्यप के द्वारा जो कि उनका मैनेजर और राइटर है, जो उनके ग्रुप में ही रहता है, उनकी टीम ही है। उनकी सारी टीम के लोगों ने, उनके साथ जिन लोगों को देखेंगे, उन लोगों ने मेरी और मेरी बेटी को लेकर कई सारे गाने बनाए हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी बातों का जिक्र उन्होंने अपनी एफआईआर में किया है। अंजना सिंह ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं और उन्हें प्रदेश सरकार से न्याय मिलने की उम्मीद है। मैं यूपी की लड़की हूँ, यूपी से बिलॉन्ग करती हूँ और मुझे मेरी पूरी यूपी की गवर्नमेंट से, योगी जी महाराज जी से पूरी उम्मीद है कि मुझे न्याय मिलेगा।

सोनम वांगचुक के अनशन तोड़ने के बाद

सरकार पर भड़कीं महुआ मोइत्रा, बोलीं- 'लॉलीपॉप डील'

कोलकाता, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर 26 दिन से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार से आश्वासन मिलने के बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया है। हालांकि, इस फैसले के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि सरकार के आश्वासन से बात खत्म नहीं होती और देश के युवाओं के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ही सबसे बड़ा जवाब होगा।

महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मोदी सरकार की 'बांटो और राज करो' की नीति साफ दिखाई दे रही है। पहले सोनम वांगचुक के साथ समझौता कर उनके आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की गई। इसके बाद विपक्ष को बातचीत का लोलीपॉप देने की कोशिश की जाएगी और फिर आंदोलनकारियों को हिंसक तथा अराजक बताकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन यह रणनीति सफल नहीं होगी। धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना ही होगा। उन्होंने आगे

लिखा, प्रिय सोनम वांगचुक, यह जानकर खुशी हुई कि आपने अपना अनशन समाप्त कर दिया है।

अब आप आराम करें और अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि सरकार आपके नाम और आपकी आवाज का इस्तेमाल आंदोलन को कमजोर करने या तोड़ने के लिए न करे। महुआ मोइत्रा ने अपने एक अन्य पोस्ट में कहा, आपके प्रयासों के लिए धन्यवाद। जेपी। नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह के आश्वासन आपको संतुष्ट कर सकते हैं, लेकिन इस देश के युवाओं के लिए धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं होगा। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर शुरू किया गया अपना 26 दिन पुराना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया।

यह फैसला केंद्रीय मंत्री जेपी। नड्डा और जितेंद्र सिंह के गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल पहुंचकर वांगचुक से मुलाकात करने और सरकार की ओर से आश्वासन देने के बाद लिया गया। जेपी। नड्डा ने वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो और लेह-लद्दाख एपेक्स बॉडी के नेताओं की मौजूदगी में कहा कि सरकार जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों और 20 जुलाई 2026 को संसद मार्च में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज मामलों पर सकारात्मक रुख अपना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही संसद में प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा प्रणाली में सुधार पर चर्चा कराने का आश्वासन दे चुकी है।

नड्डा ने यह भी कहा कि नीट पेपर लीक से जुड़े आत्महत्या के मामलों में पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने के प्रस्ताव पर भी सरकार सकारात्मक रूप से विचार कर रही है। अनशन समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह सोनम वांगचुक से आग्रह करते हैं कि वे डॉक्टरों की सलाह का पालन करें और जल्द स्वस्थ होकर पहले की तरह सामान्य जीवन में लौटें। प्रधानमंत्री ने उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी की। सोनम वांगचुक ने 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री जेपी।

नड्डा, जितेंद्र सिंह और लेह-लद्दाख एपेक्स बॉडी के नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने 26 दिन बाद अपना अनशन समाप्त किया। उन्होंने कहा कि कई दौर की गंभीर बातचीत, विभिन्न शर्तों पर सहमति और देश में संभावित हिंसा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया।

अरेरा हिल्स थाना प्रभारी शर्मा व एक आरक्षक निलंबित

महिला से अनैतिक संबंधों के आरोप में कार्रवाई

भोपाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल की पुलिस व्यवस्था को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। अरेरा हिल्स थाना प्रभारी सुनील शर्मा और आरक्षक नंदकिशोर को अनैतिक आचरण और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई भोपाल पुलिस कमिश्नर द्वारा पीड़ित पति की लिखित शिकायत और सौंपे गए प्राथमिक साक्ष्यों के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता युवक ने थाना प्रभारी सुनील शर्मा पर अपनी पत्नी के साथ अनैतिक संबंध बनाने, पद का गलत इस्तेमाल करने और मानसिक दबाव डालने का आरोप लगाया है। वहीं, मामले में आरक्षक नंदकिशोर की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

आरोप है कि आरक्षक को थाना प्रभारी की इन गतिविधियों की पूरी जानकारी थी और उसने भी महिला पर दबाव बनाने में सहयोग किया।

डीसीपी जोन-2 विकास सहवाल ने बताया कि प्रारंभिक परीक्षण में शिकायत के बिंदु अत्यंत गंभीर पाए गए हैं। प्रथम दृष्टया दोनों पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध मिलने पर यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। निलंबन के साथ ही थाना प्रभारी और आरक्षक के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

इस जांच में पुलिस आचरण नियमों के उल्लंघन, पदीय कर्तव्य से भटकाव और पद के दुरुपयोग की गहनता से पड़ताल की जाएगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कृत्य भोपाल पुलिस की साख और वर्दी की गरिमा पर गहरा धब्बा है।

मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही पीड़ित महिला के विस्तृत बयान दर्ज किए जाने की संभावना है।

बेटी की बर्थडे पार्टी के बहाने पुलिसवाले ने किया नाबालिग से रेप, बाहर पहरा देता रहा सिपाही

भोपाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस के दो आरक्षकों ने खाकी पर न केवल भद्दा दाग लगाया, बल्कि भरोसे को भी तार-तार कर दिया। मामला एक आरक्षक द्वारा अपने पूर्व सहकर्मी की नाबालिग बेटी को जन्मदिन की पार्टी के बहाने बुलाकर दुष्कर्म करने का सामने आया है। इस दरिंदगी में उसकी मदद एक अन्य पुलिसकर्मी ने मदद भी की है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपित संतोष सेन एसएएफ का आरक्षक है और धार जिले में पदस्थ है। इससे पहले वह भोपाल में तैनात था।

यहां पदस्थापना के दौरान उसकी दोस्ती एसएएफ के ही एक पुलिसकर्मी से थी। दोनों के बीच पारिवारिक संबंध होने के कारण दूसरे पुलिसकर्मी की 17 वर्षीय बेटी भी उसके संपर्क में आई और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। पुलिस जांच में सामने आया है कि संतोष सेन भोपाल आया था। उसने नाबालिग को फोन कर बताया कि उसके दोस्त जितेंद्र उर्फ जीत की बेटी का जन्मदिन है और उसे पार्टी में शामिल होना है। झांसे में आकर पीड़िता लाल परेड मैदान पहुंच गई। वहां संतोष अपने साथी जितेंद्र उर्फ जीत के साथ कार से पहुंचा। इसके बाद दोनों उसे पार्टी में ले जाने के बजाय एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित एक होटल के कमरे में ले गए।

पुलिस के मुताबिक जितेंद्र ने दोनों को होटल तक पहुंचाया और अपनी कार वहीं छोड़कर चला गया। संतोष सेन ने होटल के कमरे में नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान जितेंद्र अपने बेटे के साथ सीढ़ियों पर रुककर पहरा देता रहा। रात में आरोपित संतोष सेन, जितेंद्र की कार से पीड़िता को उसके घर छोड़कर चला गया। जहांगीराबाद थाना प्रभारी राजन सिंह अहिरवार ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपित आरक्षक संतोष सेन और उसके साथी जितेंद्र उर्फ जीत को गिरफ्तार कर लिया है।

मेधावी स्टूडेंट्स के लिए एमपी में सस्ती होगी मेडिकल शिक्षा मेरिट में आने पर फीस होगी एक-तिहाई कम

भोपाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले स्टूडेंट्स के लिए बड़ी राहत की खबर है। नीट मेरिट में स्थान पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए मध्यप्रदेश में मेडिकल शिक्षा सस्ती होने जा रही है। मेरिट में आने वाले स्टूडेंट्स की फीस में एक-तिहाई की कमी होने के आसार हैं। दूसरी ओर, सीट बढ़ोतरी के कारण नीट परीक्षा में मेरिट स्टूडेंट्स को अधिक संख्या में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन मिलेगा। इससे मेरिट में आए नीट एस्पिरेंट को मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में बढ़ी हुई सीट संख्या और कम फीस का दोहरा लाभ मिल सकेगा। वहीं, मैनेजमेंट कोटे के तहत स्टूडेंट्स का एडमिशन नीट मेरिट के आधार पर राज्य सरकार द्वारा की जाने वाली काउंसलिंग के माध्यम से होगा। मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2026 में मेडिकल कॉलेजों में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों के लिए सीटें बढ़ाई गई हैं।

'घिनौनी हरकत' के आरोप वाले वीडियो पर मुंबई पुलिस ने दिया जवाब

रोहित पवार-वर्षा गायकवाड़ से कहा अचानक लड़की बीच में आई

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान पुलिसवाले द्वारा एक लड़की के साथ घिनौनी हरकत करने के आरोप वाले वायरल वीडियो में नया मोड़ आया है। मुंबई पुलिस ने रोहित पवार द्वारा साझा किए गए वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि महोदय, उक्त वीडियो के माध्यम से हमारे कर्मचारियों के व्यवहार का बेहद गैर-जिम्मेदाराना ढंग से गलत अर्थ निकाला जा रहा है। जब संबंधित अधिकारी एक पुरुष प्रदर्शनकारी को पकड़ रहा था, वह दूसरी दिशा की ओर देख रहा था, तभी एक महिला प्रदर्शनकारी अनजाने में बीच में आ गई। इस वीडियो को कांग्रेस की सांसद वर्षा गायकवाड़ ने भी साझा किया था।

मुंबई पुलिस ने अपने जवाब में कहा है कि पुलिसकर्मी प्रोटेस्ट के दौरान लड़के को पकड़ रहा था। वीडियो के आधार पर निष्कर्ष न निकालें। गौरतलब हो कि वीडियो में

पुलिसकर्मी का हाथ फीमेल प्रदर्शनकारी की छाती पर चला गया था। मुंबई पुलिस ने कहा है कि आप (रोहित पवार) जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है कि किसी भी वीडियो के आधार पर कोई निष्कर्ष निकालने से पहले थोपने की पूरी तरह जांच-पड़ताल करें। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस मामले के सभी थोपने का सत्यापन किया जा चुका है। दरअसल दादर में सीजेपी का प्रोटेस्ट हुआ था। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया था। वीडियो में पुलिसवाले को गलत तरीके से एक लड़की को पकड़ते हुए देखा गया था। इस वीडियो को रोहित पवार ने साझा किया था और लिखा था कि यह वीडियो देखकर मेरा सिर घिन से भर गया। इस वीडियो को सीधे रोहित पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को टैग किया था। रोहित पवार ने लिखा था कि यह बदमाश कौन है? यह अपनी ही बेटी की उम्र की लड़की के साथ यह कितनी घिनौनी हरकत कर रहा है।

अगर यह आदमी पुलिसवाला है, तो पहले इसे सिर्फ सस्पेंड मत करो। इसे पुलिस फोर्स से पूरी तरह निकाल दो और शर्मिंदगी का केस दर्ज करके जेल में डाल दो। यह वही कीड़ा है जिसने महाराष्ट्र पुलिस बल को बदनाम किया है, जिसकी एक अलग ही रेप्युटेशन है। रोहित पवार ने यह वीडियो एक अन्य वीडियो को साझा करने के बाद किया था। पहले वीडियो में एक पुलिसवाले को कुछ लड़कों को धमकाते हुए देखा गया था कि अगर दोबारा मिले (प्रोटेस्ट) तो 50-50 ग्राम ड्रग्स लगाकर अंदाज भेज दूंगा, जिंदगी खराब हो जाएगी।

पंजाब पुलिस के एएसआई ने नहर में लगाई छलांग, घटना से पहले बनाई वीडियो; 7 लोगों का लिया नाम

फिरोजपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर जिले से एक बेहद सनसनीखेज वारदात सामने आई है, यहां पंजाब पुलिस के एक सहायक उप निरीक्षक ने कथित तौर ब्लैकमेलिंग, बदनामी और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर नहर में छलांग लगा दी। पुलिस जवान ने खुदकुशी करने से पूर्व एक वीडियो में सात लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभी उनका पता नहीं चल सका है, गोताखोरों की टीमे पुलिस और गोताखोरों की टीमें नहर में लगातार तलाश कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, यह मामला हलका जीरा के कस्बा मक्खू से सामने आया है। बताया गया कि पंजाब पुलिस के एएसआई गुरदयाल सिंह ने कथित तौर पर अपनी पत्नी द्वारा चुनाव लड़ने के बाद विरोधियों की ओर से लगातार ब्लैकमेलिंग, बदनामी और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर फिरोजपुर फीडर नहर में छलांग लगा दी। घटना से पहले जारी वीडियो में एएसआई ने सात लोगों पर आरोप लगाया है कि उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है,

100 लड़कियां, 3 राज्य और कैफे का वो सीक्रेट केबिन

जबलपुर में देह व्यापार के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

जबलपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'गरिमा अभियान' के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। महिला थाना पुलिस और प्रशासनिक टीम ने अधारताल क्षेत्र से संचालित हो रहे देह व्यापार के एक बड़े रैकेट का खुलासा किया है। इस मामले में मुख्य सप्लायर कपिल जायसवाल उर्फ अमन जायसवाल और मकान मालिक समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी से पाँच दिन की पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ में 100 से अधिक युवतियों और तीन राज्यों तक फैले अंतरराज्यीय नेटवर्क का पता चला है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनु बेनिवाल ने बताया कि तकनीकी जांच और आरोपी के मोबाइल डेटा से इस रैकेट के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

मुख्य आरोपी कपिल जायसवाल के

डिजिटल रिकॉर्ड्स से 100 से ज्यादा महिलाओं और युवतियों के फोटो, वीडियो और चैट मिले हैं। आरोपी महज जबलपुर ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश तक महिलाओं की अंतरराज्यीय सप्लाई करता था। इस अवैध धंधे में स्थानीय स्तर पर शह देने और संदिग्ध भूमिका पाए जाने पर एक पुलिस आरक्षक (कांस्टेबल) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि संबंधित थाना प्रभारी से जवाब-तलब कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच में शहर के कैफे और रेस्टोरेंट संचालकों की मिलीभगत और भयानक कारनामे भी सामने आए हैं। शहर में कई ऐसे कैफे पाए गए जहां खाने-पीने का सामान नाममात्र का था, लेकिन पर्दा सिस्टम और सीक्रेट केबिन बनाकर कपल्स से घंटों के हिसाब से मनमाना किराया वसूला जा रहा था।

पुलिस ने नगर निगम टीम के साथ मिलकर ऐसे अनैतिक अड्डों पर शिकंजा कसा है। अब तक 5 संदिग्ध कैफे को पूरी तरह सील किया जा चुका है और अन्य ठिकानों की सूची बनाकर जांच जारी है। एएसपी अनु बेनिवाल के अनुसार, जबलपुर पुलिस द्वारा शहर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'गरिमा अभियान' चलाया जा रहा है। इसके तहत अनैतिक गतिविधियों, अवैध अड्डों और संदिग्ध स्थानों पर लगातार औचक छापेमारी की जा रही है।

ड्राई फ्रूट्स में निकले कीड़े

शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई काजू-बादाम के सैंपल जांच को भेजे

इंदौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में ड्राई फ्रूट्स की बढ़ती मांग के बीच इंदौर के मालवा मिल क्षेत्र स्थित एक दुकान से खरीदे गए काजू में कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। ग्राहक की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने दुकान पर पहुंचकर जांच की और काजू, बादाम समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेज दिए। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता शीतल ने मालवा मिल स्थित आरके ड्राई फ्रूट्स से करीब 6,500 रुपए के ड्राई फ्रूट्स खरीदे थे। इनमें 1400 रुपए प्रति किलो की दर से खरीदा गया आधा किलो काजू भी शामिल था। कुछ दिनों बाद काजू में कीड़े दिखाई देने पर परिवार के सदस्य शिकायत लेकर दुकान पहुंचे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दुकान संचालक ने काजू में कीड़े निकलने का कारण उन्हें लंबे समय तक घर में रखा जाना बताया।

इसके बाद मामले की शिकायत खाद्य सुरक्षा विभाग से की गई। शिकायत मिलने पर विभाग की टीम ने दुकान का निरीक्षण किया। इस दौरान काजू, बादाम सहित अन्य खाद्य उत्पादों के नमूने एकत्र कर उन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान दुकान पर फूड लाइसेंस और गुमास्ता लाइसेंस प्रदर्शित नहीं मिला। इस पर विभाग ने संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच के दौरान अधिकारियों की नजर शोकेस में रखे 'ड्राई फ्रूट लड्डू' नाम से प्रदर्शित उत्पाद पर भी पड़ी। पूछताछ में पता चला कि ये वास्तव में उड़द दाल के लड्डू थे। अधिकारियों ने इस संबंध में भी आवश्यक जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है। अब खाद्य सुरक्षा विभाग प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा।

पीएम मोदी का बयान 'पेपर लीक पर महज एक पट्टी'

12 सालों में सिर्फ वादे और चुप्पी मिलीः शिवसेना (यूबीटी)

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में नीट परीक्षा के पेपर लीक को लेकर बढ़ते जनाक्रोश और विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। बढ़ते जनाक्रोश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के छात्रों के हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इस मामले के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करने और कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करने का भी वादा किया।

हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में प्रधानमंत्री की घोषणा के समय और तरीके पर सवाल उठाते हुए तीखी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में इस मुद्दे पर बोलने या प्रदर्शन कर रहे छात्रों से सीधे संवाद करने के बजाय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना बयान जारी किया है। संपादकीय में कहा गया कि यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पिछले महीनों से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में इस मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही और व्यापक सुधार की मांग को लेकर पुलिस की लाठीचार्ज का भी सामना करना पड़ा है।

इसमें कहा गया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने प्रधानमंत्री मोदी के आश्वासनों को पेपर लीक पर केवल एक पट्टी करार देते हुए फास्ट-ट्रैक अदालतों के वादे को खोखली बयानबाजी बताया है। संपादकीय में कहा गया, अगर प्रधानमंत्री फास्ट-ट्रैक अदालतों की घोषणा करने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगते, तो उनके वादों में कुछ वजन नजर आता। हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ, जिससे उनके बयान सिर्फ 'हवाई किले' जैसे प्रतीत होते हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का संदेह जायज है।

महाकाल सहित 11 मंदिरों में टेंपल बांड स्कीम पर कांग्रेस विधायक ने उठाए सवाल, सरकार से पूछा- वापस कैसे चुकाएंगे रुपये

उज्जैन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में मंदिरों को सवारने के लिए सरकार टेंपल बांड स्कीम शुरू करने जा रही है। देश में इसकी शुरुआत उज्जैन से हो रही है, जिसमें महाकाल सहित 11 मंदिरों के लिए 200 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इस स्कीम पर तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार ने सवाल उठाए हैं। विधायक महेश परमार ने विधानसभा में सरकार से इसको लेकर प्रश्न पूछा है। उनका कहना है कि अभी तक इसका जवाब उन्हें नहीं मिला है। विधायक का कहना है कि बांड के जरिए जो रुपये सरकार मंदिरों के रखरखाव के लिए जुटाएगी, उन्हें वापस चुकाया कैसे जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की स्कीम से मंदिरों में चढ़ावे और उसकी संपत्तियों को गिरवी रखने की योजना बनाई जा रही है। विधायक ने इसे मध्य प्रदेश लोक न्यास अधिनियम और श्री महाकालेश्वर मंदिर अधिनियम का उल्लंघन भी बताया है। महाकाल मंदिर के साथ श्री कालभैरव मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, सांदीपनी आश्रम, गढ़कालिका मंदिर, सिद्धवट, नवग्रह शनि मंदिर, अंगारेश्वर महादेव, भूखी माता मंदिर, 84 महादेव मंदिर श्रृंखला तथा आगर-मालवा का प्रसिद्ध बगलामुखी माता मंदिर प्रमुख हैं।

यूपी से एमपी पहुंची 'चैन स्नेचर' गैंग

कार में सवार होकर आईं 10 महिलाएं गुना जगन्नाथ यात्रा में मंगलसूत्र चुराकर भागते ही धराईं

गुना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में 19 जुलाई को निकली भगवान श्रीजगन्नाथ यात्रा के दौरान दो महिलाओं के गले से करीब 3.50 लाख रुपये कीमत के मंगलसूत्र चोरी का पुलिस ने राजफाश कर दिया है। दोनों मामलों में अंतरराज्यीय गिरोह के 11 सदस्यों को गिरफ्तार कर दोनों मंगलसूत्र व दो कार बरामद की गई हैं। खास बात यह कि सभी आरोपित आगरा उप्र के रहने वाले हैं, जिनमें 10 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार 19 जुलाई को भगवान श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात आरोपियों द्वारा महिलाओं के गले से मंगलसूत्र चोरी कर लिए गए थे। इस संबंध में फरियादिया रामकुंवर ओझा उम्र 66 वर्ष निवासी बीजी रोड गुना तथा कल्पना दुबे उम्र 48 वर्ष निवासी भगत सिंह कालोनी गुना ने कोतवाली थाने में अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज कराई थीं। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया। इधर, घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हितिका वासल द्वारा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं चोरी गए आभूषणों की बरामदगी के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में पुलिस ने गतदिवस आरोपी संगीता उर्फ सुमन पत्नी कालीचरण मराठीराव उम्र 40 साल निवासी प्रतिबाद शाहपुरा आगरा, चिंता बाई पत्नी प्रकाश मराठीराव उम्र 70 साल निवासी प्रतिबाद शाहपुरा आगरा, अनोखी पत्नी हरिओम माहोर उम्र 35 साल निवासी बादेला जगदीशपुरा आगरा, प्रिया पत्नी रोविन माहोर उम्र 25 साल निवासी बारहखंबा शाहगंज आगरा एवं हिना पत्नी सिद्धांत माहोर उम्र 35 साल निवासी बारहखंबा शाहगंज आगरा उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है।

आईफोन मंगाया, पार्सल में निकला दाढ़ी बढ़ाने का तेल, कंज्यूमर फोरम ने फ्लिपकार्ट और विक्रेता पर लगाया 1. 81 लाख का जुर्माना

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक अहम फैसले में ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट और उसके विक्रेता को एक ग्राहक को 1.81 लाख रुपये से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया है। ग्राहक ने ऑनलाइन ऐप के जरिए एपल आईफोन 14 प्रो मंगाया था, लेकिन पार्सल खोलने पर उसमें स्मार्टफोन की जगह दाढ़ी बढ़ाने का तेल और पैकिंग सामग्री निकली थी। मुंबई (उपनगरीय) जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की अतिरिक्त पीठ ने इस महीने दिए अपने आदेश में कहा कि ग्राहक की शिकायतों को बार-बार बिना कोई ठोस समाधान दिए बंद कर देना 'अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस' है। आयोग ने कहा कि ग्राहक ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरा भुगतान कर ऑर्डर किया था।

इसलिए फ्लिपकार्ट की यह जिम्मेदारी थी कि ग्राहक को वही उत्पाद मिले, जिसका उसने ऑर्डर दिया था। साथ ही, ग्राहक की शिकायतों का प्रभावी समाधान करना भी कंपनी का दायित्व था। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि कोई भी ई-कॉमर्स कंपनी केवल बिक्री कराने के बाद अपनी जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकती, खासकर तब जब ग्राहक तुरंत यह शिकायत करे कि उसे पूरी तरह अलग प्रोडक्ट मिला है। आयोग ने कहा कि शिकायत की सही तरीके से जांच नहीं करना, गलत पार्सल वापस नहीं लेना, न तो नया उत्पाद देना और न ही पैसे लौटाना तथा बार-बार शिकायत को बिना समाधान के बंद कर देना सेवा में स्पष्ट कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार है।

आयोग ने यह भी माना कि विक्रेता इंटरनेशनल वैल्यू रिटेल प्राइवेट लिमिटेड ने भी तय उत्पाद की डिलीवरी नहीं की और ग्राहक की बार-बार की गई शिकायतों का समाधान नहीं किया। इसलिए फ्लिपकार्ट और विक्रेता दोनों इस नुकसान और असुविधा के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। मामले के अनुसार, मुंबई के पवई निवासी ग्राहक ने 22 अप्रैल 2023 को फ्लिपकार्ट से एपल आईफोन 14 प्रो (128 जीबी) 1,11,793 रुपये में नो-कॉस्ट ईएमआई योजना के तहत खरीदा था।

ग्राहक द्वारा अलग से ऑर्डर किया गया चार्जर और मोबाइल कवर सही तरीके से पहुंच गया, लेकिन अगले दिन आए मुख्य पार्सल में आईफोन की जगह दाढ़ी बढ़ाने का तेल और पैकिंग सामग्री मिली। ग्राहक का कहना था कि अप्रैल से मई 2023 के बीच उसने कई बार फ्लिपकार्ट के कस्टमर सपोर्ट से संपर्क किया और मांगे गए सभी दस्तावेज भी जमा किए। इसके बावजूद कंपनी ने न तो पैसे लौटाए और न ही नया आईफोन भेजा।

ग्राहक ने बताया कि समस्या का समाधान करने की बजाय कंपनी ने उल्टा उसकी शिकायत को बार-बार 'समाधान हो गया' बताकर बंद कर दिया। कंज्यूमर फोरम ने फ्लिपकार्ट और विक्रेता को आदेश दिया कि वे ग्राहक को 1,11,793 रुपये की पूरी राशि 22 अप्रैल 2023 से भुगतान होने तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाएं। इसके अलावा आयोग ने मानसिक पीड़ा और उत्पीड़न के लिए 50000 रुपये और मुकदमे का खर्च 20000 रुपये देने का भी आदेश दिया। यह पूरी रकम 45 दिनों के भीतर चुकानी होगी।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया

कहा- बीमार हूं, कई बार बेहोश हो जाता हूं
दावा- शेख हसीना से बातचीत की जानकारी लीक हुई

ढाका, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा संसद (जातीय संसद) के स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद को सौंपा। राष्ट्रपति ने इस्तीफे की वजह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को बताया है।

अपने इस्तीफे में शहाबुद्दीन ने लिखा-मैं लंबे समय से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और किडनी की बीमारी से जूझ रहा हूं। हाल ही में डॉक्टरों ने मुझमें ऑटोनॉमिक न्यूरोपैथी नाम की बीमारी का पता लगाया है। इस बीमारी की वजह से कई बार अचानक कुछ समय के लिए बेहोशी आ जाती है। शारीरिक और मानसिक स्थिति को देखते हुए अब राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की जिम्मेदारियां निभाना संभव नहीं है।

पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेशी मीडिया में उनके इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि उन्होंने पूर्व पीएम शेख हसीना से

मोहम्मद शहाबुद्दीन ने 24 अप्रैल 2023 को बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी

फोन पर बातचीत की कोशिश की थी। इस खबर के बाहर आने के बाद प्रधानमंत्री नाराज हो गए थे।

हसीना के देश छोड़ने के बाद भी पद नहीं छोड़ा था

मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। उस आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद शहाबुद्दीन ही अवामी लीग सरकार के दौर के एकमात्र संवैधानिक पदाधिकारी थे, जो 2 साल बाद भी पद पर बने हुए थे। वह 9 मई को इलाज के लिए लंदन गए थे और 18 मई को ढाका लौटे थे। बांग्लादेशी समाचार पत्रों की रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत की थी। जैसे ही इस बातचीत की भनक बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व को लगी, उन्होंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। इसके बाद राष्ट्रपति तक यह मैसेज पहुंचाया कि शेख हसीना से संपर्क साधना या बातचीत करना मौजूदा राजनीतिक माहौल में स्वीकार्य नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

अखबार प्रोथोम आलो ने भी सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि सरकार इस बात से नाराज है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में शेख हसीना से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की थी। वहीं द डेली स्टार ने बीएनपी के एक सीनियर नेता के हवाले से लिखा था कि शहाबुद्दीन और शेख हसीना के बीच कथित फोन पर हुई बातचीत ही इस्तीफे की एकमात्र वजह नहीं है। दरअसल शेख हसीना ने इसी साल दिसंबर में बांग्लादेश लौटने का ऐलान किया है।

हिटलर के जन्मस्थान में अब पुलिस स्टेशन

नाजी समर्थकों की 'तीर्थयात्रा' रोकने के लिए ऑस्ट्रिया ने इमारत बदली

विएना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जर्मनी की सीमा के पास ऑस्ट्रिया के ब्राउनाउ एम इन शहर में एडॉल्फ हिटलर के जन्मस्थान की इमारत ने नई भूमिका शुरू कर दी। अब यहां पुलिस स्टेशन बनाया गया है। ऑस्ट्रिया सरकार को उम्मीद है कि इससे यह जगह नव-नाजियों के लिए 'तीर्थस्थल' नहीं बनेगी।

यह इमारत कई सालों तक निजी स्वामित्व में रही थी और यहां दिव्यांग लोगों के लिए काम करने वाली एक चैरिटी संस्था भी थी। लंबे विवाद के बाद ऑस्ट्रिया सरकार ने 2017 में इसे अनिवार्य रूप से अपने कब्जे में लिया और 2019 में इसे पुलिस स्टेशन में बदलने की घोषणा की थी। ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय के इतिहास विभाग के प्रमुख स्टीफन म्लचोज ने इमारत के दौरे के दौरान पत्रकारों से कहा कि इसका उद्देश्य एडॉल्फ हिटलर से जुड़ी किसी भी पहचान को रोकना और इस जगह से जुड़ी रहस्यमयी छवि को खत्म करना है।

पाकिस्तानी एफ-16 फाइटर जेट को अपग्रेड करेगा अमेरिका

शहबाज सरकार ने की पुष्टि, भारत को झटका

इस्लामाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसकी वायु सेना के एफ-16 फाइटर जेट के अपग्रेड करने पर अमेरिका के साथ साझेदारी सही दिशा में आगे बढ़ रही है। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने दिसम्बर 2025 में पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए 686 मिलियन डॉलर की एडवांस टेक्नोलॉजी और अपग्रेड की बिक्री को मंजूरी दी थी। यह डील ऐसे समय में हुई थी, जब भारत के साथ पाकिस्तान का तनाव चल रहा है। बीते साल मई में दोनों देशों के बीच चार दिनों तक भीषण लड़ाई चली थी।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से जब अमेरिका के साथ इस डील के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद और वॉशिंगटन के बीच व्यापक संबंधों में रक्षा सहयोग महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। पाकिस्तानी प्रवक्ता ने 686 मिलियन डॉलर के अपग्रेड कार्यक्रम के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं बताई, लेकिन कहा कि इसके डिलीवरी शेड्यूल से जुड़े सवालों का जवाब पाकिस्तान का रक्षा मंत्रालय देगा। एफ-16 डील अमेरिका और पाकिस्तान के बीच व्यापक द्विपक्षीय संबंधों का एक अहम हिस्सा बनी हुई है। यही वजह है कि कुछ देरी के बावजूद बाइडेन से लेकर ट्रंप तक इसमें निरंतरता बनी हुई है। यह नई मंजूरी 2022 में हुई मेंटेनेंस डील का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका ने पाकिस्तान के एफ-16 बेड़े को बनाए रखने पर सहमति जताई थी। पाकिस्तान के पास इस समय 70 से 80 चालू हालत वाले एफ-16 विमान हैं।

इनमें कुछ पुराने लेकिन अपग्रेड किए गए ब्लॉग 15 मॉडल हैं। कुछ जॉर्डन के एफ-16 हैं और कुछ नए ब्लॉक 52+ मॉडल हैं। अमेरिका ने जो अपग्रेड ऑफर किया है, उसमें एयरक्राफ्ट के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपडेट शामिल हैं।

इसके साथ ही एडवांस आइडेंटिफिकेशन फ्रेंड ऑफ फो सिस्टम भी है, जो पायलटों को अपने और दुश्मन के विमान के बीच पहचान में मदद करता है। अपग्रेड के साथ ही इस डील में बड़े रक्षा उपकरण भी शामिल हैं। इनकी कीमत 37 मिलियन डॉलर है। इसमें 92 लिंक-16 सिस्टम शामिल हैं।

ब्रिक्स समिट के लिए भारत ने तारिक रहमान को दिया न्योता

बांग्लादेश ने यात्रा पर रखी शर्त, फंसा पेच

ढाका, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने का न्योता दिया है। बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा उबैद ने भारत की ओर से समिट के लिए दावत मिलने की पुष्टि की है।

हालांकि बांग्लादेश की ओर से ऐसे संकेत दिए गए हैं, जिससे तारिक रहमान का भारत आना मुश्किल लगता है। इसके पीछे शेख हसीना को भारत में शरण मिलना कारण बनता दिख रहा है। भारत में बांग्लादेश के राजदूत हमीदुल्लाह रियाज ने सीधे ब्रिक्स समिट की बात नहीं की है लेकिन कहा है कि शेख हसीना के भारत में रहते हुए तारिक रहमान का यहां आना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना ना सिर्फ भारत में हैं बल्कि यहां रहते हुए ऐसे बयान दे रही हैं, जो बांग्लादेश-विरोधी हैं। ऐसे में हमारे प्रधानमंत्री दिल्ली कैसे आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय को भारतीय पक्ष से प्रधानमंत्री के नई दिल्ली दौरे का निमंत्रण मिला है। निमंत्रण पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले ही भेजा जा चुका है। उनको ही दौरे पर आखिरी फैसला करना है।

'चीन की यात्रा का आर्थिक महत्व'

नयनिमा बसु के साथ एक इंटरव्यू में हमीदुल्लाह रियाज ने भारत-बांग्लादेश के रिश्ते पर बात की है। उनसे पूछा गया था कि चीन की यात्रा के बाद क्या प्रधानमंत्री तारिक रहमान इस साल भारत का दौरा भी करेंगे। इस पर रियाज ने कहा कि यह कहना सही नहीं होगा कि ढाका ने किसी एक देश पर दूसरे देश को प्राथमिकता दी है। बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्षों ने पहले भी चीन की यात्राएं की हैं। पीएम रहमान के मामले में कई आर्थिक जरूरतों की वजह से चीन उनकी पहली विदेश यात्रा रही है। हां पीएम के तौर पर तारिक रहमान की पहली यात्रा भारत की हो सकती थी लेकिन यह समझना होगा कि बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा समय में कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं।

ब्रिटिश एयरवेज के प्लेन ने हैदराबाद से भरी उड़ान और 30,000 फीट पर बिगड़ी पायलटों की हालत

लंदन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट बुधवार को हादसे का शिकार होती-होती बची है। फ्लाइट के तीनों पायलट उड़ान भरने के बाद बीमार पड़ गए। इससे विमान में सवार यात्रियों की सांसे हलक में अटक गईं। हालांकि राहत की बात ये रही कि तबीयत खराब होने के बावजूद पायलट फ्लाइट को सुरक्षित उसकी मंजिल तक ले जाने में कामयाब रही।

ये फ्लाइट हैदराबाद से लंदन जा रही थी। तीनों पायलटों ने उड़ान भरने से हैदराबाद में नाश्ता किया था। माना जा रहा है कि उनको फूड पॉइजनिंग हुई। एयरलाइन ने इसे एक गंभीर घटना माना है और मामले की जांच की जा रही है।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए 276 ने बुधवार सुबह 7.45 बजे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लंदन के लिए उड़ान भरी। इसकी यात्रा का समय 10 घंटे 35 मिनट था। फ्लाइट से एक रात पहले इस फ्लाइट के तीनों पायलट हैदराबाद के उसी रेगुलर होटल में रुके थे, जिसका इंतजाम एयरलाइन ने किया था। यात्रा शुरू करने से

यात्रियों की अटकी सांसे

पहले तीनों ने लाउंज में नाश्ता किया और फिर उड़ान भरी।

फ्लाइट में सवार होने के कुछ समय बाद पायलटों की तबीयत बिगड़ने लगी। विमान जब 30,000 फीट की ऊंचाई पर था तो एक पायलट की तबीयत इतनी खराब हो गई कि उन्हें ऑक्सीजन तक देनी पड़ी। एयरलाइंस का कहना है कि तमाम मुश्किल के बावजूद किसी भी स्टेज पर यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया गया।

लंदन में उतरने के बाद पायलट को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और उनकी सर्जरी हुई। दावा किया गया कि ये सर्जरी 12 घंटे तक चली। रिपोर्ट में बताया गया है कि पायलटों ने होटल लाउंज में नाश्ते के साथ एक बाहरी कंपनी का बोतलबंद पानी भी पिया था।

ईरान पर सबसे बड़े हमले की तैयारी में अमेरिका

ट्रम्प बोले- फैसला लेना बाकी, ईरान ने कहा- इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सबसे बड़ा हमला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, तैयारी पूरी है, अब सिर्फ फैसला लेना बाकी है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान ने अभी तक पर्याप्त दर्द नहीं झेला है। ट्रम्प के बयान के बाद ईरान ने भी तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका ने हमले जारी रखे तो उसे इसकी 'भारी कीमत' चुकानी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म करने का रास्ता बातचीत है, नए हमले नहीं। इधर, ब्रिटेन ने भी अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है।

ब्रिटिश सरकार का कहना है कि जरूरत पड़ने पर उसकी सेना देश की सुरक्षा के लिए तैयार है। इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका ने ब्रिटेन के सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया तो उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है।

मेरी पार्टनर हॉफ इंडियन, एलन मस्क ने नस्लवाद के आरोपों को किया खारिज

एंटी मुस्लिम पर दिया ये जवाब

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के अपने ऊपर लगने वाले नस्लवाद के आरोपों पर खुलकर जवाब दिया है। हाल ही हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैं नस्लवादी नहीं हूं। एलन मस्क अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लकेर आलोचकों के निशाने पर रहे हैं, जिनमें बार-बार नस्ल, श्वेत पहचान और आप्रवासन का जिक्र किया गया है।

आलोचकों का कहना है कि उनकी पोस्ट ने नस्लीय मुद्दों से जुड़ी सीमाओं को पार कर लिया है और वे ऐसी भाषा को बढ़ावा दे रहे हैं, जो वॉइट सुप्रीमिस्ट विचारों से जुड़ी रही है।

द इकोनॉमिस्ट की एडिटर इन चीफ जैनी मिंटन बेडोस से बात करते हुए मस्क ने इमिग्रेशन, सोशल मीडिया एक्टिविटी और

अपनी कंपनी के कल्चर पर अपने सार्वजनिक रुख का बचाव किया। जब जैनी ने मस्क से पूछा कि क्या वे नस्लवादी हैं, तो उन्होंने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि उनके परिवार की पृष्ठभूमि और कंपनी में कर्मचारियों की भर्ती इस बात का सबूत है। ट्रंप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि उनकी पार्टनर आधी भारतीय हैं। उनके चार बच्चे हैं जिसमें से एक का नाम प्रसिद्ध भारतीय भौतिक शास्त्री के नाम पर रखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी अलग-अलग कंपनियों में अलग-अलग नस्लों के सीनियर एग्जीक्यूटिव काम करते हैं, जो बताता है कि वे नस्लवादी नहीं हैं।

हालांकि, इसी इंटरव्यू में जब मस्क से पूछा गया कि क्या आप एंटी-मुस्लिम हैं? तो उन्होंने सीधे इनकार करने के बजाय अलग ही जवाब दिया। स्पेसएक्स सीईओ ने कहा कि अलग लोग किसी देश में अलग सोच के साथ आ रहे हैं, तो मैं उसके खिलाफ हूं। मस्क ने कहा कि वह रेप और मर्डर के खिलाफ हैं। वे उन नियमों और कानूनों को लागू करने के खिलाफ हैं, जो पश्चिम में हमारी मानी जाने वाली बातों के उलट मानते हैं। एलन मस्क ने इस साल की शुरुआत में अपने बच्चों के नाम के पीछे की कहानी बताई थी। टेस्ला ओनर्स सिलिकॉन वैली के X अकाउंट की पोस्ट का जवाब देते हुए मस्क ने बताया कि उनके बेटे स्ट्राइडर शेखर के नाम के पीछे दो प्रेरणा ती।

उन्होंने कहा कि स्ट्राइडर नाम जेआरआर टॉल्किन की किताब द लॉर्ड ऑफ रिंग्स में अरागॉर्न के उपनाम से लिया गया है। वहीं, शेखर नाम भारतीय-अमेरिकी एस्ट्रोफिजिसिस्ट सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर के सम्मान में रखा गया है। एस चंद्रशेकर को 1983 में फिजिक्स का नोबेल मिला था।

सऊदी के प्रिंस की लंदन में ड्रग्स के ओवरडोज से हुई थी मौत

लंदन के होटल में मृत मिले अब्दुल्ला बिन फहद

लंदन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सऊदी अरब के एक राजकुमार की लंदन में मौत के मामले में सामने आया है कि ड्रग्स की बहुत ज्यादा मात्रा लेने की वजह से उनकी जान गई थी। जांच में पता चला है कि लंदन के एक लग्जरी होटल में शराब, पार्टी ड्रग्स और डॉक्टर की लिखी दवाओं का जानलेवा कॉम्बिनेशन लेने के बाद 29 साल के सऊदी प्रिंस की मौत हुई। अब्दुल्ला बिन फहद बिन अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज बिन जलावी अल सऊद 25 नवंबर, 2025 को केंसिंग्टन के मैरियट होटल में अपने कमरे में मृत पाए गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद को कई तरह की ड्रग्स लेने की वजह से उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था। इनर वेस्ट लंदन कोरोनर कोर्ट में पेश सबूतों के अनुसार, राजकुमार अब्दुल्ला 19 नवंबर को 600 यूरो प्रति रात

वाले इस होटल में एक हफ्ते के लिए रुके थे। मौत से एक शाम पहले उन्हें आखिरी बार सीसीटीवी में सिगरेट पीने के लिए बाहर निकलते हुए देखा गया था।

सीसीटीवी में दिखने के अगले दिन होटल का एक सफाई कर्मचारी उनके पांचवीं मंजिल वाले कमरे में गया और उन्हें बाथरूम के फर्श पर गिरा हुआ पाया। होटल के स्टाफ ने तुर्त इमरजेंसी सर्विस को सूचना दी। पैरामेडिक्स मौके पर पहुंचे लेकिन उन्हें होश में नहीं लाया जा सका। उनको मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट से पता चला कि ड्रग्स और शराब के खतरनाक मिश्रण से मौत हुई। जांच में पता चला कि प्रिंस अब्दुल्ला के खून में अल्कोहल की मात्रा 222mg प्रति 100ml थी। यह इंग्लैंड में शराब पीकर गाड़ी चलाने की कानूनी सीमा से तीन गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों ने कोर्ट को बताया कि अकेले अल्कोहल के इस स्तर से ही इंसान कोमा में जा सकता है। कोर्ट को बताया गया कि प्रिंस अब्दुल्ला की मौत से पहले उन्हें शराब की लत और डॉक्टर की सलाह पर ली जाने वाली दवाओं पर निर्भरता की समस्या थी। अगस्त 2025 में उन्हें रोहैम्पटन के प्रायरी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था।

यहां शराब, बेंजोडायजेपाइन और प्रीगाबालिन से छुटकारा पाने के लिए उनका डिटॉक्सिफिकेशन किया गया। कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट डॉक्टर विक्टोरिया चमोरो ने कहा कि प्रिंस ने इलाज में अच्छा सहयोग दिया। भर्ती होने के समय उनमें चिंता और उदासी के लक्षण दिखे थे। उन्होंने बिना किसी शारीरिक परेशानी के डिटॉक्स प्रोग्राम पूरा किया।

बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसबी और बीजीबी आमने-सामने

पुश-इन के मुद्दे पर बढ़ा तनाव, भारत पर लगाया आरोप

ढाका, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने एक बार फिर भारत की ओर से जबरन उसकी सीमा में लोगों को धकेलने का आरोप लगाया है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने दावा किया है कि मंगलवार तड़के चुआडांगा बॉर्डर पर उसने स्थानीय लोगों की मदद से भारतीय बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की पांच लोगों को बांग्लादेशी इलाके में धकेलने की कोशिश को नाकाम किया। बीजीबी की ओर से हालिया दिनों में कई दफा बीएसएफ पर पुश इन (लोगों को जबरन सीमा पार ठेलने) के आरोप लगाए गए हैं।

बीजीबी की चुआडांगा बटालियन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह घटना मंगलवार सुबह करीब 4 बजे दर्शन बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) के अधिकार क्षेत्र में बॉर्डर पिलर 76/4-S के पास हुई। 32 बीएसएफ बटालियन के गेडे कैंप के जवानों ने पांच अनजान लोगों को गलत तरीके से बांग्लादेश में दाखिल कराने की कोशिश की। इनमें एक पुरुष, तीन महिलाएं और एक बच्चा था। बीजीबी ने दावा किया कि उनकी पेट्रोलिंग टीम ने बीएसएफ को लोगों को सीमा के इस पार भेजने की कोशिश की। बीजीबी के विरोध की वजह से उस ग्रुप को बॉर्डर पर लगी कंटीली तारों वाली बाड़ के पास रुकना पड़ा। चुआडांगा बटालियन (6 बीजीबी) के एक्टिंग कमांडर मेजर हबीब हसन ने कहा कि जवानों को अलर्ट पर रखा गया है। बांग्लादेश की ओर से एक बार फिर भारत पर पुश इन के आरोप लगातार लगाए जा रहे हैं। इसी हफ्ते बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा है कि भारत ने बार-बार लोगों को इस ओर धकेलने की कोशिश की है लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से भारतीय पक्ष की ओर से हो रही इन कोशिशों को रोका है।

यरुशलम में भारतीय व्यक्ति की हत्या

संदिग्ध इजराइली गिरफ्तार

कटामोन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यरुशलम के कटामोन इलाके में गुरुवार को 40 साल के भारतीय व्यक्ति का शव एक घर में मिला। पुलिस के मुताबिक, शव फर्श पर पड़ा था और उसके आसपास काफी खून था।

इजराइल पुलिस ने हत्या के शक में 31 साल के एक इजराइली नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में मामला आपराधिक प्रकृति का लग रहा है। मृतक और संदिग्ध की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। यरुशलम जिला कमांडर अवशालोम पेलेड भी मौके पर पहुंचे और जिला अधिकारियों के साथ स्थिति का आकलन किया। पेलेड ने शुरुआती आकलन के बाद जांच जारी रखने के निर्देश दिए। पुलिस के मुताबिक, मृतक 40 साल का भारतीय प्रवासी कामगार था।

नेपाल के प्रधानमंत्री पर सुप्रीम कोर्ट में दखल का आरोप

3 जजों पर इस्तीफे का दवाब बना रहे बालेन शाह, अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने चेतावनी दी

काठमांडू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर सुप्रीम कोर्ट को अपने पक्ष में करने की कोशिश के आरोप लगे हैं। तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स ने संयुक्त बयान जारी कर यह आरोप लगाए हैं।

संगठनों का कहना कि सरकार तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों पर इस्तीफा देने का दबाव बना रही है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ महाभियोग लाया जा सकता है। संगठनों का कहना है कि सरकार का मकसद सुप्रीम कोर्ट की संरचना बदलना है।

उनका आरोप है कि हाल के महीनों में ऐसे कई कदम उठाए गए हैं जिनसे अदालत की स्वतंत्रता कमजोर हो सकती है और संवैधानिक मामलों की सुनवाई प्रभावित हो सकती है। बयान में मनोज कुमार शर्मा को नेपाल का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। शर्मा उस समय वरिष्ठता क्रम में चौथे स्थान पर थे। उनसे सीनियर तीन न्यायाधीश को नजरअंदाज कर दिया गया। इसी वजह से विवाद शुरू हुआ। नेपाल में लंबे समय से यह परंपरा रही है कि सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को ही मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है। इस बार इस परंपरा का पालन नहीं किया गया और मनोज शर्मा को तब यह पद दिया गया जब उनसे सीनियर जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, कुमार रेग्मी और हरि फुयाल मौजूद थे। इसके अलावा संगठन का आरोप है कि मनोज कुमार शर्मा के खिलाफ मिली शिकायतों की भी खुली और निष्पक्ष जांच नहीं की गई। संसदीय सुनवाई समिति को शर्मा के खिलाफ कुल 16 शिकायतें मिली थीं। हालांकि ये शिकायतें गोपनीय रखी गई और मीडिया के सामने पेश नहीं की गईं। बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में शर्मा से तीन सीनियर जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, कुमार रेग्मी और हरि फुयाल पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया जा रहा है। संगठनों का कहना है कि अब तक इन तीनों के खिलाफ ऐसा कोई सार्वजनिक आरोप या ठोस सबूत सामने नहीं आया है, जिससे यह साबित हो कि उन्होंने कोई गंभीर संवैधानिक या कानूनी गलती की है।

झारखंड में 27 जुलाई तक बारिश का यलो अलर्ट

गर्जन, वज्रपात के साथ हो सकती है बारिश, 40किमी की रफ्तार से चलेगी हवा

रांची, 24 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के आधे से अधिक जिले में रोजाना ही रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। आज पूरे राज्य में मानसून के पूरी तरह सक्रिय रहने की संभावना जताई गई है, जिससे अधिकतर जिलों में दिनभर बादल छाए रहेंगे।

कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ मौसम सुहावना बना रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 5 दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव होने की संभावना नहीं है। राज्य में शुक्रवार को कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम विभाग की ओर से अगले 27 जुलाई तक ऐसे ही मौसम के बने रहने की संभावना जताई गई है।

भगवान विष्णु की कृपा का दिव्य पर्व

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी, हरिशयनी एकादशी और पद्मा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस बार यह व्रत 25 जुलाई को किया जाएगा। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर चार महीने की योगनिद्रा के लिए चले जाते हैं। इन चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है, जो कार्तिक शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी (20-21 नवंबर) तक चलता है।

देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु के विश्राम काल की शुरुआत होती है। इसके बाद चातुर्मास में विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक संस्कारों पर रोक लग जाती है। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, जप, तप, दान, हवन और आध्यात्मिक साधना करने का विशेष महत्व है। 24 जुलाई से शुरू होकर एकादशी तिथि, 25 जुलाई को रहेगा व्रत - देवशयनी एकादशी तिथि 24 जुलाई की सुबह 9.12 बजे से शुरू हो गई है, जो कि 25 जुलाई की सुबह 11.34 बजे तक रहेगी। उदयकालीन तिथि के आधार पर देवशयनी एकादशी का व्रत 25 जुलाई को रखा जाएगा।

देवशयनी एकादशी के साथ ही चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है। मान्यताओं के अनुसार इस दौरान 16 संस्कारों में शामिल विवाह, उपनयन, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। माना जाता है कि भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने के कारण हमारे शुभ कार्यों में श्रीहरि उपस्थित नहीं हो पाते हैं, विष्णु जी की उपस्थिति के बिना किए गए मांगलिक कार्य सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए इस दौरान इन मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।

पंढरीनाथ नर्सिंकर

चातुर्मास को धर्म-कर्म के लिए विशेष फलदायी माना गया है। इस अवधि में भजन, कीर्तन, सत्संग, कथा, भागवत पाठ, पूजा और अनुष्ठान करने से आध्यात्मिक लाभ मिलने की मान्यता है। इस दौरान दान-पुण्य और संयमित जीवन का भी विशेष महत्व बताया गया है।

राजा बलि से जुड़ी है भगवान विष्णु के शयन की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु के चार महीने के शयन का संबंध राजा बलि से है। मान्यता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण कर राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी थी, तब बलि ने अपना सर्वस्व दान कर दिया था। भगवान वामन ने पहले पग में पूरी पृथ्वी, आकाश और सभी दिशाओं को नाप लिया। दूसरे पग में उन्होंने स्वर्ग लोक को अपने अधीन कर लिया। जब तीसरे पग के लिए स्थान नहीं बचा, तो राजा बलि ने अपना सिर भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया। उनकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का अधिपति बनाया।

राजा बलि ने भगवान से अपने साथ रहने का वर मांगा। भक्त की इच्छा पूरी करने के लिए भगवान विष्णु चार महीने तक पाताल लोक में निवास करते हैं। इसी कारण इस अवधि को भगवान के योगनिद्रा काल से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि इस दौरान सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव संभालते हैं।

देवउठनी एकादशी पर फिर शुरू होंगे मांगलिक कार्य

चातुर्मास का समापन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानी देवउठनी एकादशी (20-21 नवंबर) पर होता है। इसी दिन भगवान विष्णु की योगनिद्रा समाप्त होने की मान्यता है। इसके बाद विवाह और अन्य शुभ कार्यों की शुरुआत फिर से हो जाती है। ग्रंथों में देवशयनी एकादशी को सौभाग्य प्रदान करने वाली तिथि बताया गया है। एकादशी व्रत और भगवान विष्णु की भक्ति करने से भक्त के पापों का नाश होता है।

जब भीम ने समझा खुद को सबसे शक्तिशाली हनुमान जी की पूंछ ने तोड़ दिया सारा घमंड

हनुमान जी और भीम की मुलाकात का प्रसंग रामायण और महाभारत की सबसे प्रेरक कथाओं में गिना जाता है। यह सिर्फ दो महाबलियों के मिलने की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि शक्ति कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसके साथ विनम्रता होना सबसे जरूरी है। महाभारत के वनवास काल में घटित यह घटना आज भी लोगों को यह समझाती है कि अहंकार इंसान की सबसे बड़ी कमजोरी बन सकता है।

भीम अपनी असाधारण ताकत पर गर्व करते थे, जबकि हनुमान जी ने बिना क्रोध किए उन्हें ऐसा सबक दिया, जिसे वे जीवनभर नहीं भूल सके। इस कथा में भक्ति, शक्ति, धैर्य और ज्ञान का अद्भुत मेल दिखाई देता है। यही वजह है कि आज भी जब विनम्रता और आत्मज्ञान की बात होती है, तो हनुमान जी और भीम की इस मुलाकात का उदाहरण सबसे पहले दिया जाता है।

हनुमान जी और भीम का क्या संबंध था?

बहुत कम लोग जानते हैं कि हनुमान जी और भीम दोनों ही पवन देव के पुत्र माने जाते हैं। इस नाते दोनों भाई थे। हनुमान जी का जन्म त्रेता युग में हुआ था, जबकि भीम द्वापर युग में पांडवों के रूप में जन्मे। दोनों में अद्भुत शारीरिक बल था, लेकिन उनके स्वभाव में बड़ा अंतर था। हनुमान जी शक्ति के साथ विनम्रता और सेवा का प्रतीक थे, जबकि भीम कई बार अपने बल पर गर्व कर बैठते थे।

कैसे हुई दोनों की मुलाकात?

महाभारत के अनुसार, वनवास के दौरान द्रौपदी ने सुगंधित सौगंधिक पुष्प की इच्छा जताई। द्रौपदी की इच्छा पूरी करने के लिए भीम उस पुष्प की खोज में निकल पड़े। रास्ते में घने जंगल के बीच उन्होंने एक वृद्ध वानर को आराम करते हुए देखा। उस वानर की पूंछ रास्ते के बीचों-बीच फैली हुई थी। भीम ने वानर से रास्ता छोड़ने के लिए कहा। वृद्ध वानर ने शांत स्वर में उत्तर दिया कि वह बूढ़ा है और उठ नहीं सकता। यदि भीम चाहें तो उसकी पूंछ हटाकर आगे बढ़ जाएं।

जब भीम से नहीं हिली पूंछ

भीम को यह बात बहुत आसान लगी। उन्होंने सोचा कि एक बूढ़े वानर की पूंछ हटाना कौन-सी बड़ी बात है। पहले उन्होंने एक हाथ से पूंछ उठाने की कोशिश की, लेकिन वह टस से मस नहीं हुई। फिर दोनों हाथों से पूरी ताकत लगा दी। इसके बाद भी पूंछ अपनी जगह से नहीं हिली। धीरे-धीरे भीम को एहसास होने लगा कि सामने बैठा साधारण वानर नहीं हो सकता। उनका आत्मविश्वास अब आश्चर्य में बदल चुका था।

हनुमान जी ने दिया विनम्रता का संदेश

जब भीम ने विनम्र होकर उस वानर से उसका परिचय पूछा, तब हनुमान जी ने अपना वास्तविक स्वरूप प्रकट किया। अपने बड़े भाई के दर्शन पाकर भीम भावुक हो गए और उनके चरणों में झुक गए। हनुमान जी ने भीम से कहा कि केवल शारीरिक बल ही पर्याप्त नहीं होता। जो व्यक्ति शक्ति के साथ विनम्रता, संयम और बुद्धि को अपनाता है, वही सच्चा वीर कहलाता है। उन्होंने यह भी समझाया कि अहंकार हमेशा मनुष्य के पतन का कारण बनता है।

विशाल रूप के दर्शन भी कराए

भीम की इच्छा पर हनुमान जी ने उन्हें अपना विराट स्वरूप भी दिखाया। कहा जाता है कि उनका विशाल रूप देखकर भीम आश्चर्यचकित रह गए। तब उन्हें यह समझ आया कि संसार में उनसे कहीं अधिक शक्तिशाली और महान विभूतियां मौजूद हैं। यह अनुभव भीम के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उनके व्यवहार में पहले से अधिक धैर्य और संतुलन देखने को मिला।

महाभारत युद्ध में भी निभाया साथ

इस मुलाकात के दौरान हनुमान जी ने भीम को आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्होंने वचन दिया कि महाभारत के युद्ध में वे अर्जुन के रथ की ध्वजा पर विराजमान रहेंगे। इसी कारण अर्जुन के रथ पर कपि ध्वज दिखाई देता है। मान्यता है कि हनुमान जी की उपस्थिति से पांडवों का मनोबल बढ़ा और उन्हें आध्यात्मिक शक्ति भी मिली।

क्या आप भी रात में शीशा देखकर सोते हैं?

रात में सोते समय किए गए कुछ काम हमारे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। ऐसी ही एक मान्यता रात में सोने से पहले कुछ चीजों को देखने से जुड़ी है। कहा जाता है कि सोने से पहले शीशा नहीं देखना चाहिए। वास्तु शास्त्र पर आधारित ऐसी और भी कई मान्यताएं हैं। तो चलिए जानते हैं वास्तु के अनुसार, अच्छी नींद के लिए रात में किन चीजों से बचने की सलाह दी जाती है।

रात में शीशा देखने से क्यों बचें?

वास्तु शास्त्र के अनुसार रात में सोने से पहले शीशा देखना शुभ नहीं होता। मान्यता है कि दर्पण सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की ऊर्जा को अपने अंदर समाहित करता है। रात के समय नकारात्मक ऊर्जा अधिक सक्रिय मानी जाती है, इसलिए सोने से पहले शीशा देखने से मानसिक तनाव, बेचैनी या नींद में बाधा आने की आशंका बताई जाती है। यही कारण है कि कई लोग बेड के सामने शीशा रखने से भी बचने की सलाह देते हैं।

सोने से पहले पानी देखने की मान्यता

वास्तु में जल तत्व को चंचलता का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि रात में सोने से पहले पानी को बार-बार देखना या सिरहाने पानी रखना मन की स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। अगर किसी कारणवश कमरे में पानी रखना जरूरी हो, तो उसे सिर के स्तर से नीचे रखने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से ऊर्जा का संतुलन बेहतर रहने की बात कही जाती है।

गंदे बर्तन भी अशुभ

रात में किचन में गंदे या झूठे बर्तन छोड़ना भी उचित नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे घर का वातावरण नकारात्मक हो सकता है। ऐसी भी मान्यता है कि लंबे समय तक यह आदत आर्थिक परेशानियों और मानसिक अशांति का कारण बन सकती है। इसलिए रात में सोने से पहले रसोई की सफाई करके ही आराम करना बेहतर माना जाता है।

वास्तु की क्या है सलाह?

शांत और सकारात्मक माहौल अच्छी नींद के लिए महत्वपूर्ण है। वास्तु अनुसार सोने से पहले शीशा देखने, रसोई में गंदे बर्तन छोड़ने और पानी को सिरहाने रखने जैसी आदतों से बचने की सलाह दी जाती है। हालांकि, अगर नींद से जुड़ी समस्या लगातार बनी रहती है, तो विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

बहू-बेटियां, माताएं अपने प्रेम, त्याग, धैर्य और संस्कारों से परिवार को जोड़े रखती हैं

परिवार की वास्तविक शक्ति घर की महिलाएं होती हैं। बहू-बेटियां और माताएं अपने प्रेम, त्याग, धैर्य, संस्कारों से परिवार को जोड़े रखती हैं, उनके कारण घर में एकता, संतुलन, सामंजस्य, सौहार्द और सद्भाव बना रहता है। वे हर परिस्थिति में परिवार का सहयोग करती हैं और सभी सदस्यों की देखभाल करती हैं। इसलिए उन्हें घर की लक्ष्मी कहा जाता है। अक्सर उनके योगदान पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता, जबकि उनके बिना घर का वातावरण, अपनापन और व्यवस्था संभव नहीं है। वास्तव में, महिलाओं के योगदान से ही घर, घर जैसा बनता है। महिलाओं का हमेशा सम्मान करें।

अद्भुत: बाबा पशुपतिनाथ का शिवना ने किया जलाभिषेक, शिवलिंग के 8 मुख जलमग्न

मध्य प्रदेश के मंदसौर में सोमवार शाम से लगातार हो रही बारिश से शिवना नदी उफान पर है। वहीं नदी किनारे स्थित बाबा पशुपतिनाथ की प्रतिमा के नीचे के 8 मुख जलमग्न हो चुके हैं। इस अद्भुत संयोग के बाद मंदिर में ढोल नगाड़े बजना शुरू हो गए हैं।

मध्य प्रदेश के मंदसौर में सोमवार शाम से लगातार हो रही बारिश से शिवना नदी उफान पर है। वहीं नदी किनारे बसे बाबा पशुपतिनाथ के मंदिर में भी शिवना ने प्रवेश कर लिया है। बताया जा रहा है कि बाबा पशुपतिनाथ की प्रतिमा के नीचे के 8 मुख जलमग्न हो चुके हैं।

मंदसौर वासियों के लिए यह शुभ माना जाता है। इस अद्भुत संयोग के बाद मंदिर में ढोल नगाड़े बजना शुरू हो गए हैं। वहीं अभी शिवना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शिवना नदी के उफान पर होने की वजह से शिवना नदी का पानी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में गर्भ गृह में प्रवेश कर गया है।

इस सीजन में पहली बार भगवान पशुपतिनाथ का शिवना ने जलाभिषेक किया है। मान्यता है कि जिस वर्ष शिवना नदी भगवान पशुपतिनाथ का जलाभिषेक कर देती है, वह साल इलाके के लिए खुशहाली भरा होता है।

मंदसौर में शिवना नदी के तट पर स्थापित 7वीं सदी के इस प्राचीन शिवलिंग को स्वयंभू माना जाता है। पशुपतिनाथ की प्रतिमा अष्टमुखी है जो कि काफी दुर्लभ है। पशुपतिनाथ मंदिर में मौजूद प्रतिमा 1940 में शिवना नदी से निकली है।

1961 में मंदिर के निर्माण के बाद प्रतिमा की स्थापना की गई थी। कहा जाता है कि भगवान पशुपतिनाथ की अष्टमुखी प्रतिमा का निर्माण विक्रम संवत 575 ईस्वी में सम्राट यशोधर्मन की हूणों पर जीत के बाद कराया गया था लेकिन मूर्ति को बचाने के लिए इसे नदी में छुपा दिया गया था।

कलयुग खत्म होने में बचा है कितना समय और कब जन्म लेंगे कल्कि भगवान ?

सनातन धर्म शास्त्रों में चार युगों का वर्णन है, जिनमें से वर्तमान कलियुग सबसे चुनौतीपूर्ण है। शास्त्रों के अनुसार, जब अधर्म बढ़ेगा, भगवान विष्णु कल्कि रूप में अवतरित होकर पापियों का नाश करेंगे और धर्म की पुनः स्थापना करेंगे। कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का है, जिसमें से लगभग 5000 वर्ष बीत चुके हैं। कल्कि पुराण में इसके अंत और भगवान कल्कि के अवतार का विस्तृत वर्णन है। सनातन धर्म शास्त्रों में चार युगों के बारे में बताया गया है। सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलयुग। अभी कलयुग का समय चल रहा है। शास्त्रों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस युग में जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु कल्कि भगवान के रूप में धरती पर अवतरित होंगे और पापियों और पाप का नाश करके धरती पर दोबारा धर्म की स्थापना करेंगे। इसके बाद फिर से सतयुग की शुरुआत हो जाएगी। हर युग की यही कहानी रह है, जब धरती पर पाप और अधर्म बढ़ जाता है, तो भगवान अवतरित होते हैं और पाप का नाश करके धर्म को स्थापित करते हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता के मुताबिक, पहले युगों में बुराई सीमित व्यक्तियों तक थी, लेकिन कलयुग में ऐसा नहीं है। इस युग में हर व्यक्ति में बुराई बसी हुई है। मनुष्य के अंदर 'राक्षसी प्रवृत्ति' जैसे लालच, हिंसा, धोखा और स्वार्थ ने स्थान बना रखा है। ऐसे में बहुत से लोगों के मन में ये सवाल आता है कि अभी कलयुग का कौन सा चरण चल रहा है? इस युग के खत्म होने में कितना समय शेष हैं और कल्कि भगवान का अवतार कब होगा? इन सब सवालों के जवाब कल्कि पुराण में मिलते हैं।

कलयुग में अभी कितना समय है बाकी?

कलयुग को सबसे चुनौतीपूर्ण युग माना गया है। शास्त्रों में बताया गया है कि कलयुग का कुल समय 04 लाख 32 हजार वर्ष का है। इसमें से करीब 5000 साल बीत चुके हैं। यानी अभी ये कलयुग का शुरुआती चरण है। बड़े ज्योतिषियों और धर्माचार्यों की मानें तो अभी ये कलयुग का गोल्डन पीरियड चल रहा है। कल्कि पुराण के मुताबिक, कलयुग के आगे बढ़ने के साथ मनुष्य की आयु, शक्ति और नैतिकता धीरे-धीरे कम होती चली जाएगी।

कब होगा भगवान कल्कि का जन्म?

धर्म, सत्य और विश्वास कमजोर होंगे, जबकि स्वार्थ, लालच और अहंकार बढ़ेगा। कलयुग के अंत समय में लोग अत्यधिक स्वार्थी, हिंसक और नैतिकता से दूर हो जाएंगे। झूठ और छल का बोलबाला हो जाएगा। राजा अन्याय करेंगे और आम जनता पीड़ा सहन करेगी। तब भगवान विष्णु कल्कि रूप में अवतरित होकर अधर्म का नाश करेंगे और एक सतयुग की शुरुआत करेंगे।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कल्कि भगवान सफेद घोड़े पर सवार होकर आएंगे। उनके हाथ में तलवार होगी और वे अधर्म का नाश कर धर्म की पुनः स्थापना करेंगे।

हाथ में शनि समेत 3 पर्वत मजबूत तो सरकारी नौकरी के संकेत

ज्योतिष शास्त्र अनुसार जिन लोगों के हाथ में शनि, गुरु और सूर्य पर्वत मजबूत स्थिति में होते हैं, ऐसे लोगों के बड़े अधिकारी बनने के प्रबल योग रहते हैं। जानिए हथेली में कहां होते हैं ये तीनों पर्वत और कैसे पता चलती है इनकी मजबूत स्थिति।

ज्योतिष और हस्तरेखा शास्त्र अनुसार, हमारी हथेली में रेखाओं के साथ ही विभिन्न ग्रहों के पर्वत भी बने होते हैं। इन पर्वतों को देखकर भी ये आसानी से जाना जा सकता है कि किस व्यक्ति का जीवन कैसा रहेगा। हर व्यक्ति की चाहत होती है कि उसे जीवन में ऊंचा पद और मान-सम्मान की प्राप्ति हो। हथेली में मौजूद ये पर्वत आपकी इसी चाहत से जुड़े कई गहरे राज खोल देते हैं। इन्हें देखकर आप जान सकते हैं कि आपके जीवन में बड़ा अधिकारी बनने के कितने प्रबल योग हैं। चलिए जानते हैं कि हाथ में वो कौन से तीन पर्वत हैं जो आपको सरकारी नौकरी मिलने का संकेत देते हैं।

शनि पर्वत

मध्यमा उंगली के ठीक नीचे वाले स्थान को शनि पर्वत कहा जाता है। कहते हैं यदि यह पर्वत सामान्य से अधिक उभरा हुआ हो और उस पर कोई कटी-फटी रेखा न हो, तो सरकारी नौकरी लगने के प्रबल चांस रहते हैं। ऐसे लोग मेहनती, अनुशासित, धैर्यवान और ईमानदार होते हैं। इस पर्वत का मजबूत होना सरकारी नौकरी में उच्च पद मिलने का संकेत देता है।

गुरु पर्वत

हथेली में शनि पर्वत के साथ ही अगर गुरु पर्वत भी मजबूत है, तो जातक के बड़े अधिकारी बनने के प्रबल योग रहते हैं। हथेली में गुरु पर्वत तर्जनी उंगली के ठीक नीचे होता है। अगर ये स्थान आपका उभरा हुआ है तो समझिए आपकी कुंडली में ज्ञान और समृद्धि के कारक गुरु की स्थिति काफी मजबूत है। कहते हैं जिस व्यक्ति का गुरु पर्वत मजबूत होता है, ऐसे लोगों को सरकारी नौकरी में लाभ मिलता है। यह पर्वत बड़ा प्रशासनिक पद दिलाने में मुख्य भूमिका निभाता है।

सूर्य पर्वत

अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर के ठीक नीचे के भाग को सूर्य पर्वत कहा जाता है। यदि यह स्थान अच्छे से उभरा हुआ है और यहां से एक स्पष्ट सूर्य रेखा निकल रही है तो सरकारी नौकरी, प्रसिद्धि और उच्च पद मिलने के प्रबल योग होते हैं। यदि हथेली में शनि और गुरु के साथ ही सूर्य पर्वत भी मजबूत है, तो व्यक्ति न केवल बड़ा अधिकारी बनता है, बल्कि अपने काम में खूब नाम भी कमाता है।

ज्योतिष अनुसार ये तीनों पर्वत आपके भाग्य को काफी मजबूती प्रदान करते हैं। लेकिन यहां ये भी ध्यान रखना जरूरी है कि भाग्य का साथ भी तभी मिलेगा, जब आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए कड़ी मेहनत के साथ ही निरंतर प्रयास करते रहें।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 जुलाई - 2026

पेपर लीक पर निर्णायक प्रहार

प्रतियोगी परीक्षाएं नौकरी हासिल करने का माध्यम तो है ही, साथ ही करोड़ों युवाओं के सपनों, वर्षों की मेहनत और परिवारों की उम्मीदों का आधार भी है। ऐसे में जब किसी परीक्षा का पेपर लीक होता है या संगठित नकल का खेल सामने आता है, तो केवल परीक्षा नहीं, बल्कि शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता कठघरे में खड़ी हो जाती है। हाल के वर्षों में कई भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं को निराश किया। इसलिए छात्रों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई देना स्वाभाविक है। छात्र आंदोलन लोकतंत्र का हिस्सा है, इसलिए इसे परीक्षा व्यवस्था में सुधार का स्पष्ट संदेश मानना चाहिए। इसी दिशा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 लागू किया गया है। यह कानून पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा माफिया के खिलाफ कड़ा संदेश देने वाला है। इसमें दोषियों के लिए तीन से पांच वर्ष तक की सजा, भारी आर्थिक दंड तथा गंभीर मामलों में दस वर्ष तक की कैद और करोड़ों रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यह कठोरता इसलिए जरूरी है कि पेपर लीक केवल कानूनी अपराध नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और देश की प्रतिभा के साथ विश्वासघात है। बहरहाल, केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि जांच कितनी निष्पक्ष, तेज और प्रभावी होती है। कई राज्यों ने विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाकर कार्रवाई शुरू की है, लेकिन दोषियों को वर्षों बाद भी सजा नहीं मिली है। जब तक अपराधियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक परीक्षा माफिया का नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं होगा। इसमें पुलिस, जांच एजेंसियों और न्यायपालिका की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। परीक्षा सुधार का दूसरा बड़ा आधार तकनीक है। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसके सुरक्षित भंडारण, परिवहन और वितरण तक पूरी प्रक्रिया को बहुस्तरीय डिजिटल सुरक्षा तंत्र से जोड़ना होगा। जहां संभव हो, कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं का दायरा तेजी से बढ़ाया जाए। इससे प्रश्नपत्र लीक होने की संभावना स्वतः कम होगी और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। साथ ही परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। यदि उनकी लापरवाही से परीक्षा प्रभावित होती है, तो संबंधित अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई हो। अभ्यर्थियों को समय पर सूचना, निष्पक्ष मूल्यांकन, त्वरित परिणाम और प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। इससे छात्रों का विश्वास मजबूत होगा और अनावश्यक विवाद कम होंगे। सरकार, परीक्षा एजेंसियां, न्यायपालिका और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि सफलता का आधार केवल प्रतिभा और परिश्रम हो, न कि धन, सिफारिश या अपराध। देखा जाए तो भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल ऐसी परीक्षा व्यवस्था की है, जिसमें मेहनत का सम्मान हो और ईमानदारी की जीत सुनिश्चित हो। यदि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनती है, तो योग्य युवाओं को न्याय मिलेगा, शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता मजबूत होगी और विकसित भारत के निर्माण के लिए सक्षम मानव संसाधन तैयार होगा। परीक्षा सुधार का यही उद्देश्य है और अब इसे हर हाल में पूरा करना ही होगा।

युवाओं को बरगला कर देश में राजनीतिक अस्थिरता का षडयंत्र

मनोज कुमार अग्रवाल

इन दिनों जंतर मंतर पर नीट परीक्षा में परचा आ उट होने को लेकर काकरोच पार्टी के बैनर तले चल रहा धरना प्रदर्शन अब राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए एक बड़ा संधान बन गया है। अब इस आंदोलन की आड़ में एक बड़ी तादाद में ऐसे रील मेकर ठलुआ व भविष्य के प्रति गैर जिम्मेदार युवा भी जुड़ गए हैं। इनमें कुछ विध्वंसक तत्व और असामाजिक तत्व भी आंदोलन कारियो के मुखौटे में छिपकर अराजकता की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। सरकार को इस प्रदर्शन को लेकर संवेदनशील होना चाहिए ताकि किसी को गड़बड़ी फैलाने का मौका नहीं मिल सके लेकिन सरकार अलग रणनीति से आंदोलन को दबाने में लगी हुई है बहरहाल देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक नीट पेपर लीक को लेकर उपजा विवाद अब महज एक परीक्षा की गड़बड़ी या प्रशासनिक विफलता तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह मुद्दा अब सड़कों से लेकर संसद और अंतरराष्ट्रीय मंच तक तक गूंज रहा है। देश देख रहा है देश के लाखों युवाओं के भविष्य, उनकी सालों की कड़ी मेहनत और देश की शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर पटना,कटिहार, सूरत और चेन्नई तक छात्रों, राजनीतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का यह आक्रोश स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि देश का युवा अब इस बदहाली से तंग आ चुका है। इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति अपने चरम पर है। एक तरफ जहां विपक्ष इसे सरकार की प्रशासनिक नाकामी और भ्रष्टाचार का प्रतीक बताकर आक्रामक है, वहीं सत्ता पक्ष इसे केवल राजनीतिक तमाशा और माहौल खराब करने की कोशिश करार दे रहा है। साफ है कि सरकार ने समय रहते इस असंतोष का समाधान नहीं किया, तो यह विवाद उसके लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बन सकता है। प्रतियोगी परीक्षाएं देश के लाखों युवाओं के लिए केवल नौकरी या कॉलेज में प्रवेश पाने का माध्यम नहीं होतीं। इनके साथ विद्यार्थियों और उनके परिवारों के वर्षों के परिश्रम, आर्थिक संसाधन और बेहतर भविष्य की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। विशेष रूप से नीट जैसी परीक्षा के लिए विद्यार्थी कई वर्षों तक तैयारी करते हैं। बड़ी संख्या में अभिभावक अपनी सीमित आय का महत्वपूर्ण हिस्सा कोचिंग, अध्ययन सामग्री, आवास और परीक्षा शुल्क पर खर्च करते हैं। ऐसे में पेपर लीक या परीक्षा में धांधली की खबर केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों के विश्वास पर सीधा आघात आघात करती है। इस पूरे विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू परीक्षा संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल हैं। जब किसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा पर संदेह पैदा होता है, तो केवल उस वर्ष के अभ्यर्थी प्रभावित नहीं होते, बल्कि पूरी व्यवस्था की निष्पक्षता कठघरे में खड़ी हो जाती है। यदि योग्य छात्र यह मानने लगें कि उनकी मेहनत से अधिक महत्व पैसे, प्रभाव, गिरोह या राजनीतिक संरक्षण का है, तो यह भावना लोकतांत्रिक और सामाजिक व्यवस्था दोनों के लिए घातक हो सकती है। नीट विवाद को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर तीखे हमले किए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, विद्यार्थियों पर पुलिस कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी की है। दूसरी ओर, सरकार का कहना है कि वह नीट पेपर लीक सहित सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर चर्चा से बचने के लिए शर्तें रखने का आरोप लगाया है। लोकतंत्र में आरोप-प्रत्यारोप स्वाभाविक हैं, लेकिन इतना गंभीर विषय केवल राजनीतिक बयानबाजी में नहीं उलझना चाहिए। सरकार यदि सचमुच चर्चा के लिए तैयार है, तो संसद में समयबद्ध और तथ्यपरक बहस कराई जानी चाहिए।

वैश्विक दवा उद्योग और भारत के लिए चुनौतियां

अशोक भाटिया

अमेरिका अपने फायदे के लिए कुछ भी कर सकता है. डोनाल्ड ट्रंप को टैरिफ-टैरिफ खेलने में खूब मजा आता है. अब अमेरिका ऐसा फैसला लेने जा रहा है, जिसका सीधा असर भारत पर पड़ेगा. जी हां, डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से भारत की मुश्किलें बढ़ जाएंगी. दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में 2028 से इम्पोर्ट की जाने वाली जेनेरिक दवाओं पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया. इस फैसले से भारत की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि अमेरिका भारतीय दवा कंपनियों का सबसे बड़ा बाजार है. ट्रंप के इस फैसले का सबसे बड़ा असर भारत के दवा उद्योग पर पड़ेगा. डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक कोई टैरिफ नहीं लगाया जाएगा. यानी 2028 तक इन दवाओं पर आयात शुल्क शून्य रहेगा. लेकिन इसके बाद नियम पूरी तरह बदल जाएंगे. 2028 से एक साल के लिए इसे बढ़ाकर 100 परसेंट और फिर उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद ऐसी फार्मास्युटिकल दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग को अमेरिका में ही शुरू करना है. इस कदम से भारत पर असर पड़ सकता है. कारण कि अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है.डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों का मूल मंत्र हमेशा से 'अमेरिका फर्स्ट' और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना रहा है। अपने पिछले कार्यकालों में उन्होंने ऑटोमोबाइल, स्टील और टेक सेक्टर पर ध्यान केंद्रित किया था, लेकिन इस बार उनका निशाना देश की जीवनदायिनी स्वास्थ्य प्रणाली और दवा उद्योग पर है।इस कड़े कदम के पीछे ट्रंप प्रशासन के मुख्य तर्क निम्नलिखित हैं जैसे सप्लाई चेन की आत्मनिर्भरताः कोविड-19 महामारी के दौरान अमेरिका ने महसूस किया था कि वह जीवन रक्षक दवाओं और उनके कच्चे माल के लिए चीन और भारत जैसे देशों पर अत्यधिक निर्भर है। ट्रंप इस रणनीतिक कमजोरी को हमेशा के लिए खत्म करना चाहते हैं।घरेलू रोजगार का सृजनः जब विदेशी कंपनियां अमेरिका में अपने प्लांट स्थापित करेंगी, तो वहां अरबों डॉलर का निवेश होगा और अमेरिकी नागरिकों के लिए उच्च कुशल विनिर्माण क्षेत्र में लाखों रोजगार पैदा होंगे।राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दाः अमेरिकी नीति निर्माताओं का मानना है कि दवाओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता एक राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम है। किसी भी भू-राजनीतिक तनाव या युद्ध की स्थिति में देश में दवाओं की भारी किल्लत हो सकती है। गौरतलब है कि दुनिया भर में 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में मशहूर भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के लिए यह फैसला एक बहुत बड़ा झटका है। भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश है। अमेरिकी बाजारों में बिकने वाली हर तीन में से एक जेनेरिक दवा किसी न किसी भारतीय कंपनी द्वारा बनाई जाती है।इस नई नीति के लागू होने से भारतीय और वैश्विक दवा बाजार पर निम्नलिखित गंभीर प्रभाव पड़ेंगे जैसे अमेरिका में प्लांट लगाने का भारी दबावः दो साल की 'शून्य टैरिफ' अवधि वास्तव में कोई बड़ी राहत नहीं बल्कि एक अंतिम चेतावनी है। भारतीय कंपनियों के पास केवल 24 महीने का समय है कि वे अमेरिका की धरती पर जमीन खरीदें, प्लांट लगाएं, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मंजूरियां लें और व्यावसायिक उत्पादन शुरू करें। जो कंपनियां ऐसा नहीं कर पाएंगी, वे 100% और 200% टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार से पूरी तरह बाहर हो जाएंगी।लागत में भारी बढ़ोतरीः अमेरिका में जमीन, बुनियादी ढांचा, बिजली और सबसे महत्वपूर्ण 'लेबर' (श्रम) की लागत भारत की तुलना में कई गुना अधिक है। अमेरिका में दवा बनाने से कंपनियों की उत्पादन लागत आसमान छूने लगेगी, जिससे उनके मुनाफे के मार्जिन पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।पूंजीगत व्यय का संकटः भारत की प्रमुख फार्मा कंपनियों (जैसे सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, ल्यूपिन और ऑरोबिंदो) को अमेरिकी धरती पर नए विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए अरबों डॉलर का भारी-भरकम निवेश करना होगा। इससे कंपनियों के कर्ज में बढ़ोतरी हो सकती है और घरेलू अनुसंधान एवं विकास के लिए उनके पास फंड की कमी हो सकती है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम जितना विदेशी कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण है, उतना ही यह खुद अमेरिकी नागरिकों और वहां की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए भी आत्मघाती साबित हो सकता है। जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल इसलिए किया जाता है क्योंकि वे ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 80 से 90 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं। इससे अमेरिकी सरकार के 'मेडिकेयर' और 'मेडिकेड' जैसे स्वास्थ्य कार्यक्रमों का खर्च नियंत्रित रहता है। यदि विदेशी कंपनियां दो साल के भीतर अमेरिका में उत्पादन शुरू नहीं कर पाती हैं, तो आयातित दवाओं पर 100% से 200% टैरिफ लगने के कारण अमेरिका में दवाओं की कीमतें रातों-रात दोगुनी या तिगुनी हो जाएंगी।

इसके विपरीत, यदि कंपनियां अमेरिका में उत्पादन शुरू भी कर देती हैं, तो वहां की उच्च विनिर्माण लागत के कारण दवाओं के दाम अंततः बढ़ेंगे ही। दोनों ही परिस्थितियों में नुकसान अमेरिकी मरीजों का होगा, जिन्हें अपनी जेब से अधिक पैसे खर्च करने होंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि इस संक्रमण काल के दौरान अमेरिका में कई आवश्यक दवाओं की भारी किल्लत भी पैदा हो सकती है। हालांकि यह नीति सभी आयातित जेनेरिक दवाओं पर समान रूप से लागू होती है, लेकिन चीन और भारत के संदर्भ में इसके मायने अलग हैं। अमेरिका काफी समय से चीन से आने वाले एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स और दवाओं पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। चीन के साथ अमेरिका के भू-राजनीतिक संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं, इसलिए चीन के लिए अमेरिकी बाजार के दरवाजे लगभग बंद होने जा रहे हैं।दूसरी ओर, भारत के साथ अमेरिका के संबंध रणनीतिक और व्यापारिक रूप से काफी मजबूत हैं। ट्रंप प्रशासन भारत को एक मित्र देश मानता है, लेकिन व्यापार घाटे के मामले में ट्रंप किसी को रियायत नहीं देते। भारत के लिए चुनौती यह है कि भारतीय कंपनियां स्वयं अपने कच्चे माल के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि भारतीय कंपनियां अमेरिका में प्लांट लगाती भी हैं, तो उन्हें कच्चे माल की आपूर्ति के लिए एक नया और सुरक्षित नेटवर्क तैयार करना होगा। इस ऐतिहासिक संकट को भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग एक अवसर में भी बदल सकता है। इसके लिए भारतीय कंपनियों और भारत सरकार को मिलकर एक बहुआयामी रणनीति पर काम करना होगा जैसे अमेरिका में रणनीतिक अधिग्रहण : भारतीय कंपनियों को शून्य से नए प्लांट बनाने के बजाय अमेरिका में पहले से मौजूद बीमार या बंद पड़े विनिर्माण संयंत्रों को खरीदने पर ध्यान देना चाहिए। इससे समय की बचत होगी और वे दो साल की समय-सीमा के भीतर उत्पादन शुरू कर सकेंगी।हाइब्रिड विनिर्माण मॉडलः कंपनियां दवाओं के फॉर्मूलेशन (तैयारी) का शुरुआती और सस्ता काम भारत में कर सकती हैं और उसकी अंतिम पैकेजिंग, फिनिशिंग और गुणवत्ता जांच अमेरिका में स्थापित प्लांट में कर सकती हैं, ताकि वे अमेरिकी नियमों के दायरे में आ सकें।नए बाजारों की खोजः भारतीय फार्मा उद्योग को अमेरिकी बाजार पर अपनी अत्यधिक निर्भरता को कम करना होगा।

रेल क्रांति की नई इबारत... पटरियों पर दौड़ रहा 'नया भारत'

सुरेश गांधी

भारतीय रेल आज केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि देश की आर्थिक धड़कन और विकास की सबसे बड़ी जीवनरेखा बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे जिस गति से बदली है, उसने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है कि आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से आधुनिक होते रेल नेटवर्क वाले देशों में गिना जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कार्यकाल में रेलवे ने केवल नई ट्रेनों की संख्या ही नहीं बढ़ाई, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में भी बड़े बदलाव दर्ज किए हैं। रेलवे अब उस सोच से आगे बढ़ चुका है, जहां केवल नई ट्रेनें चलाना उपलब्धि मानी जाती थी। अब फोकस है—तेज, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल रेल व्यवस्था। 2021 में रेल मंत्रालय संभालने के बाद अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में रेलवे ने वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत और आधुनिक मेमू सेवाओं का विस्तार किया। 2025 के अंत तक 164 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो चुकी थीं और 2026 में वंदे भारत स्लीपर सेवा भी शुरू हो गई। सरकार का लक्ष्य 2030 तक 800 वंदे भारत और 2047 तक 4,500 नई पीढ़ी की ट्रेनें तैयार करने का है।

इसके साथ ही अमृत भारत एक्सप्रेस, नई एक्सप्रेस ट्रेनों और क्षेत्रीय रेल सेवाओं का भी लगातार विस्तार किया जा रहा है। रेलवे की सबसे बड़ी उपलब्धियों में रिकॉर्ड स्तर पर नई रेल लाइनें बिछाना, डबलिंग, तीसरी-चौथी लाइन, इलेक्ट्रिफिकेशन और स्टेशन पुनर्विकास शामिल हैं। पिछले एक दशक में देश में 35 हजार किमी से अधिक नई रेल लाइनें जोड़ी गई हैं तथा लगभग पूरे ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा होने की ओर है। इससे डीजल पर निर्भरता घटी है और संचालन अधिक तेज व किफायती हुआ है। रेलवे अब दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कवच जैसी स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का तेजी से विस्तार कर रहा है। आधुनिक सिग्नलिंग, स्वचालित सुरक्षा तंत्र, एलएचबी कोच और नई तकनीकों ने रेलवे की सुरक्षा को नई ऊंचाई दी है। वंदे भारत ट्रेनों में अत्याधुनिक सुरक्षा और यात्री सुविधाएं मानक बन चुकी हैं। देशभर में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास पर काम चल रहा है। इनमें से सैकड़ों स्टेशनों पर कार्य पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है। आधुनिक प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, डिजिटल सूचना प्रणाली, एस्केलेटर, लिफ्ट और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर विशेष जोर है। रेलवे अब केवल यात्री सेवा तक सीमित नहीं है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, आधुनिक मालगाड़ियां, लॉजिस्टिक पार्क और कंटेनर परिवहन से उद्योगों को नई ताकत मिली है। इससे सड़क परिवहन का दबाव घट रहा है और निर्यात क्षमता भी मजबूत हो रही है।

रेल मंत्रालय की अगली प्राथमिकताओं में शामिल हैं— 2030 तक 800 वंदे भारत ट्रेनें। 260 वंदे भारत स्लीपर रेक का निर्माण। बुलेट ट्रेन परियोजना को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना। हर प्रमुख शहर को आधुनिक सेमी हाईस्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ना। रेलवे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल टिकटिंग और स्मार्ट मेंटेनेंस का विस्तार। भारतीय रेल का नेटवर्क अभी भी लंबाई के मामले में दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्कों में शामिल है और आधुनिकीकरण की गति उल्लेखनीय है।

हालांकि चीन आज भी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क की लंबाई में दुनिया में पहले स्थान पर है। भारत की उपलब्धि यह है कि उसने स्वदेशी तकनीक, बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण, स्टेशन पुनर्विकास और नई पीढ़ी की ट्रेनों के विस्तार में हाल के वर्षों में अभूतपूर्व गति दिखाई है। भारतीय रेल दुनिया के सबसे तेज़ी से आधुनिक हो रहे रेल नेटवर्कों में शामिल हो चुकी है। बात रेलवे की बड़ी उपलब्धियों की जाएं तो 164 वंदे भारत ट्रेनें 2025 के अंत तक संचालन में। वंदे भारत स्लीपर सेवा शुरू, 260 रेक निर्माण की योजना। 35,000 किमी से अधिक नई रेल लाइनें एक दशक में। लगभग 100% ब्रॉडगेज विद्युतीकरण की दिशा में भारत। 1,300+ स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित हो रहे हैं। 2030 तक 800 वंदे भारत ट्रेनों का लक्ष्य। दुनिया की सबसे आधुनिक, सुरक्षित और भरोसेमंद रेल व्यवस्था बने. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मानें तो रेलवे में जो बदलाव आज दिख रहा है, वह आने वाले विकसित भारत की मजबूत नींव है।

भारतीय रेल केवल परिवहन का साधन नहीं, विकसित भारत की विकास-रेखा है। हमारा संकल्प है कि भारतीय रेल दुनिया की सबसे आधुनिक, सुरक्षित और भरोसेमंद रेल व्यवस्था बने। हमारा लक्ष्य है—हर यात्री को सुरक्षित, तेज और विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव देना। वंदे भारत, अमृत भारत, कवच और स्टेशन आधुनिकीकरण इसी परिवर्तन के प्रतीक हैं। यदि पिछले कुछ वर्षों को भारतीय रेल के इतिहास में परिवर्तन का दौर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। कभी धीमी गति, पुरानी तकनीक और लंबित परियोजनाओं के लिए आलोचना झेलने वाली भारतीय रेल आज तकनीक, सुरक्षा, डिजिटल नवाचार और भविष्य की योजनाओं के कारण वैश्विक चर्चा का विषय बन चुकी है। यह बदलाव केवल नई ट्रेनों या चमचमाते स्टेशनों तक सीमित नहीं है। असली परिवर्तन उस सोच में दिखाई देता है, जहां रेलवे को अब केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की रीढ़ के रूप में देखा जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कार्यकाल में भारतीय रेल इसी व्यापक दृष्टि के साथ आगे बढ़ी है।

कद, काठी और लाठी

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

जंतर-मंतर की उस सीली, ऐतिहासिक और ठंडी सड़क पर जब खाकी वर्दी की लाठियों ने अपना भयानक नृत्य शुरू किया, तो हवा में सिर्फ चीखें और भागते जूतों की चाप तैर रही थी। हर कोई अपनी हड्डियों को साबुत बचाकर ले जाने की जुगत में बदहवास भाग रहा था। तभी भीड़ के उस भयानक खौफनाक समंदर के बीच एक लड़का रुका जैसे बहती नदी में कोई भारी पत्थर ज़मीन पकड़ ले। उसने भागना छोड़ दिया, अपनी मुट्ठियाँ ढीली कीं और अपना निहत्था शरीर उस खाकी आंधी के हवाले कर दिया। जब दनादन लाठियाँ पड़ने लगीं, तो वह रोया नहीं, न ही उसने रहम की भीख माँगी। उसने अपनी आँखों में एक जलता हुआ सन्नाटा भरकर सिपाहियों से बस इतना कहा, मारो यार, कब तक मारोगे? जब तक तुम्हारी बांहें न टूट जाएँ या मेरी साँसें न थम जाएँ, मारते रहो। उस खौफनाक लम्हे में, जब पहला वार उस लड़के की पीठ पर पड़ा, तो दर्द की कोई लकीर हवा में नहीं खिंची, बल्कि लड़के के शरीर और उस सख्त शीशम की लाठी के बीच एक खामोश, भीतर तक हिला देने वाली बातचीत शुरू हो गई। लाठी ने अचरज से थरथराते हुए पूछा, अरे पगले, तू भाग क्यों नहीं रहा? तेरे आगे-पीछे वाले तो हवा से बातें कर रहे हैं, अपनी खाल बचाने को तिलमिला रहे हैं, तू क्यों पत्थर की मूरत बना खड़ा है? लड़के की रीढ़ की हड्डी पर लाठी का दूसरा निशान छप चुका था, पर उसके चेहरे पर एक आतिशी मुस्कान थी। लड़के के शरीर ने कराहते हुए मगर बुलंद आवाज़ में जवाब दिया, भागे तो वो, जिसके पास खोने के लिए अभी कुछ बचा हो। तुम मेरी जिन हड्डियों को तोड़ने आई हो, वो कागज़ी डिग्रियों का बोझ सहते-सहते पहले ही जर्जर हो चुकी हैं। मारो, कि तुम्हारी ये कठोरता शायद मेरी आत्मा के इस खालीपन को कुछ देर के लिए भर दे। लाठी ने गुस्से और तिलमिलाहट में एक और करारा वार उसकी छाती पर किया, लेकिन लड़का अपनी जगह से टस से मस नहीं हुआ, जैसे कोई जिद्दी खंभा। लाठी ने फिर फुसफुसाकर कहा, तुझे दर्द नहीं होता क्या? मेरी एक-एक चोट से इंसान गिरकर घुटने टेक देता है, रोते-रोते अपनी माँ को याद करता है। तू किस मिट्टी का बना है भाई? लड़के के जिस्म से बहते खून ने उस पुरानी सड़क को रंगना शुरू कर दिया था। उसने एक भारी साँस ली और गहरी उपेक्षा से कहा, दर्द? दर्द तो तब होता था जब हर सुबह रिजेक्शन लेटर आता था और बाप की बूढ़ी आँखें मुझसे नज़रें चुराती थीं। यह लाठी तो मेरे बेकारी के उस अंतहीन अवसाद से बहुत हल्की है। यह खाकी का डंडा तो मुझे बस यह एहसास दिला रहा है कि मैं अभी ज़िंदा हूँ, मरा नहीं हूँ। अब लाठी चलाने वाले का हाथ भी थकने लगा था और डंडे की चमड़ी पर भी लड़के के पसीने और खून की नमी आने लगी थी। लाठी अब प्रहार नहीं कर रही थी, बल्कि वो खुद उस लड़के के अडिग ज़मीर के आगे काँप रही थी। लाठी ने सहमकर कहा, तू मुझे हरा रहा है दोस्त! मैं सरकार की ताकत का प्रतीक होकर भी आज तेरे सामने लाचार हूँ। तेरे इस निहत्थे जिस्म ने मेरी कड़क को मोम बना दिया है। बता, तू चाहता क्या है? यह सत्ता का तंत्र बहुत क्रूर है, यह तुझे इतिहास के पन्नों में एक मामूली गिट्टी की तरह कुचल देगा।₹ लड़के ने फटी हुई कमीज़ से अपने माथे का पसीना और खून पोंछा, उसकी आँखों में पूरे देश के बेबस युवाओं का दर्द छलक आया।

एक देह का विदा होना, कई घरों में सूर्योदय बन सकता है

आरके जैन

जीवन का सबसे कठिन संघर्ष अक्सर अस्पताल की चारदीवारी के भीतर लिखा जाता है, जहाँ हर साँस उम्मीद और समय के बीच अंतिम संवाद बन जाती है। कहीं माँ की प्रार्थनाएँ बेटे की धड़कनों का सहारा हैं, कहीं पिता की आँखें बेटी के लिए एक अंग की प्रतीक्षा में हैं, तो कहीं एक मासूम अनजान है कि उसका कल किसी अजनबी के निर्णय पर टिका है। विज्ञान ने एक देह से कई जीवनों को फिर धड़काने की शक्ति पा ली है, लेकिन संवेदनहीन व्यवस्था सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इसलिए भारत में अंगदान केवल चिकित्सा नहीं, हमारी सामूहिक मानवता की परीक्षा है। जब तक यह संवेदना सशक्त नीतियों में नहीं उतरती, तब तक प्रतीक्षा सूची का हर नाम किसी मरीज का नहीं, बल्कि अधूरी ज़िंदगी की मौन पुकार बना रहेगा।

संवेदनशील समाज केवल उपदेश नहीं देता, बल्कि करुणा को व्यवस्था का आधार बनाता है। अमेरिका के मिशिगन राज्य ने इसे कानून का रूप दिया है। वहाँ जीवित अंगदाता बनने वाले कर्मचारी के लिए नियोक्ता को 12 सप्ताह के वेतन के बराबर टैक्स क्रेडिट मिलता है। यह केवल आर्थिक प्रोत्साहन नहीं, बल्कि जीवन बचाने के निर्णय का सम्मान है। इससे कर्मचारी को न नौकरी खोने का डर रहता है, न आय घटने की चिंता, और नियोक्ता भी बिना अतिरिक्त बोझ के उसका साथ दे सकता है। भारत में निजी क्षेत्र के अनेक कर्मचारी इच्छा होने पर भी आर्थिक असुरक्षा के कारण अंगदान का साहस नहीं जुटा पाते। ऐसे में यह मॉडल संवेदना और व्यवस्था का प्रभावी उदाहरण बन सकता है। भारत की सबसे बड़ी कमी अंगदान की इच्छा नहीं, बल्कि उसे संभव बनाने वाली व्यवस्था है। अधिकांश प्रत्यारोपण आज भी जीवित रिश्तेदारों के दान पर निर्भर हैं, जबकि मृतक अंगदान की दर प्रति मिलियन आबादी पर एक से भी कम है। हर वर्ष लगभग 1.6 लाख सड़क दुर्घटना मौतों के बावजूद केवल 1,000–1,200 मृतक अंगदान हो पाते हैं। इसके विपरीत, स्पेन ने यह दर 48 प्रति मिलियन तक पहुँचा दी है। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (नॉटो) के अनुसार 2025 में लगभग 20 हजार प्रत्यारोपण हुए, जबकि आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। हर वर्ष लाखों लोग अंगों की प्रतीक्षा में दम तोड़ देते हैं। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि अंगदान को राष्ट्रीय सामाजिक संपदा न मानने वाली नीतिगत सोच का परिणाम है। जहाँ लोग अंगों के अभाव में मरें, वहाँ संकट संसाधनों का नहीं, दृष्टिकोण का होता है। किसी अनजान को जीवन देने का साहस तभी जन्म लेता है, जब व्यवस्था सुरक्षा का विश्वास दे। भारत में अंगदान की सबसे बड़ी बाधा चिकित्सा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा है। परिवार की हिचक, उपचार का खर्च, लंबी रिकवरी और नौकरी का भय लोगों को पीछे हटा देता है। मिशिगन मॉडल इसी समस्या का समाधान देता है। यदि भारत में भी कंपनियों को कर प्रोत्साहन मिले, तो वे कर्मचारियों को सवेतन अवकाश दे सकेंगी। आज 82 हजार से अधिक लोग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में हैं, जबकि एक मृतक अंगदाता आठ से दस जीवन बचा सकता है। कई बार एक संवेदनशील नीति, हजारों अपीलों से अधिक जीवन बचा देती है। यदि भारत इस दिशा में निर्णायक पहल करे, तो उसका प्रभाव केवल प्रत्यारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व की परिभाषा भी बदलेगी। अस्पताल बनाना और उपकरण दान करना महत्वपूर्ण है, पर अब अपने कर्मचारियों की जीवनदायी संवेदना को संरक्षण देना भी आवश्यक है।

मिशिगन की तर्ज पर कर प्रोत्साहन मिलने पर कंपनियाँ सवेतन अवकाश के साथ उपचार, रिकवरी और पुनर्वास में सहयोग दे सकेंगी। यह ऐसा निवेश होगा, जिसका प्रतिफल बैलेंस शीट में नहीं, बल्कि बची हुई धड़कनों और लौटी मुस्कानों में दिखाई देगा। इसके साथ नॉटो और राज्य स्तरीय अंगदान नेटवर्क का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि दान और प्रत्यारोपण के बीच समय की दूरी घट सके। भारत के कुछ राज्यों ने साबित किया है कि अंगदान की दिशा संसाधनों से नहीं, संकल्प और सुदृढ़ व्यवस्था से बदलती है। तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना इसके उदाहरण हैं, जबकि उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्य अब भी पीछे हैं। मध्य प्रदेश सरकार दानकर्ताओं को 'गॉड ऑफ ऑनर' का सम्मान देकर उन्हें समाज का हीरो बनाती है। यह अंतर सुविधाओं से अधिक नीतिगत प्राथमिकताओं का है। यदि केंद्र सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ समान राष्ट्रीय नीति लागू करे, तो यह असमानता सिमट सकती है। भरोसेमंद प्रत्यारोपण तंत्र न केवल लाखों जीवन बचाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल टूरिज्म का विश्वसनीय केंद्र भी बना सकता है। स्थायी परिवर्तन तब जन्म लेते हैं, जब नीति, समाज और संस्थाएँ एक ही लक्ष्य के साथ आगे बढ़ती हैं। अंगदान भी इसका अपवाद नहीं है। सरकार नीतिगत संरक्षण दे, उद्योग जगत आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे और स्वयंसेवी संस्थाएँ जनजागरण का दायित्व निभाएँ-यही साझेदारी इस अभियान को जनआंदोलन बना सकती है। भारत में 4.8 लाख से अधिक नागरिक मृत्यु के बाद अंगदान के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। यह प्रमाण है कि संवेदना का अभाव नहीं, बल्कि भरोसे की कमी है।

क्वार्टर फाइनल से अभियान की शुरुआत करेंगे

भारत-पाकिस्तान, एशियाड में क्रिकेट का कार्यक्रम

मौजूदा चैंपियन भारत और पाकिस्तान की पुरुष तथा महिला क्रिकेट टीम को जापान में होने वाले एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है। भारतीय महिला टीम जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला प्रारंभिक चरण के मैच के बाद तय होगा। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगा।

सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना कर सकती है। एशियाई

खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर को शुरू होगी और उसका फाइनल मैच एक अक्तूबर को खेला जाएगा। महिलाओं की प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी। भारतीय महिला टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ सकती है। पुरुषों की प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रारंभिक चरण में ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल तथा ग्रुप बी में हांगकांग, चीन, मलयेशिया और ओमान शामिल होंगे।

श्रेयस करेंगे पुरुष टीम की अगुआई

दोनों प्रतियोगिताएं आइची प्रांत के कोरोजी एथलेटिक पार्क में टी20 प्रारूप में खेली जाएंगी। श्रेयस अय्यर भारतीय पुरुष टीम की, जबकि हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिकेट चौथी बार एशियाई खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले यह 2010 में ग्वांगझू, 2014 में इंचियोन और 2023 में हांगझोऊ खेलों का हिस्सा था।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

एशियाई खेलों के लिए भारत की महिला क्रिकेट टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल* (फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), राधा यादव, नंदनी शर्मा।

बेटियों पर गर्व करिए! चीन में चीनी प्लेयर्स की निकाल दी हेकड़ी

ऐतिहासिक जीत से रचा इतिहास

हॉन्गकॉन्ग के एशियावर्ल्ड-एक्सपो में आयोजित सीनियर वर्ल्ड फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में भारतीय तलवारबाजी दल ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। दुनियाभर के 100 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा दिग्गज एथलीटों की मौजूदगी में खेले जा रहे इस 9 दिवसीय टूर्नामेंट के पहले दिन भारतीय महिला खिलाड़ियों ने स्वर्णिम इतिहास रच दिया।

तनिक्षा खत्री और प्राची लोहान का कमाल

महिला व्यक्तिगत ईपी स्पर्धा में भारत की तनिक्षा खत्री और प्राची लोहान ने अपनी शानदार रणनीति और प्रदर्शन के दम पर मुख्य टेबल ऑफ 64 (डायरेक्ट एलिमिनेशन राउंड) में जगह बना ली है। सीनियर विश्व चैंपियनशिप के इस दौर तक पहुंचने वाली वे देश की पहली महिला ईपी तलवारबाज बन गई हैं। कड़े पूल मुकाबलों और एलिमिनेशन दौर को पार कर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाना भारतीय तलवारबाजी के लिए एक बड़ी बात होती थी।

टॉप सीड चीनी खिलाड़ी को दी मात

भारतीय तलवारबाजों ने टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक को अंजाम देते हुए इतिहास रचा है। अंतिम एलिमिनेशन राउंड में तनिक्षा खत्री और प्राची लोहान दोनों ने ही टॉप सीड प्राप्त चीनी खिलाड़ी यांग जिंगवेन को शिकस्त देकर बाहर का रास्ता दिखाया। इस सनसनीखेज जीत के बाद दोनों भारतीय खिलाड़ी अब शनिवार को मुख्य टेबल ऑफ 64 के मुकाबलों में उतरेंगी, जहां उनका लक्ष्य टेबल ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर पदक की उम्मीदों को और मजबूत करना होगा।

भारतीय तलवारबाजी संघ ने दी बधाई

इस ऐतिहासिक सफलता पर भारतीय तलवारबाजी संघ और एशियाई फेंसिंग महासंघ के महासचिव राजीव मेहता ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे तनिक्षा खत्री और प्राची लोहान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि को देखकर बहुत गर्व और खुशी महसूस हो रही है। सीनियर वर्ल्ड फेंसिंग चैंपियनशिप के मेन टेबल ऑफ 64 के लिए उनका क्वालीफाई करना भारतीय फेंसिंग के लिए एक लैंडमार्क मोमेंट है जो उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और लगन को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत में इस खेल के बढ़ते स्तर का प्रमाण है और इससे अनगिनत युवा एथलीटों को प्रेरणा मिलेगी। मैं दोनों तलवारबाजों, उनके कोचों और पूरी सपोर्ट टीम को बधाई देता हूं।'

पुरुष खिलाड़ियों का प्रदर्शन नहीं रहा खास

इसी प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुषों के व्यक्तिगत फॉइल स्पर्धा में भी भारतीय दल ने चुनौती पेश की। हालांकि पुरुष खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने दुनिया के टॉप खिलाड़ियों के खिलाफ बहुमूल्य अनुभव हासिल किया। भारतीय दल में सचिन 107वें स्थान पर रहे, जबकि आदित्य 137वें, सानासाम हेमाष सिंह 143वें और तेजस मनोज पाटिल 149वें स्थान पर रहे। पुरुष टीम अब आगामी टीम इवेंट में बेहतर वापसी के इरादे से उतरेगी।

सचिन-शुभमन ने समाज और सरकार से क्या अपील की? युवाओं को भी दिया संदेश

देशभर में नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के नाम एक भावुक संदेश साझा किया है। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मेहनत का सम्मान होना चाहिए, ईमानदारी को प्रोत्साहन मिलना चाहिए और योग्यता की जीत सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों की निराशा को स्वाभाविक बताते हुए सभी पक्षों से मिलकर ऐसा माहौल बनाने की अपील की, जिससे युवाओं का विश्वास और उनका भविष्य सुरक्षित रह सके।

पिता की सीख का किया जिक्र

सचिन ने अपने संदेश में अपने पिता को याद करते हुए लिखा कि उनके पिता एक प्रोफेसर थे और उन्होंने हमेशा उन्हें एक बात सिखाई थी कि 'असफल होना स्वीकार्य है, लेकिन धोखा देना नहीं। कभी शॉर्टकट मत अपनाओ।' सचिन ने कहा कि यही सीख उनके जीवन का आधार रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

'मेहनत से ज्यादा नतीजों पर जोर खतरनाक'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि समाज की जिम्मेदारी सिर्फ अच्छे नतीजे देखने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। अगर कोई समाज मेहनत से ज्यादा सिर्फ परिणामों को महत्व देगा, तो वहां योग्यता की बजाय शॉर्टकट अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी सोच को बदलना समय की जरूरत है।

छात्रों की निराशा को बताया स्वाभाविक

सचिन ने कहा कि जब छात्रों को यह महसूस होता है कि उनकी कड़ी मेहनत का उचित सम्मान नहीं हुआ, तो उनका निराश होना पूरी तरह समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग माता-पिता, शिक्षक, दोस्त, रिश्तेदार, स्कूल और प्रशासन की यह साझा जिम्मेदारी है कि युवाओं का आत्मविश्वास और उत्साह बना रहे।

सरकार और समाज से की अपील

सचिन ने अपने संदेश में कहा कि सभी को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां मेहनत करने वालों को उनका हक मिले, ईमानदारी को बढ़ावा मिले और योग्यता की जीत सुनिश्चित हो। उन्होंने विश्वास जताया कि देश मिलकर ऐसा समाधान निकालेगा, जिससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहेगा और उनके सपनों की रक्षा हो सके।

शुभमन गिल बोले- हर युवा को मिले आगे बढ़ने का अवसर

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए छात्र आंदोलन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि एक युवा भारतीय होने के नाते उनका मानना है कि उनकी पीढ़ी का हर युवा सीखने, सपने देखने और अपने भविष्य को आकार देने का अवसर पाने का हकदार है। गिल ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाने वाले युवाओं के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि शिक्षा ही देश का भविष्य तय करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश करुणा, आपसी सम्मान और हर छात्र के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखकर आगे बढ़ेगा।

भारत को लगा झटका, जूडोका तुलिका मान को क्यों किया गया निलंबित? ग्लास्गो में नहीं पेश करेंगी चुनौती

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लास्गो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं।

एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स

विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

31 जुलाई से शुरू हो रही स्पर्धा

तुलिका से पहले गुरुवार को एक अन्य जूडोका अरुण कुमार (-73 किलोग्राम) को भी प्रतियोगिता से बाहर किए गए डोप टेस्ट में विफल रहने के कारण टीम से हटा दिया गया था। भारतीय जूडो टीम अभी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना नहीं हुई है, क्योंकि उनकी स्पर्धाएं 31 जुलाई से शुरू हो रही हैं। खिलाड़ियों का यह दल 27 जुलाई को ग्लास्गो के लिए रवाना होने वाला है।

क्या राजस्थान छोड़ने का फैसला सैमसन के लिए साबित हुआ मास्टरस्ट्रोक, सीएसके में क्यों हुए शामिल?

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि 11 साल तक राजस्थान रॉयल्स के साथ रहने के बाद फ्रेंचाइजी छोड़ना उनके करियर का सबसे बड़ा जोखिम था। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से जुड़ने के बाद उन्हें अपने खेल में नई ऊर्जा और नई शुरुआत का एहसास हुआ। जियोस्टार के कार्यक्रम 'सुपरस्टार्स' में सैमसन ने अपने इस फैसले और आईपीएल 2026 के अनुभवों को विस्तार से साझा किया।

परिवार से लंबी चर्चा के बाद लिया फैसला

सैमसन ने बताया कि उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि आईपीएल 2025 उनका राजस्थान रॉयल्स के साथ आखिरी सीजन होगा। इस फैसले से पहले उन्होंने अपने परिवार और पत्नी के साथ दो से तीन सप्ताह तक लगातार चर्चा की।उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा खुद पर भरोसा रखता हूं। मुझे लगता है कि मैं शून्य से भी शुरुआत कर सकता हूं। कई लोगों ने कहा कि चेपॉक की धीमी पिच पर मेरी बल्लेबाजी नहीं चलेगी, लेकिन मैंने खुद से कहा कि अब 30 साल का हो चुका हूं, इसलिए नई चुनौती स्वीकार करनी चाहिए।'

सीएसके में शुरुआत खराब रही, लेकिन टीम ने नहीं छोड़ा साथ

टी20 विश्व कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने के बाद भी सैमसन आईपीएल में अच्छी शुरुआत नहीं कर सके। पहले तीन मैचों में वह लगातार नाकाम रहे और टीम भी हार गई। उन्होंने कहा

कि इस दौरान सबसे खास बात यह रही कि सीएसके के कोच, कप्तान और टीम प्रबंधन का उन पर भरोसा बिल्कुल भी नहीं डगमगाया। उनके अनुसार, टी20 क्रिकेट में असफलता खेल का हिस्सा है और ऐसे समय में टीम का भरोसा किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत बन जाता है।

धोनी की एक सलाह ने बदल दी पूरा खेल

सैमसन ने बताया कि लगातार तीन मैचों में नाकाम रहने के बाद एमएस धोनी ने अभ्यास सत्र के दौरान उनसे सिर्फ एक छोटी-सी बात कही, जिसने उनका पूरा नजरिया बदल दिया। धोनी ने उनसे कहा, 'लेकिन' में मत फंसो। जो तुम सबसे अच्छा करते हो, वही करते रहो। सब ठीक हो जाएगा। सैमसन ने कहा कि इस सलाह ने उनका आत्मविश्वास लौटा दिया। उन्होंने अगले ही मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक जड़ा और वहीं से उनका शानदार प्रदर्शन फिर शुरू हो गया।

सीएसके में कप्तानी की मांग नहीं की

राजस्थान रॉयल्स की पांच साल तक कप्तानी करने वाले सैमसन ने कहा कि उन्होंने चेन्नई में कभी कप्तानी की मांग नहीं की। उनके मुताबिक कप्तानी मांगी नहीं जाती, बल्कि जिम्मेदारी के तौर पर दी जाती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी मालिक मनोज बडाले ने खुद उन्हें कप्तान बनाया था। वहीं सीएसके में वह ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार थे और यही बात उनके फैसले का अहम कारण भी थी।

भारतीय टीम में जगह मांगने में नहीं रखते विश्वास

राष्ट्रीय टीम में चयन को लेकर सैमसन ने कहा कि वह कभी किसी से टीम में शामिल करने की गुजारिश नहीं करते। उनका मानना है कि यदि भारतीय टीम को उनकी जरूरत होगी तो उन्हें खुद बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं अपना अभ्यास और तैयारी जारी रखता हूं। जब टीम को मेरी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तभी मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी सामने आता है। यही चीज इस बार सीएसके और टी20 विश्व कप में भी देखने को मिली।' सैमसन ने कहा कि खिलाड़ी के लिए सबसे जरूरी है कि वह ऐसे माहौल में खेले जहां वह सहज महसूस करे और अपने खेल का पूरा आनंद उठा सके।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से क्यों किया इनकार?

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले वेस्टइंडीज को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ चयन होने के बावजूद सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। इस बात का खुलासा खुद मुख्य कोच डैरेन सैमी ने किया। उन्होंने बताया कि चोट से उबरने के बाद अल्जारी का टीम में चयन किया गया था, लेकिन उन्होंने खेलने से इनकार कर दिया।

चयन हुआ, लेकिन खेलने से कर दिया इनकार

डैरेन सैमी ने कहा कि अल्जारी जोसेफ की वापसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें टीम में चुना गया था, लेकिन अंतिम फैसला खिलाड़ी ने खुद लिया। सैमी ने कहा, 'उनका चयन किया गया था। वह अब चोट से वापसी कर रहे हैं। लेकिन कुछ कारणों से उन्होंने चयन स्वीकार नहीं किया। यह फैसला मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। यह बोर्ड और निदेशकों का मामला है कि जब किसी अनुबंधित खिलाड़ी द्वारा चयन ठुकराया जाता है तो उसका समाधान कैसे निकाला जाए।' 42 टेस्ट मैच खेल चुके अल्जारी जोसेफ वेस्टइंडीज के प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 130 विकेट दर्ज हैं और उन्होंने तीनों प्रारूपों में कैरेबियाई टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

गेंदबाजी आक्रमण पर सैमी को पूरा भरोसा

अल्जारी की गैरमौजूदगी के बावजूद डैरेन सैमी को अपनी गेंदबाजी इकाई पर पूरा भरोसा है। पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज के आक्रमण में शमार जोसेफ, केमार रोच, जेडन सील्स, जस्टिन

ग्रीव्स और कीमो पॉल शामिल हैं। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जोमेल वारिकन, युवा जोशुआ बिशप और कप्तान रोस्टन चेज संभालेंगे। सैमी ने कहा, 'मैं इतना कह सकता हूं कि हमारे पास ऐसा गेंदबाजी आक्रमण है जो 20 विकेट लेने की क्षमता रखता है। टेस्ट मैच जीतने के लिए यही सबसे जरूरी चीज है।'

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन का दिया उदाहरण

वेस्टइंडीज के कोच ने कहा कि उनकी टीम ने हाल के दौरों में मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप वाली टीमों के खिलाफ गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'हमने न्यूजीलैंड में यह करके दिखाया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी हमारी गेंदबाजी ने बराबरी की टक्कर दी। बल्लेबाजों ने भी श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मेहनत का असर दिखाया। अब हमारे बल्लेबाज लगातार रन बना रहे हैं और हमें पता है कि हमारा गेंदबाजी आक्रमण 20 विकेट लेकर टेस्ट मैच जिता सकता है।' पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 अगस्त से पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला जाएगा। हालांकि इस सीरीज में अल्जारी जोसेफ की गैरमौजूदगी वेस्टइंडीज के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है।

क्या जर्मनी की किस्मत बदल पाएंगे युर्गेन क्लॉप?

विश्व कप की नाकामी के बाद मिली बड़ी जिम्मेदारी

विश्व कप 2026 में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद जर्मनी फुटबॉल टीम नए दौर की शुरुआत करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्व लिवरपूल मैनेजर युर्गेन क्लॉप को जर्मनी का नया मुख्य कोच बनाया जाएगा।

2028 यूरो और 2030 विश्व कप तक रहेगा कार्यकाल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्लॉप का अनुबंध 2028 यूरोपीय चैंपियनशिप और 2030 फीफा विश्व कप तक रहेगा। जर्मनी की नजर अब अगले बड़े टूर्नामेंटों में टीम को फिर से विश्व फुटबॉल की शीर्ष ताकत बनाने पर है। जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नगेल्समैन ने विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 में पराग्वे से पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही क्लॉप को इस पद का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था। जर्मनी की टीम 2014 में विश्व कप जीतने के बाद से अब तक किसी भी पुरुष विश्व कप में नॉकआउट मुकाबला नहीं जीत सकी है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम पर नए नेतृत्व की जरूरत महसूस की जा रही थी।

विश्व कप के दौरान हुई थी अधिकारियों से बातचीत

विश्व कप के दौरान युर्गेन क्लॉप न्यूयॉर्क में टीवी विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनकी जर्मन फुटबॉल महासंघ के अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। महासंघ ने 11 जुलाई को बताया था कि क्लॉप के साथ अनुबंध के प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बन गई है। क्लॉप ने 2024 में लिवरपूल का

साथ छोड़ दिया था। उन्होंने उस समय लगातार काम के कारण थकान को ब्रेक लेने की वजह बताया था। इसके बाद वह रेड बुल के वैश्विक फुटबॉल नेटवर्क में हेड ऑफ ग्लोबल सॉकर की भूमिका निभा रहे थे। हाल ही में क्लॉप ने कहा था कि वह अब खुद को पूरी तरह तरोताजा महसूस कर रहे हैं और दोबारा कोचिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। अब उनके सामने जर्मनी को फिर से विश्व फुटबॉल की शीर्ष टीमों में शामिल कराने की बड़ी चुनौती होगी।

तमाशा क्वीन बनकर छाई श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड की सबसे चहेती अभिनेत्रियों में शामिल श्रद्धा कपूर इन दिनों हर तरफ चर्चा विषय बनी हुई है। दिलचस्प बात है कि उसकी सुर्खियों की वजह सिर्फ उसकी आने वाली फिल्म 'ईठा' नहीं है, बल्कि उसकी बढ़ती स्टारडम, कथित तौर पर बढ़ी हुई फीस, निजी जिंदगी और परिवार को लेकर सामने आ रही खबरें भी लोगों का ध्यान खींच रही हैं । इंडस्ट्री के गलियारों में इन दिनों यही चर्चा है कि श्रद्धा का करियर अपने सबसे बेहतरीन दौर में पहुंच चुका है और अब वह अपने हर फैसले से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

पिछले कुछ वर्षों में श्रद्धा ने फिल्मों की संख्या भले ही कम रखी हो, लेकिन उसकी सफलता का ग्राफ लगातार ऊपर गया है । 'तू झूठी मैं मक्कार' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। खास तौर पर 'स्त्री 2' ने रिकॉर्डतोड़ कमाई कर श्रद्धा की स्टार वैल्यू को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। यही वजह है कि अब उसकी अगली फिल्म 'ईठा' को लेकर भी दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

हाल ही में रिलीज इसके टीजर ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी। इसमें श्रद्धा का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिला। महाराष्ट्र की प्रसिद्ध लोक कलाकार और 'तमाशा क्वीन' कही जाने वाली विठाबाई नारायणगांवकर के किरदार में उसका रूप देखकर कई लोग हैरान रह गए। माना जा रहा है कि इस किरदार के लिए श्रद्धा ने अपने लुक, बॉडी लैंग्वेज और अभिनय पर काफी मेहनत की है । फिल्म से जुड़े लोगों का भी कहना है कि यह उसके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है।

इसी बीच सबसे ज्यादा चर्चा उनकी कथित फीस को लेकर हो रही है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 'ईठा' के लिए श्रद्धा को लगभग 15 करोड़ रुपए दिए गए हैं। अगर इन रिपोर्ट्स पर भरोसा किया जाए तो यह रकम उसकी पिछली सुपरहिट फिल्म 'स्त्री 2' की फीस से लगभग गुना अधिक है।

कहा जाता है कि 'स्त्री 2' के लिए उसे करीब 5 करोड़ रुपए मिले थे, जबकि 'तू झूठी मैं मक्कार' के लिए फीस लगभग 7 करोड़ रुपए बताई गई थी। हालांकि, इन आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन फिल्मी गलियारों में इन्हीं चर्चाओं ने जोर पकड़ रखा है। कहा जा रहा है कि फिल्म के निर्माता श्रद्धा के स्टारडम और उनकी लोकप्रियता को देखते हुए इस प्रोजैक्ट को बेहद खास मान रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि श्रद्धा की मौजूदगी फिल्म को बड़े स्तर पर फायदा पहुंचा सकती है।

'वह मुझे टैटू दिखाने लगा', जबरा फैन की हरकत देखकर हैरान रह गई थीं काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल साउथ की चर्चित अदाकारा हैं। वे तेलुगु इंडस्ट्री के अलावा तमिल और हिंदी भाषाओं में भी अपने अभिनय का दम दिखा रही हैं। फिलहाल, इन दिनों वे फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म आज शुक्रवार को रिलीज हुई है। इस बीच अभिनेत्री ने एक पुराना किस्सा साझा किया है, जो हैरान करने वाला है।

फैन की हरकत देख हैरान रह गईं काजल

काजल ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने अपने साथ हुए एक कड़वे अनुभव के बारे में भी बताया। काजल ने बताया कि एक फैन किस तरह उनकी वैनिटी वैन में घुस आया था और अपनी शर्ट उतारकर अभिनेत्री का टैटू दिखाने लगा। इस घटना से वे काफी असहज हो गईं और हैरान रह गईं।

बिना इजाजत वैनिटी वैन में घुस आया था शख्स

काजल अग्रवाल ने अपना कड़वा अनुभव साझा करते हुए बताया, 'कुछ दिनों पहले, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी। पहले दिन का शॉट पूरा होने के बाद फिल्म का असिस्टेंट डायरेक्टर एक आदमी बिना मेरी इजाजत के मेरी वैनिटी वैन में घुस आया। आते ही उसने अपनी शर्ट उतारी और मुझे दिखाया कि उसने अपनी छाती पर मेरे नाम का टैटू बनवाया है। मैं इस अचानक हुई घटना से हैरान रह गई। मुझे उसकी तारीफ से खुशी हुई, लेकिन जब मैं अकेली थी, तो बिना इजाजत मेरे कमरे में आना और ऐसा करना ठीक नहीं था। इसलिए मैंने उसे धीरे से चेतावनी दी।

काजल अग्रवाल वर्क फ्रंट

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' का निर्देशन चेतन डीके ने किया है। इसमें काजल के अलावा श्रेयस तलपड़े, अश्विनी भांडे, हार्दिका जोशी, मुरली शर्मा, मनीष वाधवा, अतुल तिवारी और कमलेश सावंत जैसे सितारे हैं। फिल्म में खाद्य पदार्थों में मिलावट, प्रदूषण, कृषि में रसायनों के उपयोग और उसके नेगेटिव असर को दिखाया गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल ने एक वकील की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के अलावा वे नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' में भी नजर आएंगी। इसमें उन्हें मंदोदरी की भूमिका में देखा जाएगा।

सचमुच 'नजर' लग जाती है मुझे : कृति सेनन

फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता के बाद कृति सेनन इस समय अपने करियर के बेहद खास दौर में है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की जोरदार कमाई के साथ कृति सिर्फ अपनी परफॉर्मेंस ही नहीं, बल्कि अपने बेबाक विचारों को लेकर भी सुर्खियों में है ।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उसने अपनी निजी जिंदगी, करियर की नई सोच और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। नजर लगने जैसी पारिवारिक मान्यताओं से लेकर मानसिक रूप से जटिल किरदार निभाने की इच्छा और सही समय पर मां बनने के फैसले तक, कृति ने कई ऐसे खुलासे किए जो उसके व्यक्तित्व का एक अलग ही पहलू सामने लाते हैं।

मुझे सच में नजर लग जाती है

पॉडकास्ट 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' में बातचीत के दौरान कृति ने मुस्कुराते हुए बताया कि उसे आज भी नजर लगने पर पूरा भरोसा है। उसने कहा कि जब भी उनकी जिंदगी में कुछ अच्छा होने लगता है या किसी नई फिल्म को लेकर वह जरूरत से ज्यादा उत्साहित होकर बातें करने लगती है, तो उसकी मां तुरंत उसे रोक देती हैं।

कृति ने कहा, " मम्मी हमेशा कहती हैं कि ज्यादा मत बोलो, नजर लग जाती है। पहले मुझे यह मजाक लगता था, लेकिन अब मुझे भी महसूस होता है कि जब मैं किसी चीज को लेकर बहुत ज्यादा एक्साइटेड हो जाती हूं, तो कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर हो जाती है । कभी मैं गिर जाती हूं, कभी नाखून टूट जाते हैं, तो कभी तबीयत खराब हो जाती है। अब मैं अपनी खुशियां ज्यादा जाहिर करने के बजाय उन्हें अपने तक ही रखना पसंद करती हूं। कई बार उन्हें लिखकर रख लेती हूं।

अब नहीं करना चाहती 'सेफ' सिनेमा

नैशनल अवॉर्ड जीत चुकी कृति का मानना है कि अब वह अपने करियर में ऐसे मुकाम पर है, जहां उसे सुरक्षित विकल्पों से आगे बढ़ना चाहिए। उसका कहना है कि एक कलाकार के लिए सबसे बड़ा रोमांच ऐसे किरदार निभाने में है, जो उसकी असली शख्सियत से बिल्कुल अलग हों।

कृति ने खुलासा किया कि अब उसकी दिलचस्पी साइकोलॉजिकल और मानसिक रूप से जटिल किरदारों में ज्यादा है। वह स्क्रीन पर ऐसी लड़की का किरदार निभाना चाहती है, जिसका व्यक्तित्व अप्रत्याशित, रहस्यमयी और सनकी हो ।

'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति ने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा' ऑब्सेशन' देखने के बाद उसने अपने करियर को नए नजरिए से देखना शुरू किया। फिल्म ने उसे यह एहसास कराया कि कलाकार के तौर पर जोखिम उठाना जरूरी है। उसने कहा, " फिल्म देखने के बाद मुझे लगा कि हमें हमेशा सुरक्षित रास्ता चुनने की जरूरत नहीं है । कुछ ऐसा करना चाहिए जो दर्शकों को चौंका दे और एक कलाकार के तौर पर हमें भी नई चुनौती दे ।

कृति ने यह भी माना कि अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों, खासकर जेंडाया जैसे सितारों ने उसे कठिन और असामान्य किरदारों को अपनाने का आत्मविश्वास दिया है। उसके अनुसार, वह ऐसा किरदार निभाना चाहती है जो दर्शकों को चौंकाए और उसे एक अभिनेत्री के रूप में नई पहचान दे।

शादी और मां बनने का फैसला अपनी शर्तों पर इंटरव्यू का सबसे चर्चित हिस्सा वह रहा, जब कृति ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा बड़ा खुलासा किया। उसने बताया कि फिल्म 'मिमी' की तैयारी के दौरान अपने एग्स फ्रीज कराए थे।

कृति के अनुसार, उस समय उसे किरदार के लिए वजन बढ़ाना था। चूंकि एग फ्रीजिंग की प्रक्रिया के दौरान भी शरीर में बदलाव आते हैं, इसलिए उसने दोनों चीजों को साथ करने का फैसला लिया।

उसने बताया कि किसी करीबी ने उसे सलाह दी थी कि यदि यह विकल्प उपलब्ध है, तो यह भविष्य के लिए खुद को दिया जाने वाला सबसे अच्छा उपहार हो सकता है। यही बात उसके मन में रह गई और उसने सही समय देखकर यह फैसला लिया ।

भोजपुरी सुपरस्टार को नहीं पहचान पाईं मलाइका बोलीं- 'कौन है ये? बहुत ही घिनौनी हरकत है

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के लाखों फैंस हैं। हाल ही में एक्टर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया। इस क्लिप के वायरल होने के बाद मलाइका अरोड़ा ने भी अपना रिएक्शन दिया। जिसमें उन्होंने जमकर नराजगी जताई। जानें क्या बोली मलाइका-

मलाइका ने कहा 'बहुत घटिया'

भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव का एक क्लिप काफी वायरल हो रहा है। जिसमें वह फोटो क्लिक करवाने आते हैं। मगर वहां एक डॉग बैठा होता है। जिसे खेसारी के कहने के बाद खींचकर वहां से हटा दिया जाता है।

जैसे ही यह वीडियो वायरल मलाइका तक पहुंचा उन्होंने जमकर क्लास लगा दी। मलाइका ने वीडियो शेयर करते हुए खेसारी की इस हरकत को 'बहुत घटिया' बताया। हालांकि एक्ट्रेस ने उनका नाम नहीं लिया।

मलाइका ने जमकर लताड़ा

मलाइका अरोड़ा ने वीडियो शेयर करते हुए खेसारी की इस हरकत की आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'यह आखिर कैसे लोग हैं? और ये आदमी कौन है जो खड़ा होकर पोज दे रहा है? बहुत ही घिनौनी हरकत है.' उनके ऐसा लिखने के बाद यूजर्स और फैंस को महसूस हुआ कि वह शायद भोजपुरी सुपरस्टार को पहचान नहीं पाईं।

क्या था मामला?

खेसारी लाल यादव बीते दिनों एक इवेंट में शिरकत करने पहुंचे थे। जहां पैप्स उन्हें कवर करने खड़े हुए थे। मगर जहां उन्हें खड़े होकर पोज देना था।

वहां एक डॉग पहले से मौजूद था। जिसे देखकर खेसारी कुछ असहज हो गए। इसके बाद उन्होंने उसे निकालने को कहा। उसी वक्त एक महिला उस डॉग को खींचते हुए ले गई।

रिश्तों पर नहीं, समाज की सोच पर निशाना साधती है खुशाली कुमार की फिल्म

मूवी रिव्यू : दुल्हनिया ले आएगी

क्या 30 की उम्र पार होते ही लड़की की शादी कर देना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए? यही सवाल उठाती है निर्देशक आकाशादित्य लामा की फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी'। कॉमेडी, इमोशन और पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने में बुनी गई यह फिल्म मनोरंजन के साथ एक जरूरी सामाजिक संदेश भी देती है कि शादी की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती।

हालांकि कहानी कई जगह अनुमानित लगती है, लेकिन इसका उद्देश्य और क्लाइमैक्स फिल्म को एक बार देखने लायक बना देते हैं। इस फिल्म की लेंथ 2 घंटा 8 मिनट है। दैनिक भास्कर ने इस फिल्म को 5 में से 3 स्टार रेटिंग दी है।

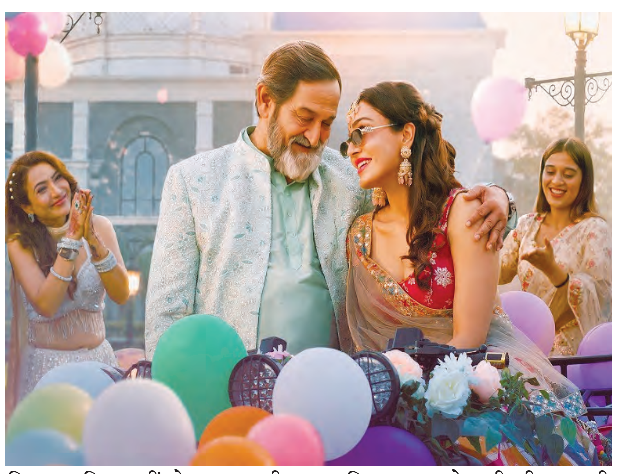

कैसी है फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी 32 वर्षीय नव्या (खुशहाली कुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है। बढ़ती उम्र को लेकर उसके पिता (महेश मांजरेकर) लगातार उसकी शादी की चिंता करते रहते हैं। जल्दबाजी में उसकी शादी एक ऐसे लड़के से तय कर दी जाती है, जिसके पहले से कई लड़कियों के साथ अफेयर रह चुके होते हैं।

नव्या को इस सच्चाई का पता चल जाता है, लेकिन वह अपने पिता का दिल नहीं तोड़ना चाहती। वह यह बात उनसे छिपा लेती है और तय करती है कि शादी तो उसी दिन होगी, लेकिन सही दूल्हे के साथ। इसके बाद शुरू होती है उसके लिए सही जीवनसाथी की तलाश, जिसमें कई मजेदार और भावुक घटनाएं सामने आती हैं। इस सफर में ओंकार कपूर का किरदार भी कहानी में अहम मोड़ लेकर आता है।

फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका क्लाइमैक्स है। आखिर में निर्देशक यह संदेश देते हैं कि सरकार ने भले ही लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र तय कर दी हो, लेकिन शादी की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। लड़की को तभी शादी करनी चाहिए, जब उसे सही जीवनसाथी मिले। हालांकि पहले हाफ में कहानी थोड़ी धीमी गति से आगे बढ़ती है और कई घटनाएं पहले से अनुमानित लगती हैं। अगर स्क्रीनप्ले पर थोड़ा और काम किया जाता तो फिल्म और प्रभावशाली बन सकती थी।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

खुशहाली कुमार ने नव्या के किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाया है। उन्होंने एक ऐसी लड़की की भावनाओं को अच्छी तरह पर्दे पर उतारा है, जो परिवार की खुशी और अपनी जिंदगी के फैसलों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है।

ओंकार कपूर अपने किरदार में सहज नजर आते हैं और कहानी को हल्कापन देने में सफल रहते हैं। महेश मांजरेकर एक चिंतित पिता के रूप में प्रभाव छोड़ते हैं। उनके और खुशहाली कुमार के बीच के भावनात्मक दृश्य फिल्म की सबसे मजबूत कड़ियों में शामिल हैं।

डायरेक्शन और टेक्निकल पक्ष

निर्देशक आकाशादित्य लामा ने गंभीर सामाजिक मुद्दे को भारी-भरकम बनाने के बजाय हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज में पेश किया है। सिनेमैटोग्राफी फिल्म के माहौल के अनुरूप है और रंगों का इस्तेमाल आकर्षक लगता है। एडिटिंग पहले हाफ में थोड़ी और कसी जा सकती थी, लेकिन दूसरे हाफ में कहानी अच्छी रफ्तार पकड़ लेती है। संवाद कई जगह मुस्कुराने पर मजबूर करते हैं, जबकि क्लाइमैक्स भावनात्मक असर छोड़ता है।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक?

फिल्म का संगीत इसकी मजबूत कड़ियों में से एक है। 'बिटिया पराई नहीं होती' गाना भावनात्मक रूप से दिल को छूता है और फिल्म के संदेश को मजबूती देता है।

फाइनल वर्डिक्टः देखें या नहीं?

'दुल्हनिया ले आएगी' कोई बहुत अलग कहानी नहीं कहती, लेकिन समाज में लड़कियों की शादी को लेकर बने दबाव और सोच पर जरूरी सवाल जरूर उठाती है।

'भाई को राजनीतिक रूप से हाइजैक कर लिया गया'

छात्रों को प्रदर्शन खत्म करने की सलाह देने पर ट्रोल हुए सलमान खान

छात्र आंदोलन पर कई सितारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किए हैं। बुधवार को सलमान खान ने छात्र आंदोलन के समर्थन में पोस्ट किया था। इसके बाद बीती रात उन्होंने एक और पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए छात्रों से घर लौटने की अपील की। सलमान ने छात्रों से कहा कि वे निश्चिंत होकर घर वापस लौट जाएं। साथ ही उन्होंने सोनम वांगचुक से भी अनशन खत्म करने की अपील की। इस पोस्ट पर भाईजान को ट्रोल किया जा रहा है।

सलमान ने क्या कहा था?

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की। एक्टर ने अपनी एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वे 'बीइंग ह्यूमन' का मग फ्लॉन्ट करते दिखे। इसके साथ कैप्शन लिखा, 'पढ़ाई और सुरक्षा, दोनों ही मामलों में छात्र हमारी पहली प्राथमिकता हैं, इसलिए उन्हें और उनके माता-पिता को चिंता करने की जरूरत नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया है और मुझे यकीन है कि वे इस पेपर लीक के लिए सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसलिए छात्रों, प्लीज अपने माता-पिता के पास अपने घर लौट जाइए।' साथ ही उन्होंने सोनम वांगचुक के लिए लिखा, 'सोनम, बस हो गया। इसे और आगे मत खींचो। अगर जरूरत पड़ी तो इस जज्बे को किसी और दिन के लिए बचाकर रखना (हालांकि मुझे नहीं लगता कि जरूरत पड़ेगी) और कुछ खा-पी लो। अगर चाहो तो मैं घर से खाना भेज दूंगा।'

सलमान खान पर नाराज हुए नेटिजंस

छात्रों को प्रदर्शन खत्म करने की सलाह दिए जाने पर सलमान खान को ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स लिख रहे हैं, 'सलमान खान को राजनीतिक रूप से हाईजैक कर लिया गया है'। एक यूजर ने लिखा है, 'भाई आपका ये पोस्ट आपकी पिछली तीन फिल्मों से भी बेकार है'। एक यूजर ने लिखा, 'लेकिन, आपको छात्रों और माता-पिता का दर्द समझने के लिए सबसे पहले आपको शादी और बच्चे करने की जरूरत है'। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान भाई अपने स्टेटमेंट अपनी फिल्म के टाइटल की तरह बदल रहे हैं। जैसे 'बैटल ऑफ गलवां' से 'मातृभूमि' किया गया।

फैंस आए साथ- बोले- 'भाई ने बोला करने का तो करने का'

एक तरफ सलमान खान को ट्रोल किया जा रहा है, तो वहीं उनके प्रशंसक जमकर तारीफ कर रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार से लिखित आश्वासन मिलने के बाद 26 दिन से जारी अपना अनशन समाप्त कर दिया है। इसके बाद फैंस के कमेंट्स भी आ रहे हैं और लिख रहे हैं, 'भाई ने बोला करने को तो करने का'।

पुलिस पार्टी पर हमला, डीएसपी समेत 24 पुलिसकर्मी घायल

ग्रामीणों ने किया पथराव, कई के सिर फूटे, आरोपियों को पकड़ने गई थी

सूरजपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में भूमि अधिग्रहण को लेकर चल रहा विवाद शुक्रवार को हिंसक हो गया। कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। इस घटना में डीएसपी राजेश जोशी सहित 24 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पथराव में कई पुलिसकर्मियों के सिर और शरीर पर चोटें आईं। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, प्रतापपुर क्षेत्र के मदननगर-धरमपुर इलाके में एसईसीएल की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। ग्रामीणों का

कहना है कि हमें मुआवजा नहीं चाहिए। उनकी मांग है कि उन्हें जमीन के बदले जमीन दिया जाए।

बीते दिनों टीम सर्वे करने पहुंची थी। इस दौरान ग्रामीणों ने टीम को बंधक बना लिया था। इसी मामले में प्रशासन की टीम भारी पुलिस बल के साथ आरोपियों को गिरफ्तार करने धरमपुर पहुंची थी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे।

देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। अचानक हुए पथराव में डीएसपी राजेश जोशी सहित 24 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। सिर और शरीर पर चोटें आई है। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। हालात को देखते हुए सूरजपुर के साथ आसपास के जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। मदननगर-धरमपुर क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

एएसपी योगेश देवांगन ने बताया कि भूमि अधिग्रहण को लेकर हुए विवाद के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पथराव किया। इसमें 24 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

सभी घायलों का इलाज कराया जा रहा है। इलाके में पुलिस बल तैनात है। मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है।

जिस लड़के पर रेप केस किया, उसी से शादी की

बोलीं– समाज में मेरी इज्जत डाउन हुई, जगदलपुर सेंट्रल जेल में लिए सात फेरे

जगदलपुर/बस्तर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में एक युवती ने जिस युवक के खिलाफ रेप केस दर्ज कराया था, बाद में उसी से शादी कर ली। कोर्ट के आदेश के बाद दोनों ने जगदलपुर सेंट्रल जेल में सात फेरे लिए। दरअसल, दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे और उनके बीच प्रेम संबंध था। लेकिन युवक के परिवार वालों ने शादी से इनकार कर दिया।

इसके बाद युवती ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। एससी/एसटी एक्ट लगने के कारण युवक पिछले 7 महीने से जेल में बंद है। इस दौरान युवती उससे मिलने भी जाती थी। बाद में दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। मामला परपा थाना क्षेत्र के राजूर गांव का है।

जालौन इंस्पेक्टर हत्याकांड : आरोपी महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा को हाईकोर्ट से राहत

7 माह बाद जेल से हो सकती है रिहाई

जालौन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जालौन में बहुचर्चित कुठौंद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय हत्याकांड में आरोपी महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने मामले के गुण-दोष और प्रस्तुत तथ्यों पर विचार करने के बाद उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली। करीब 7 माह से न्यायिक हिरासत में बंद मीनाक्षी शर्मा की अब आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

बता दें कि, यह मामला 5 दिसंबर 2025 का है, जब कुठौंद थाने में तैनात तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय की संदिग्ध परिस्थितियों में सरकारी पिस्टल से गोली लगने के

कारण मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे पुलिस महकमे और प्रदेशभर में सनसनी फैला दी थी। अगले दिन मृतक इंस्पेक्टर की पत्नी माया राय की तहरीर पर महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले की जालौन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवेचना शुरू की और 7 दिसंबर 2025 को मीनाक्षी शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। बाद में जिला कारागार में अन्य बंदियों से विवाद होने के कारण सुरक्षा के मद्देनजर उनका स्थानांतरण झांसी जिला जेल कर दिया गया था, जहां वे अब तक निरुद्ध थीं।

विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने जिला एवं सत्र न्यायालय में 383 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की।

हिमाचल के लाहौल-स्पीति में टैक्सी पर गिरा पहाड़

13 लोगों की मौत

शिमला, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में शुक्रवार को एक भयानक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया है। पहाड़ी से गिरे मलबे के नीचे यात्री वाहन के दब जाने से भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। वाहन में सवार 15 यात्रियों में से 13 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। प्रशासनिक टीम और आपातकालीन सेवाएं घटना स्थल पर मौजूद हैं और मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को यह हादसा तब हुआ जब कुल्लू से पांगी जा रही एक टैक्सी लाहौल-स्पीति में उदयपुर-किलार रोड पर काडू नाला के पास भारी मलबे की चपेट में आ गई। शुरुआती खबरों के मुताबिक, गाड़ी में 15 लोग सवार हो सकते हैं। मलबे से एक घायल व्यक्ति को बचा लिया गया है, जबकि बाकी लोगों के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है।

पुलिस अधीक्षक लाहौल स्पीति शिवानी मेहला ने हादसे की पुष्टि की है। हादसे की सूचना मिलते ही तिंदी पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मौके के लिए रवाना हो गए हैं। राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, राहत और बचाव कार्य के दौरान मलबे से एक घायल व्यक्ति को बाहर निकाला गया है। उसे फौरन इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मलबा हटाने का काम तेजी से चलाया जा रहा है। हालांकि प्रशासन ने हादसे के शिकार यात्रियों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं दी है।

एनआईए के छापे, दो विस्फोटक कारोबारी धराए

महेश शुरू से विस्फोटक व्यवसाय में रहा शामिल, शंकर को लग्जरी गाड़ियों का शौक

कोडरमा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार तड़के कोडरमा, डोमचांच और नवलशाही में छापेमारी की। इस दौरान विस्फोटक कारोबारी बतडीहा निवासी शंकर यादव व डोमचांच के नावाडीह निवासी महेश मेहता को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी में 16.07 लाख रुपए और 22 जमीनों के कागजात जब्त किया। यह मामला पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में दो साल पहले हुए विस्फोट से जुड़ा है। 8 अक्टूबर 2024 को धनबाद से बाइक पर विस्फोटक लेकर जा रहे जयदेव मंडल की विस्फोट में मौत हो गई थी।

छात्र आंदोलन के दौरान आईजी राणा ने हाथ ऐंठा तो एसएचओ ने किया अभद्र व्यवहार

सदन में फूटा महिला एमएलसी का गुस्सा

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों और युवाओं का गुस्सा देखा जा रहा है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर भी विपक्षी दल सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार विधानमंडल के मॉनसून सत्र के आखिरी दिन विधान परिषद में भाकपा-माले विधायक शशि यादव ने छात्रों पर हुए लाठचार्ज के दौरानआईजी जितेन्द्र राणा पर हाथ ऐंठने का आरोप लगाया। उन्होंने कोतवाली थानेदार पर भी अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। जिसपर सभापति ने कहा कि सरकार इसका संज्ञान लेगी।

दरअसल, 22 जुलाई को पटना में हुए छात्र आंदोलन में शामिल होने वाले विपक्ष के कई

नेताओं के खिलाफ पुलिस की ओर से केस दर्ज किया गया है। शुक्रवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन एमएलसी शशि यादव ने पुलिस पर चोरी और छिनतई का झूठा केस दर्ज करने का आरोप लगाया। उन्होंने आईजी पर भी गंभीर आरोप लगाए। एमएलसी शशि यादव ने सदन में बताया कि बीते 22 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वे किसी काम से बाहर गई थीं।

उनके खिलाफ ऊपर केस कर दिया गया कि उन्होंने बीजेपी के नेता की अंगूठी, चेन और 15 हजार रुपया छिन ली है। उन्होंने कहा कि जब उनके खिलाफ चोरी और छिनतई का केस करने की जगह जन आंदोलन का केस होना चाहिए।

शशि यादव ने बताया कि जब आंदोलन के बारे में मोबाइल से जानकारी मिली तो बच्चियों को सांत्वना देने गई थी।

इस दौरान आईजी जितेन्द्र राणा ने उनका हाथ ऐंठ दिया। उनका हाथ अभी भी फूला हुआ है।

वो इन बातों की जानकारी सदन में देना चाहती है कि कैसे उनके साथ व्यवहार किया गया। उन्होंने बताया कि जब पकड़े गए बच्चों की पिटाई की जानकारी उन्हें मिली और वो बच्चों का हाल जानने थाने पहुंची तो थाना प्रभारी ने भी उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

हम भूमिहार ब्राह्मणों को एसटी में डाल दीजिए

विधानसभा में भाजपा विधायकों ने ही डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव को घेरा

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव को उनके ही गठबंधन के विधायकों ने एक जवाब पर घेर लिया। इससे सदन में अजब सीन बन गया। बिजेंद्र यादव भूमिहार ब्राह्मण लिखे जाने पर जवाब दिया। इस पर उन्होंने इसे विचाराधीन बता दिया। इसके बाद सदन में बीजेपी विधायक जीवेश मिश्रा समेत इस समाज के तमाम विधायक भड़क गए, जिसमें सत्ताधारी सदस्य भी थे।

बिहार विधानसभा में माहौल तब गर्म हो गया जब सरकार ने भूमिहार की भूमिहार ब्राह्मण लिखे जाने के आग्रह को विचाराधीन बताया। नतीजा ये हुआ कि नाराज विधायकों ने जबरदस्त हंगामा कर दिया। इस पर पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा ने सत्र के अंतिम दिन की पहली पाली में कहा कि माननीय मंत्री जी ने तो पूरा भ्रम ही फैला दिया। भूमि एवं राजस्व विभाग में भी भूमिहार ब्राह्मण अंकित किया गया है। 1931 की जनगणना में भी यही अंकित है।

पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा ने बिहार विधान सभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन सत्र में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते कहा कि भूराजस्व अभिलेखों, विभिन्न शासकीय अभिलेखों, जिला गजेटियर एवं अन्य राजकीय अभिलेखों में भूमिहार ब्राह्मण अंकित है। लेकिन वर्तमान में बिहार सरकार ने जो जातीय जनगणना की है उसकी जाति सूची में या फिर जाति प्रमाण पत्रों में भूमिहार अंकित किया गया है।इस तरह से पाये जा रहे अभिलेख विसंगतियों से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

1931 के जनगणना रिपोर्ट में और राजस्व विभाग के तमाम भूअभिलेख में भी भूमिहार ब्राह्मण अंकित है। इसलिए सरकार से अनुरोध है कि सरकारी दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र में भूमिहार ब्राह्मण लिखा जाए। इसके बाद तरारी से बीजेपी के विधायक विशाल प्रशांत ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि 'जैसा माननीय मंत्री जी का जवाब आया है कि भूमिहार को भूमिहार ब्राह्मण नहीं रखा जाएगा।

पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट

जोरदार धमाके से दहला इलाका, दो की मौत, कई लापता

सहारनपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शुक्रवार को एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गंगोह थाना क्षेत्र के नया गांव स्थित फैक्ट्री में हुए धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में दो लोगों की मौत बताई जा रही है, जबकि कई अन्य के घायल होने की सूचना है, कुछ लापता हैं। विस्फोट इतना भीषण था कि शवों के चीथड़े करीब 100 मीटर दूर तक जा गिरे, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट के तुरंत बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की कई टीमें भी घटनास्थल पर पहुंच गईं। विस्फोट के कारण फैक्ट्री का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। राहत एवं बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहा है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भेजा जा रहा है। प्रशासन ने पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में लेकर बचाव अभियान तेज कर दिया है।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा हाईटेंशन लाइन से टकराई

बिजली उतरने से एक की मौत, 11 लोग झुलसे

मेरठ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकालने के दौरान हादसे की खबर सामने आई है। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के हाईटेंशन लाइन से टकराने से उसमें बिजली उतरी। बिजली के तेज झटके से एक की मौत हो गई। वहीं, हादसे में 11 लोगों के घायल होने की जानकारी समने आई है। शहर में तेज बारिश के बीच रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान ऊपर से गुजरती 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से रथ के टकराने से हादसा हो गया। मामले में मृतक का नाम सचिन बताया जा रहा है। करंट लगने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बुरी तरह झुलसे अन्य लागों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

रथ यात्रा के दौरान जुलूस में करंट उतरने से मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी देहात अभिजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद वहां से घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

घटना परीक्षितगढ़ इलाके की है। यहां हर वर्ष की तरह इस बार भी रथयात्रा का आयोजन हो रहा था। इसमें करीब 2 हजार श्रद्धालु शामिज थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रथ में करंट उतरते ही उस पर सवार लोग नीचे गिरने लगे। लोग चीखने लगे। वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। जान बचाने के लिए लोग भागने लगे।

घटना की जानकारी पर पहुंचे एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि रथयात्रा निकाले जाने के दौरान हादसा हुआ है। सड़क की ऊंचाई और रथ की ऊंचाई दोनों के कारण यह हाई टेंशन लाइन से टकरा गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई। प्रशासन ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

परीक्षितगढ़ के ओम पब्लिक स्कूल में जगन्नाथ भगवान की शोभायात्रा और कथा का आयोजन हुआ था। भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा पांच उपि पहले निकाली गई थी। इसके बाद महाराज रोहित रिसालिया वृंदावन की कथा का आयोजन हो रहा था। गुरुवार शाम कथा का समापन हुआ। इसके बाद शुक्रवार दोपहर को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा बैंड बाजों के साथ नगर में निकाली गई।

जदयू नेता के बेटे-साले पर ताबड़तोड़ फायरिंग

जिला उपाध्यक्ष बोले– 8–10 राउंड गोलियां चलीं बेटे को 3 बुलेट लगी, अपराधियों का एनकाउंटर हो

पूर्णिया, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्णिया में गुरुवार देर रात अपराधियों ने जेडीयू जिला उपाध्यक्ष अमरेंद्र कुशवाहा के बेटे और साले पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जिसमें बेटे शुभम कुशवाहा को तीन और साले सागर कुशवाहा को दो गोली लगी।

दोनों को इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना मरंगा थाना क्षेत्र के नेवालाल चौक के पास की है।

जेडीयू जिला उपाध्यक्ष ने सम्राट चौधरी से अपराधियों का एनकाउंटर करने की अपील की है। अपराधियों ने अमरेंद्र कुशवाहा के बेटे शुभम कुशवाहा को बेहद करीब से तीन गोलियां मारी गई हैं। पहली गोली पीठ में लगी। जबकि दूसरी गोली जांघ के ऊपरी हिस्से में लगी और तीसरी हाथ को चीरते हुए निकल गई। साथ में मौजूद उनके मामा सागर कुशवाहा को भी अपराधियों ने दो गोलियां मार दी।

घायल होने के बावजूद सागर खून से लथपथ हालत में ही अपनी कार से शुभम को लेकर तुरंत कस्बा स्थित अस्पताल के लिए निकले। अपराधियों ने भागते वाहन पर भी गोलियां बरसाईं।

जांच के दौरान वाहन की ड्राइवर सीट के ऊपरी हिस्से में एक फंसी हुई गोली और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

जेडीयू जिला उपाध्यक्ष अमरेंद्र कुशवाहा ने बताया कि मेरी पत्नी राखी देवी वार्ड पार्षद हैं। मेरा बेटा शुभम और साला सागर कार से चाय पीने चौक पर गए थे।

इस दौरान दुकान पर कुछ लोग पहले से हथियार के साथ वहां मौजूद। मामला संदिग्ध लगने पर ये लोग भागने लगे। इस बीच हथियाबंद बदमाशों ने गोली मार दी। करीब 10 से 12 लोग वहां थे, कुछ शूटर को बाहर से भी बुलाया गया था।

अमरेंद्र कुशवाहा ने आगे कहा, इस संबंध में सीएम को लेटर लिखा था। पटना में मंत्री जी से भी मुलाकत कर इस मामले से अवगत कराया था। डीजीपी-एसपी से भी शिकायत की गई थी।

वहीं, मामले को लेकर एसएसपी डॉ. शौर्यसुमन ने बताया कि दो लोगों को गोली लगी है। एक को जांघ में और दूसरे को पीठ में लगी है। दोनों का इलाज चल रहा है। इनका आपराधिक इतिहास भी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल जाना। मौके पर मौजूद पूर्व सांसद ने पूर्णिया के SSP से फोन पर बात कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

आईएएस के घर भी छात्रों ने कर दी पत्थरबाजी

जहानाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर जहानाबाद में किया जा रहा प्रदर्शन गुरुवार को हिंसक हो गया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और सरकारी प्रतिष्ठानों पर कथित तौर पथराव किया। इसके बाद उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को कई जगहों पर लाठीचार्ज से लेकर हवाई फायरिंग तक करनी पड़ी। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने आईएएस शेरिंग वाई भूटिया के आवास पर भी पत्थरबाजी कर दी।

छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना पर जिलाधिकारी शेरिंग वाई ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। उन्होंने जिले के लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने, शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। आइए जानते हैं कौन हैं आईएएस शेरिंग वाई भूटिया के बारे में, जिनके आवास पर पत्थरबाजी की गई।

शादी के लिए बिहार में बसीं, जहानाबाद की डीएम शेरिंग वाई भूटिया कौन?

दिसंबर 1090 में जन्मी शेरिंग वाई भूटिया मूल रूप से सिक्किम की निवासी हैं। वर्तमान में आईएएस शेरिंग वाई भूटिया की पोस्टिंग जहानाबाद जिले में बतौर जिलाधिकारी के रूप में है। इसके पहले उनकी पोस्टिंग बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग में थी। स्वास्थ्य विभाग में शेरिंग वाई भूटिया अतिरिक्त सचिव के पद पर तैनात थीं। दिल्ली यूनिवर्सिटी से इकॉनोमिक्स में ग्रेजुएशन करने के बाद शेरिंग वाई भूटिया ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (यूपीएससी) की तैयारी शुरू की। उन्होंने 2013 में यूपीएससी पास कर लिया। शेरिंग वाई भूटिया को बंगाल कैडर मिला। उन्होंने अपने ही बैच 2013 के साथी आईएएस अधिकारी आनंद शर्मा से शादी की। शादी के बाद आनंद शर्मा का बिहार कैडर में ट्रांसफर हो गया। इसके बाद शेरिंग वाई भूटिया ने भी अपना कैडर बंगाल से बिहार करवा लिया। शेरिंग वाई भूटिया तेज तर्रार आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में अतिरिक्त सचिव, उप-विभागीय अधिकारी और अन्य प्रशासनिक पोस्ट पर काम किया है।

शादीशुदा प्रेमी की मौत के बाद प्रेमिका फांसी पर झूली

जांजगीर-चांपा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम धाराशिव में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है। खेत में एक पेड़ से युवक का शव मिलने के कुछ समय बाद उसकी प्रेमिका ने भी कथित तौर पर उसी स्थान पर फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई को सूचना मिली कि धाराशिव निवासी विष्णुकांत पुरी (40) और लीलाबाई सूर्यवंशी (27) के शव गांव के एक खेत में पेड़ से लटके मिले हैं। सूचना पर पामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच पिछले एक वर्ष से अधिक समय से प्रेम संबंध था। पुलिस के मुताबिक, विष्णुकांत पहले से शादीशुदा था और उसके चार बच्चे हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों के संबंधों को लेकर अक्सर विवाद होता था। जानकारी के अनुसार, लीलाबाई कई बार विष्णुकांत के घर गई थी, जहां उसकी पत्नी के साथ विवाद और मारपीट की घटनाएं भी हुई थीं।

पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई को लीलाबाई ने विष्णुकांत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद जब पुलिस युवक के घर पहुंची तो वह वहां से फरार मिला। इसके बाद से वह लापता था। उसके बाद विष्णुकांत ने लगभग 20 जुलाई को ही खेत में पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी थी। जब उसका शव मिला, तब तक वह काफी हद तक सड़-गल चुका था। पुलिस जांच में सामने आया है कि 23 जुलाई को जब लीलाबाई को विष्णुकांत की मौत की जानकारी मिली तो वह उसी खेत में पहुंची।

भारत पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू

जबरन मजदूरी से बने सामान को लेकर कार्रवाई, 60 देशों पर एक्शन

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामान पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। यह फैसला शुक्रवार से लागू हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने फोर्स्ड लेबर (जबरन मजदूरी) से बने सामान के आयात को लेकर 60 देशों पर कार्रवाई की है।

अमेरिका ने इन देशों पर 10% से 12.5% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। भारत उन 17 देशों में शामिल है, जिन पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। वहीं बाकी 43 देशों पर 12.5% अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। अमेरिका ने यह कार्रवाई ट्रेड एक्ट-1974 की धारा 301 के तहत की है। भारत के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, मेक्सिको, पाकिस्तान और श्रीलंका समेत कई देशों को 10% टैरिफ वाले समूह में रखा गया है। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने फोर्स्ड लेबर से बने सामान पर प्रतिबंध लगाया है या ऐसा करने की दिशा में कदम उठाए हैं।

भारत के किन सेक्टर्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। ऐसे में अतिरिक्त 10% टैरिफ से उन सेक्टरों पर ज्यादा असर पड़ सकता है, जिनकी अमेरिकी बाजार पर निर्भरता अधिक है। इनमें टेक्सटाइल और गारमेंट्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, लेदर उत्पाद, कृषि एवं फूड प्रोडक्ट्स, इंजीनियरिंग गुड्स, केमिकल्स और कुछ मैन्युफैक्चरिंग आइटम शामिल हैं। अतिरिक्त टैरिफ लगने से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। इससे खरीदार दूसरे देशों के विकल्प तलाश सकते हैं या भारतीय निर्यातकों पर कीमत घटाने का दबाव बढ़ सकता है।

भारत को 12.5% की जगह 10% टैरिफ क्यों मिला

शुरुआत में भारत पर 12.5% अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। हालांकि बाद में भारत सरकार की ओर से श्रम मानकों और सप्लाई चेन की निगरानी से जुड़े कुछ नीतिगत सुधारों तथा अमेरिका के साथ लगातार बातचीत के बाद इसे घटाकर 10% कर दिया गया। फेडरल नोट में कहा गया है कि जून में प्रस्तावित टैरिफ घोषित होने के बाद भारत ने 14 जून को अपनी विदेशी व्यापार नीति में संशोधन किया। अमेरिका का मानना था कि भारत ने श्रमिक अधिकारों की निगरानी, नियमों के पालन और सप्लाई चेन में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में कुछ सकारात्मक कदम उठाए हैं। इसी आधार पर प्रस्तावित टैरिफ में 2.5% की राहत दी गई।

10% टैरिफ लागू रहने का मतलब है कि भारत को पूरी छूट नहीं मिली है। यानी अमेरिका अब भी चाहता है कि भारत श्रम मानकों और फोर्स्ड लेबर से जुड़े नियमों को और प्रभावी ढंग से लागू करे।

हालांकि 12.5% के बजाय 10% टैरिफ से भारतीय निर्यातकों पर पड़ने वाला अतिरिक्त लागत का बोझ कुछ कम होगा। फोर्स्ड लेबर का मतलब ऐसी मजदूरी से है, जिसमें किसी व्यक्ति से उसकी इच्छा के खिलाफ काम कराया जाए। इसमें धमकी, कर्ज, हिंसा, दस्तावेज जब्त करना, वेतन रोकना या नौकरी छोड़ने की आजादी न देना जैसी परिस्थितियां शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानता है। अमेरिका का कहना है कि अगर किसी देश से आयात होने वाला सामान फोर्स्ड लेबर से जुड़ा पाया जाता है, तो उस पर अतिरिक्त टैरिफ या आयात प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसका उद्देश्य कंपनियों पर दबाव बनाना है कि उनकी सप्लाई चेन में जबरन मजदूरी का इस्तेमाल न हो।

सेक्शन 301 क्या है, जिसके तहत अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाया

सेक्शन 301 अमेरिका के ट्रेड एक्ट-1974 का एक प्रावधान है। इसके तहत अमेरिकी सरकार को यह अधिकार मिलता है कि अगर किसी देश की व्यापारिक नीतियां अमेरिकी कारोबार या उद्योगों के लिए अनुचित, भेदभावपूर्ण या नुकसानदायक मानी जाएं, तो वह उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। इस कार्रवाई में अतिरिक्त टैरिफ लगाना, आयात पर प्रतिबंध लगाना या दूसरे व्यापारिक प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं। जांच की जिम्मेदारी अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव की होती है। जांच के दौरान संबंधित देश से जवाब मांगा जाता है और जरूरत पड़ने पर बातचीत भी की जाती है।

खुद की एयरलाइंस शुरू नहीं करेगा अडाणी ग्रुप

अभी एयरपोर्ट ऑपरेशन संभालता है ग्रुप, नियमों में ढील देने की बात चल रही थी

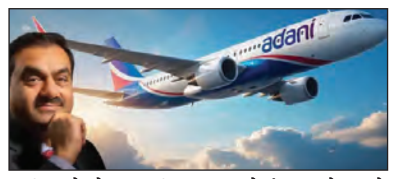

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप ने उन सभी खबरों और अटकलों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ग्रुप खुद की एयरलाइन शुरू करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर इन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह से गलत और बेबुनियाद बताया है।जवाबः हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अडाणी ग्रुप भारत के एविएशन सेक्टर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए खुद की एयरलाइन शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

इसके लिए सरकार से नियमों में बदलाव की मांग कर रहा है।जवाबः अडाणी ग्रुप ने एक बयान जारी कर इन सभी रिपोर्ट्स का पूरी तरह खंडन किया है। ग्रुप ने कहा कि हम हालिया मीडिया रिपोर्ट्स और बाजार में चल रही अटकलों का पूरी तरह से खंडन करते हैं। ये खबरें पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत हैं। कंपनी एयरलाइन बिजनेस में उतरने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।जवाबः रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइन और एयरपोर्ट बिजनेस के बीच क्रॉस-ओनरशिप के नियमों को आसान बनाने पर विचार कर रहा है। मौजूदा नियमों के मुताबिक एयरपोर्ट चलाने वाले ऑपरेटर किसी एयरलाइन में 10% से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं रख सकते। चर्चा थी कि अडाणी ग्रुप इस 10% की सीमा को हटवाना चाहता है।जवाबः हां, अडाणी ग्रुप के एविएशन बिजनेस का काम देख रहे जीत अडाणी ने पहले एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि एयरलाइन बिजनेस चलाना उनके ग्रुप के बिजनेस मॉडल में फिट नहीं बैठता। उन्होंने कहा था कि ग्रुप का फोकस हाई-मार्जिन वाले इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में निवेश करने पर है, जबकि एयरलाइन बिजनेस में चुनौतियां और जोखिम ज्यादा होते हैं।जवाबः अडाणी ग्रुप एविएशन सेक्टर के इंफ्रास्ट्रक्चर और सपोर्ट सिस्टम पर ही ध्यान देगा। वर्तमान में ग्रुप देश के 8 प्रमुख हवाई अड्डों का संचालन करता है। इसके अलावा ग्रुप का फोकस ग्राउंड हैंडलिंग, मेंटेनेंस-रिपेयर , पायलट ट्रेनिंग और ब्राजील की कंपनी 'एम्ब्रेयर' के साथ मिलकर भारत में पैसेंजर जेट्स बनाने के प्रोजेक्ट पर बना रहेगा।

महंगे तेल ने बिगाड़ा खेल! दो दिन में 4,400 फिसला सोना

चांदी 9,600 सस्ती, अब क्या रह गई है कीमत?

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि पश्चिम एशिया में संकट गहराने के कार ब्रेंट क्रूड की कीमत एक बार फिर $100 प्रति बैरल के पार चली गई है। इससे महंगाई की चिंता बढ़ गई है और निवेशकों को आशंका है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती हैं। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है। एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 219375 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 218280 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 2,050 रुपये की गिरावट के साथ 2,17,325 रुपये तक फिसली। इसी तरह अगस्त 2026 डिलीवरी के लिए गोल्ड फ्यूचर्स भी 1079 गिरकर 1,41,742 तक फिसला। पिछले दो सत्र में सोने की कीमत में 4,400 रुपये और चांदी की कीमत में 9,600 रुपये की गिरावट आई है।

सर्राफा बाजार में भी गिरावट

सर्राफा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 1,850 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,330 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 22 कैरेट वाले सोने की कीमत में 1700 रुपये की गिरावट आई है और यह 1,32,300 रुपये पर आ गया। इसी तरह 18 कैरेट वाला सोना भी 1390 रुपये की गिरावट के साथ 10825 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 5,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,35,000 रुपये पर आ गई।

सोने और चांदी की इंटरनेशनल कीमतें

इस बीच स्पॉट गोल्ड 0.1% गिरकर $4,042.77 प्रति औंस पर आ गया। इससे पहले बुधवार को यह दो हफ्ते के हाई पर पहुंच गया था। लेकिन उसके बाद इसमें $120 से ज्यादा गिरावट आई है। अगस्त डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड फ्यूचर्स भी 0.1% गिरकर $4,045.60 पर आ गया। हालांकि यह अब भी 0.6% की मामूली साप्ताहिक बढ़त की राह पर है। इसी तरह स्पॉट सिल्वर 0.2% गिरकर $57.56 प्रति औंस पर आ गई। जानकारों का कहना है कि एमसीएक्स पर सोने के लिए सपोर्ट 1,41,650-1,40,800 रुपये और रेजिस्टेंस 1,43,500-1,44,400 रुपये है।

इसी तरह चांदी के लिए सपोर्ट 2,16,000-2,14,000 रुपये और रेजिस्टेंस 2,22,000-2,24,400 रुपये है।

लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 332 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसली

मुंबई, अमेरिका ने भारत और 16 अन्य देशों से खरीदे जाने वाले सामान पर 10% टैरिफ लगाया है। इसका असर आज घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान 900 अंक तक गिरा जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 23,700 से नीचे फिसला। बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ। अंत में सेंसेक्स 331.62 अंक यानी 0.43% गिरावट के साथ 76,059.77 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 102.15 अंक यानी 0.43% फिसलकर 23,767.45 अंक पर आ गया। लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है। यानी पूरे हफ्ते बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इटरनल में सबसे ज्यादा 2.15 फीसदी गिरावट आई। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और सन फार्मा में भी उल्लेखनीय गिरावट रही। दूसरी ओर, एचसीएल टेक, आईटीसी, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, मारुति, रिलायंस, टीसीएस और कोटक बैंक में तेजी रही।

किन सेक्टरों में रही तेजी और किनमें गिरावट?

निफ्टी में इटरनल, बजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर रहे। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.1 प्रतिशत और 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टरवाइज निफ्टी ऑटो में 1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन भी कमजोर रहा जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी ने अच्छा प्रदर्शन किया।

क्यों गिरा शेयर बाजार?

अमेरिका ने भारत और 16 अन्य देशों से खरीदे जाने वाले सामान पर 10% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। उसका आरोप है कि ये देश जबरन मजदूरी से बने सामान के आयात पर रोक लगाने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका ने अपने ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत की गई जांच के बाद यह कदम उठाया है। उसमें 12.5% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क---	05-22 बजे
सिंह---	07-34 बजे
कन्या--	09-40 बजे
तुला-----	11-46 बजे
वृश्चिक--	13-56 बजे
धनु----	16-10 बजे
मकर--	18-15 बजे
कुंभ---	20-06 बजे
मीन---	21-44 बजे
मेष----	23-20 बजे
वृष-----	01-05 बजे
मिथुन--	03-06 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**

सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18 -48

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष शनिवार **25 July 2026**
तिथि - एकादशी **11-34** तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - ज्येष्ठा **06-33** पूर्ण दिनरात तक
योग - ब्रह्म **20-08** रात्रि तक उप ऐन्द्र
करण - विष्टी (भद्रा) **11-34** तक उप बव

देवशयनी एकादशी व्रत नक्षत्र शांति
चातुर्मास प्रा,विष्णु शयनोत्सव:

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-09 से 10-46 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर **Ph. 9247132654**

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
काल 05-56 - 07-32 अशुभ	लाभ 18-48 - 20-14 शुभ
शुभ. 07-32 - 09-09 शुभ	उत्पात20-14 - 21-37 अशुभ
रोग।। 09-09 - 10-46 अशुभ	शुभ 21-37 - 22-59 शुभ
उत्पात10-46 - 12-23 अशुभ	अमृत 22-59 - 00-23 शुभ
चंचल 12-23 - 13-59 शुभ	चंचल 00-23 - 01-46 शुभ
लाभ 13-59 - 15-37 शुभ	रोग 01-46 - 03-09 अशुभ
अमृत 15-37 - 17-14 शुभ	काल 03-09 - 04-32 अशुभ
काल 17-14 - 18-48 अशुभ	लाभ 04-32 - 05-56 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप भावनात्मक रूप से उन ठोस परिस्थितियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो ध्यान केंद्रित करने की मांग करती हैं। जब आप ऐसे कार्यों का सामना करते हैं जिनमें अनुशासन और आवेगों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, तो विनम्रता की भावना आवश्यक है। यह दिन आपके अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने की आपकी क्षमता को भी उजागर करता है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपकी ऊर्जा उच्च है और आपकी रचनात्मकता चुंबकीय है। विचार सहजता से आते हैं और रिश्ते फलते-फूलते हैं, खासकर वे जो आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करते हैं। इस गति का उपयोग कार्य संबंधों को मजबूत करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए करें। सफलता सहयोग, सकारात्मकता और ईमानदार संवाद से मिलती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके कार्य जीवन को आत्मविश्वास और विनम्रता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप जमीन से जुड़े रहते हुए सहजता से नेतृत्व करने में सक्षम होंगे। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में सहायता करता है, लेकिन दिखावे से प्रभावित न हों। एक स्थिर मानसिकता आपको आवेगपूर्ण विकल्पों से बचने और अपने करियर और अध्ययन में वास्तव में महत्वपूर्ण चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपका कार्य जीवन तनावपूर्ण लग सकता है। सिंह राशि में सूर्य आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, लेकिन मकर राशि में चंद्रमा आपको जमीन से जुड़े रहने की याद दिलाता है। चंद्रमा वर्ग मंगल के कारण आवेगपूर्ण निर्णय हो सकते हैं, इसलिए प्रतिक्रिया करने से पहले रुकें। शनि का विरोध करने वाला मंगल अधिकार के साथ तनाव का संकेत देता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके करियर और पढ़ाई में अंतर्ज्ञान और परिश्रम का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण देखने को मिल सकता है। कर्क राशि में सूर्य और चंद्रमा पोषण ऊर्जा और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं, आपकी बातचीत में सहानुभूति और संवेदनशीलता को गहरा करते हैं। आप कठिनाइयों को दूर करने और अपने सामाजिक अस्तित्व को बढ़ाने के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आत्मविश्वास आपको करियर या शैक्षणिक गतिविधियों में आगे बढ़ने में मदद करता है, जबकि शांत दृष्टिकोण सहज सहयोग सुनिश्चित करता है। बड़े बदलाव आ सकते हैं, खासकर प्रभावशाली महिलाओं के साथ बातचीत के माध्यम से। एकांत की आवश्यकता हो सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका काम और पढ़ाई स्पष्ट सोच और व्यावहारिक कदमों के साथ आगे बढ़ती है। आत्मविश्वास दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करता है, जबकि आपकी जमीनी मानसिकता स्थिर प्रगति सुनिश्चित करती है। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जिससे आपको दूरदर्शिता और प्रतिभा के साथ कार्यों को पूरा करने में मदद मिलती है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता निखरेगी, जिससे आप काम पर पहल करने के लिए सशक्त होंगे। नए विचार आसानी से सामने आ सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि बहस न करें या जल्दी से कोई गलती न निकालें। सीधा संवाद समस्याओं का प्रभावी समाधान करता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

खर्च के बाद अब कमाई की बारी, मुकेश अंबानी के दांव से रिलायंस की झोली में आएंगे 90,000 करोड़!

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। मुकेश अंबानी का तीन साल का भारी निवेश अब फायदे वाले दौर में पहुंच रहा है। रिलायंस ने पिछले तीन साल के दौरान काफी नेगेटिव फ्री कैश फ्लो के साथ काम किया। ब्रोकरेज फर्मों के अनुसार एफवाई26-एफवाई28 के दौरान कंपनी कुल मिलाकर लगभग 90,000 करोड़ रुपये का कैश फ्लो जेनरेट कर सकती है। इसकी वजह यह है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर का पीक कम हो रहा है और कमाई का नया अपसाइकिल शुरू हो रहा है। रिलायंस के कैश खर्च करने से कैश जेनरेट करने की ओर यह संभावित बदलाव निवेशकों के लिए काफी अहम साबित हो सकता है। रिलायंस ने पिछले तीन साल के दौरान टेलीकॉम, रिटेल, पेट्रोकेमिकल्स, न्यू एनर्जी और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में काफी निवेश किया है। अब इसका रिटर्न पाने का समय आ रहा है। मोतीलाल ओसवाल का भी मानना है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज का कैपेक्स साइकिल का पीक दौर बीत चुका है। एफवाई26-एफवाई28 के दौरान कुल फ्री कैश फ्लो लगभग 90,000 करोड़ रुपये हो सकता है।

बदलाव के संकेत

ब्रोकरेज के मुताबिक कैश जेनरेट होने से फाइनेंशियल ईयर 2028 तक कंसोलिडेटेड लेवरेज को 0.7 गुना तक कम करने में मदद मिल सकती है। रिलायंस ने जून तिमाही का समापन 1.23 लाख करोड़ रुपये के नेट डेट के साथ किया। जेपी मॉर्गन के एनालिस्ट संजय मुकीम ने कहा कि रिलायंस पिछले तीन साल से काफी नेगेटिव फ्री कैश फ्लो के साथ काम कर रही है। जैसे-जैसे निवेश का बोझ कम होगा, पॉजिटिव फ्री कैश फ्लो जेनरेट करने में मदद मिलेगी। पहली तिमाही के नतीजों से इस बदलाव के शुरुआती संकेत मिले। रिलायंस का कंसोलिडेटेड ईबीआईटीडीए एक साल पहले के मुकाबले 11% और पिछली तिमाही के मुकाबले 8% बढ़कर 47,500 करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरहोल्डर्स के हिस्से का एडजस्टेड प्रॉफिट सालाना आधार पर 16% और पिछली तिमाही के मुकाबले 23% बढ़कर लगभग 20,900 करोड़ रुपये हो गया।

शेयरों की चाल

इस बीच शेयर बाजार में गिरावट के बीच रिलायंस के शेयरों में तेजी आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 1,275.35 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,265.70 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1,283.30 रुपये तक हाई और 1,250.55 रुपये तक लो गया। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,611.20 रुपये है जबकि न्यूनतम स्तर 1,250.55 रुपये है। 12.40 बजे यह 0.53% की गिरावट के साथ 1282.10 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

प्राइवेट नौकरी करने वालों के इनऑपरेटिव ईपीएफ अकाउंट्स में पड़े हैं 9,330 करोड़, कैसे करें क्लेम?

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार का कहना है कि इनऑपरेटिव एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड अकाउंट्स में 9,330.56 करोड़ जमा हैं। साफ है कि बड़ी संख्या में ऐसे वर्कर्स हैं जिन्होंने अभी तक अपने ईपीएफ फंड का क्लेम नहीं किया है। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12% हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना ही योगदान देती है। कई बार वर्कर्स कंपनी छोड़ने के बाद अपने ईपीएफ में जमा फंड का क्लेम नहीं करते हैं। सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि 31 मार्च, 2026 तक इनऑपरेटिव यानी निष्क्रिय एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड अकाउंट्स में 9,330.56 करोड़ जमा हैं। सांसद आर. गिरिराजन ने ईपीएफ और अन्य पेंशन अकाउंट्स में जमा कुल बिना दावे वाली रकम के बारे में पूछा था। इसका जवाब देते हुए श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक इनऑपरेटिव ईपीएफ अकाउंट्स में कुल 9,330.56 करोड़ जमा हैं।

कैसे निकाले पीएफ?

करंदलाजे ने कहा कि ईपीएफओ ने एम्प्लॉयर्स और कर्मचारियों को जागरूक बनाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और निधि आपके निकट 2.0 कैंप के जरिए जागरूकता अभियान चलाए हैं। इसके बावजूद अब भी इनऑपरेटिव ईपीएफ अकाउंट्स में काफी रकम जमा है। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप भी इनऑपरेटिव ईपीएफ फंड का क्लेम कर सकते हैं। जानिए पूरी प्रोसेस।

ईपीएफओ की वेबसाइट के अनुसार जिस अकाउंट में रिटायरमेंट, विदेश में स्थायी रूप से बसने या मृत्यु के बाद तीन साल तक कोई कंट्रीब्यूशन नहीं मिला हो, उसे इनऑपरेटिव अकाउंट माना जाता है। अगर मेरा अकाउंट इनऑपरेटिव हो जाए तो मुझे क्या करना चाहिए? अगर आप अभी भी ईपीएफ & एमपी एक्ट, 1952 के तहत आने वाली किसी कंपनी में काम कर रहे हैं, तो आपको अपनी रकम ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीके से अपने नए अकाउंट में ट्रांसफर कर लेनी चाहिए। अगर आप रिटायर हो चुके हैं, तो ईपीएफओ के निर्देशों के अनुसार आप रकम निकाल सकते हैं।

कमजोर मानसून का असर : त्योहारों से पहले गेहूं होगा और महंगा?

प्रमुख मंडियों में एक महीने में 7 .5% तक बढ़े दाम

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन की शुरुआत से ठीक पहले देश के हाजिर बाजारों में गेहूं की कीमतों में फिर तेजी लौटने लगी है। मानसून की सुस्त रफ्तार, जलाशयों में घटता जलस्तर और आगामी रबी सीजन की बुआई को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बीते एक महीने में देश की प्रमुख मंडियों में गेहूं के दाम 3.8 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। कम आवक और खुले बाजार में सरकारी बिक्री शुरू होने में हो रही देरी ने कीमतों को और हवा दी है। व्यापारियों और बाजार विश्लेषकों का मानना है कि जब तक सरकार अपने बफर स्टॉक से खुले बाजार में गेहूं की बिक्री शुरू नहीं करती, तब तक गेहूं के साथ-साथ आटा और मैदा भी महंगे हो सकते हैं।

आखिर कमजोर मानसून से गेहूं पर संकट क्यों गहराने लगा है?

इस साल मानसून के दौरान बारिश सामान्य से कम रही है। कोटा के कारोबारी रवि मेहता के मुताबिक, कम बारिश के कारण जलाशयों का जलस्तर घटने की आशंका है। इसका सीधा असर रबी सीजन की सिंचाई पर पड़ सकता है, जिससे गेहूं की बुआई और उत्पादन दोनों प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

सरकारी बिक्री में देरी से बाजार पर क्या असर पड़ रहा है?

नवी मुंबई के थोक व्यापारी देवेंद्र वोरा का कहना है कि सरकार ने गेहूं और चावल के लिए रिजर्व प्राइस तो घोषित कर दिए हैं, लेकिन खुले बाजार में गेहूं की नीलामी अभी तक शुरू नहीं की गई है। उनका अनुमान है कि सरकार त्योहारी सीजन के चरम पर पहुंचने के बाद, यानी करीब एक महीने बाद, बिक्री शुरू कर सकती है। इस देरी के कारण खुले बाजार में आपूर्ति सीमित बनी हुई है, जिससे कीमतों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है।

त्योहारी मांग और कम आवक से दाम क्यों चढ़ रहे हैं?

इंदौर के व्यापारी गौरव कोचर के अनुसार, दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से पहले गेहूं की मांग तेजी से बढ़ने लगती है, जबकि मंडियों में नए माल की आवक अपेक्षाकृत कम है। मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ते अंतर की वजह से गेहूं की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है।

पुलिस थानों में अब नेताओं और कार्यकर्ताओं की होगी एंट्री

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की भाजपा सरकार ने राजनीतिक दलों के लोगों को सामुदायिक संपर्क समूह (सीएलजी) के सदस्य के रूप में भर्ती होने की अनुमति देने का फैसला लिया है। सामुदायिक संपर्क समूह खुफिया जानकारी जुटाने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अब तक राजस्थान पुलिस नियम, 2008 के अनुसार, कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक दल या उसके सहयोगी संगठन का सदस्य होने पर कॉलेज समूह का हिस्सा नहीं बन सकता था।

हालांकि, राज्य गृह विभाग ने 19 जुलाई की अधिसूचना के माध्यम से नियमों में संशोधन किया और संबंधित खंड को पूरी तरह से हटा दिया। अधिसूचना जारी करने वाले संयुक्त सचिव (गृह) मनीष गोयल से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। सीएलजी को कानून और व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस को खुफिया जानकारी जुटाने, अपराधियों का पता लगाने और अपराधों को रोकने में सहायता करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कांग्रेस प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने इस कदम की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भाजपा और आरएसएस के अपने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सभी संस्थानों में नियुक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि संस्थाएं एक के बाद एक ढहती जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीएलजी के सदस्य किसी भी सामाजिक अशांति को शांत करते हैं और उसका समाधान करते हैं। लोग उन पर भरोसा करते हैं और उनकी बात सुनते हैं। लेकिन अगर वे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को थोप देंगे तो लोगों के बीच विश्वास कैसे बचेगा? चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस आने वाले दिनों में इस मुद्दे को उचित स्तर पर उठाएगी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान के अजमेर रेंज (21,186), भरतपुर रेंज (3,313), बीकानेर रेंज (10,301), जीआरपी रेंज (931), जयपुर कमिश्नरेट (4,722), जयपुर रेंज (7,105), जोधपुर कमिश्नरेट (793), जोधपुर रेंज (6,245), कोटा रेंज (6,760) और उदयपुर रेंज (13,909) में कुल 75,265 सीएलजी सदस्य हैं। इनमें पुलिस स्टेशन, बीट, पंचायत और वार्ड स्तर के सीएलजी सदस्य शामिल हैं। अन्य स्थितियां जो किसी व्यक्ति को सीएलजी के लिए अपात्र बनाती हैं, उनमें किसी भी न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि, आपराधिक मामले का पंजीकरण या विचाराधीन मामला। यदि उस पर किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने या अपराधियों के साथ संबंध होने का संदेह है और यदि वह संपत्ति और भूमि विवादों और अन्य मुकदमों में शामिल है।

सीएलजी क्या करते हैं?

नियमों के अनुसार, सीएलजी सदस्यों की नियुक्ति जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी और संबंधित सर्किल अधिकारी की सिफारिशों पर की जाती है। हालांकि उनकी पात्रता के लिए कोई विशिष्ट मानदंड नहीं है। नियमों में कहा गया है कि केवल पंचायत या पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को ही सीएलजी सदस्य के रूप में शामिल किया जा सकता है। लेकिन यह व्यक्ति एक सम्मानित नागरिक होना चाहिए और उसका नैतिक चरित्र अच्छा होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, कॉलेज परिषदों में सभी वर्गों और जीवन के सभी क्षेत्रों का उचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

आईएएस मुद्रा रहेजा ने आईपीएस से शादी रचाया

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रशासनिक कुनबे में अब त्रिपुरा कैडर की यंग आईएएस अधिकारी मुद्रा रहेजा भी शामिल हो रही हैं। इसको लेकर केंद्र सरकार ने इसी महीने ही आदेश जारी कर दिए है। 2024 बैच की आईएएस मुद्रा का त्रिपुरा से कैडर बदलकर राजस्थान कर दिया गया है।

मुद्रा रहेजा ने राजस्थान कैडर के आईपीएस सिद्धार्थ श्रीवास्तव से विवाह किया था। इस आधार पर ही केंद्र सरकार ने उनका कैडर अब राजस्थान में कर दिया है। इस रिपोर्ट में जानिए आईएएस मुद्रा रहेजा की पूरी प्रोफाइल। आईएएस अधिकारी मुद्रा रहेजा मूल रूप से हरियाणा निवासी हैं। जिनका जन्म 17 जनवरी 1998 को हुआ।

सब्सिडी विवाद में घिरे नरेश पाल गंगवार बने उच्च शिक्षा सचिव

राजस्थान लौटने की अटकलों पर लगा विराम!

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की सब्सिडी योजना के तहत परिवार को 1.16 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी मिलने के मामले में इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद सवालों के घेरे में आए 1994 बैच के राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नरेश पाल गंगवार को केंद्र सरकार ने नई जिम्मेदारी सौंपी है। गंगवार को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग का नया सचिव नियुक्त किया गया है।

बता दें कि अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि गंगवार की पत्नी, मां और बेटे को पांच वर्षों के दौरान एनएचबी की योजना के तहत सब्सिडी मिली थी, जिसे लेकर संभावित हितों के टकराव पर सवाल उठाए गए थे। इससे पहले गंगवार केंद्र में ही मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। हालांकि गंगवार को केंद्र में ही नई नियुक्ति दिए जाने से राजस्थान में उनके नाम को लेकर चल रही अटकलें भी अब थम गई हैं। ऐसी चर्चा थी कि राजस्थान में मौजूदा मुख्य सचिव वी श्रीनिवास का कार्यकाल (सितंबर 2026) पूरा होने के बाद ब्यूरोक्रेसी में कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसमें नरेश पाल गंगवार को एक पॉवरफुल जगह के लिए संभावित दावेदार माना जा रहा था।

मौजूदा सीएम भजनलाल ने जब राजस्थान में सत्ता की कमान संभाली थी तब नरेश पाल गंगवार की उनसे मुलाकात चर्चाओं में आ गई थी। उस वक्त भी गंगवार प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में ही तैनात थे। हालांकि इसके बाद गंगवार का नाम आगे नहीं बढ़ पाया। राजस्थान कार्मिक विभाग के अनुसार प्रदेश के आईएएस कैडर की सिविल लिस्ट में गंगवार की सीनियरिटी 12वें नंबर पर है।

क्या है गंगवार से जुड़ा विवाद

इंडियन एक्सप्रेस की 27 जून की रिपोर्ट के अनुसार गंगवार की पत्नी, मां और बेटे को राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की एक योजना के तहत पांच वर्षों में कुल 1.16 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी मिली। इसी रिपोर्ट में सब्सिडी का लाभ लेने वालों में राजस्थान से केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी का भी नाम शामिल था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह सब्सिडी 'डेवलपमेंट ऑफ कमर्शियल हॉर्टिकल्चर थ्रू प्रोडक्शन एंड पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर क्रॉप्स' योजना के तहत दी गई थी, जिसका संचालन केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड करता है।

मकराना में तबाही : मूसलाधार बारिश में धंसीं 6 खदानें

देखते-देखते गड्ढे में समाई सड़क, 10 गांवों का संपर्क कटा

नागौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के मकराना स्थित अरावली पॉलीगॉन क्षेत्र का कालानाडा खनन इलाका तड़के दहल उठा। मूसलाधार बारिश और लंबे समय से जारी अनियंत्रित अवैध खनन ने यहां विनाश का ऐसा दृश्य रचा कि एक के बाद एक करीब 6 खदानें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। हादसा इतना भयानक था कि जाखली जाने वाला मुख्य कालानाडा-कटाणी मार्ग पूरी तरह ध्वस्त होकर सैकड़ों फीट गहरे खदान के गड्ढों में समा गया।

गनीमत यह रही कि उस समय खदानों में काम बंद था और सड़क पर कोई आवाजाही नहीं थी, जिससे एक बड़ा दर्दनाक हादसा टल गया। हालांकि इसका खामियाजा अब ग्रामीण आबादी को भुगतना पड़ रहा है, क्योंकि मकराना से करीब 10 गांवों का सीधा संपर्क पूरी तरह कट चुका है। हादसे के बाद स्थानीय निवासियों का आक्रोश चरम पर है। ग्रामीणों का कहना है कि पॉलीगॉन की खदानों (संख्या 4 से 10 तक) में पिछले डेढ़ साल से खनन माफिया धड़ल्ले से कानून की धज्जियां उड़ा रहे थे। माफियाओं ने अधिक लाभ कमाने के चक्कर में सड़क और कृषि भूमि तक को नीचे से खोखला कर दिया था। पूर्व में उपखंड अधिकारी ने खनिज अभियंता को नोटिस जारी कर कड़े सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश दिए थे लेकिन प्रशासनिक सुस्ती और अनदेखी का नतीजा आज पूरे रास्ते का वजूद के खत्म होने के रूप में सामने आया है। हादसे के बाद वृत्ताधिकारी विक्की नागपाल और थाना प्रभारी पंकज विश्नोई ने पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को सील कर दिया है। वहीं दूसरी ओर अब प्रशासन तंत्र में जिम्मेदारी लेने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू हो चुका है।

राजस्थान में साढ़े छह महीने में 387 करोड़ की साइबर ठगी

> अब 1 लाख के फ्रॉड पर होगी जीरो एफआईआर

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर ठगी के मामलों में अब पीड़ितों को एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राजस्थान पुलिस ने ऐसी व्यवस्था लागू की है, जिसके तहत एक लाख रुपये या उससे अधिक की साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत मिलते ही स्वतः ई-जीरो एफआईआर दर्ज हो जाएगी। इसके साथ ही पुलिस बिना देरी किए ठगी की रकम फ्रीज कराने और डिजिटल साक्ष्य जुटाने की कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर सकेगी।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने गुरुवार से यह व्यवस्था पूरे प्रदेश में लागू करने के आदेश जारी किए हैं। नई प्रणाली में गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और सीसीटीएनएस को

एकीकृत किया गया है। इससे साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज होते ही संबंधित साइबर पुलिस थाने में स्वतः ई-जीरो एफआईआर दर्ज हो जाएगी।

अब हस्ताक्षर का इंतजार नहीं

नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पुलिस शिकायतकर्ता के थाने पहुंचने या एफआईआर पर हस्ताक्षर करने का इंतजार नहीं करेगी। ई-जीरो एफआईआर दर्ज होते ही बैंक खातों को फ्रीज कराने, संदिग्ध राशि होल्ड करवाने, कॉल डिटेल, आईपी डिटेल, सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल साक्ष्य जुटाने जैसी कानूनी कार्रवाई तुरंत शुरू कर दी जाएगी। इससे साइबर अपराधियों तक जल्दी पहुंचने और ठगी की रकम बचाने की संभावना बढ़ेगी।

5 लाख से घटाकर 1 लाख की सीमा

अब तक यह सुविधा केवल पांच लाख रुपये या उससे अधिक की साइबर ठगी के मामलों में उपलब्ध थी। राजस्थान पुलिस ने इसे घटाकर एक लाख रुपये कर दिया है, जिससे अधिक संख्या में पीड़ितों को तत्काल कानूनी सहायता मिल सकेगी।

72 घंटे में थाने पहुंचना होगा

ई-जीरो एफआईआर दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ता को 72 घंटे के भीतर संबंधित पुलिस थाने पहुंचकर एफआईआर की मुद्रित प्रति पर हस्ताक्षर करने होंगे। हालांकि यदि वह तय समय में नहीं पहुंच पाता है तो नोटिस जारी किया जाएगा, लेकिन प्रारंभिक जांच और कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

राजस्थान में हर दिन बड़ा हो रहा साइबर ठगों का जाल

राजस्थान में साइबर ठगी का ग्राफ पिछले तीन वर्षों में तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2023 में 354 करोड़ रुपये की साइबर ठगी दर्ज हुई थी, जो 2024 में बढ़कर 795 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

जेल के अंदर कैसे पहुंचा मोबाइल?

वायरल वीडियो के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

चित्तौड़गढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जिला जेल चित्तौड़गढ़ के अंदर से तीन वीडियो सामने आने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गए। इसके बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ गए हैं। वायरल वीडियो में बंदी जेल परिसर में आराम से बैठे भोजन करते, नशा करते और नाचते दिखाई दे रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक बंदी खुद सेल्फी लेते हुए वीडियो बना रहा है। जेल सूत्रों के अनुसार वीडियो में दिख रहे अधिकांश बंदी अजयराज सिंह हत्याकांड से जुड़े बताए जा रहे हैं। इनमें हिस्ट्रीशीटर भी शामिल हैं। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

जानकारी में सामने आया कि गुरुवार शाम को चित्तौड़गढ़ जिला जेल के तीन वीडियो सामने आए हैं। वैसे तो जेल प्रशासन की ओर से सुरक्षा को लेकर लाख दावे किए जाते हैं कि निषेध सामग्री जेल में नहीं पहुंचती लेकिन ये वीडियो सामने आने के बाद जेल प्रशासन के दावों की कलाई खुल कर सामने आ गई है और जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं। पहले वीडियो में करीब एक दर्जन से अधिक बंदी साथ बैठकर भोजन करते नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में कुछ बंदी नशा करते दिख रहे हैं और तीसरे वीडियो में सभी बंदी एक साथ नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि चित्तौड़गढ़ जिला जेल में इससे पहले भी मोबाइल मिले हैं लेकिन जेल के भीतर एंड्रॉयड मोबाइल पहुंचना जेल की सुरक्षा में बड़ी चूक माना जा रहा है।

आरपीएससी फर्जी डिग्री मामले में एसओजी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व उप परीक्षा नियंत्रक समेत दो और हिरासत में

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की प्राध्यापक (हिन्दी) स्कूल शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2022 में कथित फर्जी डिग्री के जरिए नियुक्ति हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जोधपुर निवासी अशोक विश्नोई उर्फ अशोक चोटिया और मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार (चित्तौड़गढ़) के पूर्व उप परीक्षा नियंत्रक सुशील शर्मा शामिल हैं।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि अभ्यर्थी कमला कुमारी ने आरपीएससी में मेवाड़ यूनिवर्सिटी से जारी एमए (हिन्दी) की डिग्री प्रस्तुत की थी। आयोग की ओर से कराए गए सत्यापन में

अभियुक्त सुशील शर्मा | अभियुक्त अशोक विश्नोई

यह डिग्री विश्वविद्यालय द्वारा जारी नहीं पाई गई। इसके बाद वर्ष 2024 में अजमेर के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि अशोक विश्नोई उर्फ अशोक चोटिया ने बिचौलियों के माध्यम से अभ्यर्थी के परिजनों से संपर्क कर मेवाड़ यूनिवर्सिटी के नाम पर कथित फर्जी एमए (हिन्दी) की मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध कराई। जांच एजेंसी के अनुसार उसने विश्वविद्यालय के तत्कालीन अधिकारियों से संपर्क कर फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने में भी भूमिका निभाई। एसओजी ने उसे 21 जुलाई को गिरफ्तार कर 25 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर लिया है।

मामले में एसओजी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक सुशील शर्मा को भी गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि उसने फर्जी डिग्री तैयार कराने और जारी कराने में सहयोग किया। उसे 20 जुलाई को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर 25 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। एसओजी के अनुसार अशोक विश्नोई पहले भी फर्जी डिग्री और भर्ती परीक्षा से जुड़े अन्य मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ सिविल लाइंस थाना, एसओजी और जोधपुर के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। वहीं सुशील शर्मा भी इसी तरह के एक अन्य मामले में पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। महानिरीक्षक पुलिस अजयपाल लाम्बा के निर्देशन, उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरवीजन तथा पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्याम सुंदर विश्नोई की टीम मामले की जांच कर रही है।

29 अंकों को बना दिया 190

लैब असिस्टेंट भर्ती-2018 ओएमआर फर्जीवाड़े में एसओजी की एक और गिरफ्तारी

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 की ओएमआर शीट में फर्जीवाड़ा कर प्रारंभिक रूप से चयनित हुए एक और अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भरतपुर जिले के नदबई थाना क्षेत्र के बैलारा गांव निवासी 28 वर्षीय जयप्रकाश पुत्र हिम्मत सिंह के रूप में हुई है। मामले की जांच अभी जारी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि पुलिस थाना एसओजी में जांच के दौरान सामने आया कि परीक्षा की ओएमआर शीट स्कैनिंग करने वाली एजेंसी राभव लिमिटेड के कर्मचारियों ने अभ्यर्थियों के साथ मिलीभगत कर ओएमआर शीट में हेरफेर की थी। जांच में पाया गया कि एजेंसी के कार्मिक विनोद कुमार गौड़ और शादान खान ने कुल 27 अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट में कांट-छांट कर उन्हें अनुचित लाभ पहुंचाते हुए प्रारंभिक रूप से चयनित कराया।

एसओजी के अनुसार इस प्रकरण में एजेंसी के कर्मचारी विनोद कुमार गौड़, शादान खान, कंपनी के कार्यकारी निदेशक रामप्रवेश सिंह तथा लाभ पाने वाले कई अभ्यर्थियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें महेंद्र कुमार मीना, देवेंद्र सिंह गुर्जर, विजय सिंह मीना, पिंटू कुमार मीना, संजय कुमार सैनी और पंकज कुमार सैनी शामिल हैं। जांच में जयप्रकाश के मामले में भी बड़ा खुलासा हुआ है।

'नागरिकों को जहर नहीं दे सकती सरकार'

जोजरी-बांडी नदी प्रदूषण पर सीएस को होना पड़ेगा सुप्रीम कोर्ट में पेश

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में नदियों के लगातार दूषित होते पानी और औद्योगिक प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। जोजरी और बांडी नदी में फैलते जहरीले रसायनों पर सख्त रुख अपनाते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि सरकार अपने नागरिकों को जहर देने की अनुमति नहीं दे सकती। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को सभी दिशा-निर्देशों का समयबद्ध पालन कराने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया है और उन्हें 4 अगस्त को वर्चुअल रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है।

'20 लाख जिंदगियों से खिलवाड़ मंजूर नहीं'

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि बिना ट्रीटमेंट के छोड़े जा रहे जहरीले औद्योगिक कचरे के कारण एक गांव के पीने के पानी का स्रोत पूरी तरह गुलाबी हो गया है। पीठ ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि 55 हजार कर्मचारियों के रोजगार या आर्थिक गतिविधियों की आड़ में करीब 20 लाख लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से समझौता नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में पर्यावरण नियमों के उल्लंघन पर बेहद नाराजगी जताई। कोर्ट ने पाया कि जयपुर में काम कर रही लगभग 2,500 टेक्सटाइल प्रिंटिंग इकाइयों में से केवल 143 के पास ही वैध अनुमति है। बाकी की अनधिकृत इकाइयां बेधड़क नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं। इसके अलावा, साल 2015 से अनिवार्य 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' मानकों को लागू करने में सरकार और प्रशासन पूरी तरह विफल रहे हैं। अदालत ने उन गंभीर आरोपों पर चिंता व्यक्त की जिनमें कहा गया है कि अधिकारियों ने जहरीले पानी को बहाने के लिए बांध के फाटक तक खुलवा दिए और सीईटीपी को बाईपास करने के लिए अवैध समानांतर पाइपलाइनों की अनुमति दी।

नरेश मीणा कितने अमीर? अब जाएंगे जेल

जान लीजिए उनकी संपत्ति का पूरा लेखा-जोखा

टोंक, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले में देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान थप्पड़ कांड से चर्चा में आए भगत सिंह सेना के प्रमुख नरेश मीणा के लिए कोर्ट ने फिर से मुसीबत बढ़ा दी है। नरेश को 6 अगस्त तक अपनी गिरफ्तारी देने के निर्देश दिए हैं। इस बीच अब उनकी चल और अचल संपत्ति का रिकॉर्ड भी तलब किया गया है। जिसको लेकर पुलिस नरेश के गांव के सरपंच को पत्र लिखकर सम्पत्ति की जानकारी मांगी है। कोर्ट के इस आदेश के बाद अब सियासी गलियारो में चर्चा शुरू हो गई है।

नरेश मीणा की चल और अचल संपत्ति को लेकर कोर्ट के आदेश के बाद सियासी हलचल है। नरेश मीणा की संपत्ति की बात करें, तो वर्ष 2023-24 में उन्होंने विधानसभा उपचुनाव के दौरान, जो हलफनामा प्रस्तुत किया। उसमें सालाना आय 12,81,369 रुपये घोषित की है। इसके अलावा उन्होंने अपना मुख्य व्यवसाय हिंदुस्तान पेट्रोल पंप संचालक के तौर पर होने वाली आय बताया। उस समय नरेश ने अपनी चल, अचल संपत्ति में 1 लाख 30 हजार 500

रुपये नगद बताए। इसके अलावा उनके नाम एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी बताई। हलफनामा के अनुसार नरेश की कुल संपत्ति की बात करें, तो उनके पास लगभग 79 लाख रुपये की व्यक्तिगत संपत्ति है। उनकी पत्नी की मिलाकर कुल संपत्ति नरेश की सम्पत्ति करीब 99 लाख रुपये से 1.47 करोड़ रुपये के बीच आंकी गई है।

सरपंच को संपत्ति का विवरण देने के निर्देश

बीते दिनों टोंक में एसटी एससी कोर्ट ने नरेश मीणा की जमानत रद्द कर दी थी। इसके बाद अब कोर्ट ने नरेश पर शिकंजा करते हुए 6 अगस्त तक नरेश को गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा कोर्ट ने नरेश मीणा की चल-अचल सम्पत्ति की भी पड़ताल के निर्देश दिए है। इस पर नगरफोर्ट थाना प्रभारी ने नरेश के गांव नया गांव उर्फ नानवता तहसील मीठापुर जिला बांरा के सरपंच/प्रशासक को पत्र भेज कर नरेश मीणा की पूरी संपत्ति का विवरण मांगा है।

नरेश के समर्थकों में आक्रोश

इधर, नरेश मीणा की संपत्ति की पड़ताल के चलते विवाद खड़ा हो गया है। उनके समर्थकों में इसको लेकर आक्रोश फैल गया है। उन्होंने इसका विरोध किया है।

साथ ही आरोप लगाया है कि सरकार नरेश मीणा पर राजनीतिक कारणों के कारण उन्हें निशाना बना रही है। बता दें कि नरेश मीणा को पिछले साल जुलाई महीने में सशर्त जमानत मिली थी, लेकिन कोर्ट में नगर फोर्ट पुलिस की ओर से पेश की गई याचिका में नरेश मीणा पर जमानत की शर्तों को नहीं मानने का आरोप लगाया। साथ ही जमानत खारिज करने की मांग की है। इसकी सुनवाई के बाद टोंक के एसटी एससी कोर्ट ने नरेश की जमानत खारिज कर दी।

भाजपा सरकार ने लाखों छात्रों और बेरोजगार युवाओं की उम्मीदों को तोड़ा : केटीआर

नीट पेपर लीक मामले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार और तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए छात्रों और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है, वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केंद्र की विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने में लगे हैं। इंदिरा पार्क में छात्रों और युवाओं की सभा को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ बढ़ते आक्रोश को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले और छात्र आंदोलनों पर कथित दमनात्मक कार्रवाई से युवाओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और लोकतांत्रिक विरोध को कुचलने का हर प्रयास आंदोलन को और मजबूत करेगा। केटीआर ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि बार-बार हो रही परीक्षा अनियमितताओं और छात्रों के हितों की रक्षा में विफलता के लिए उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से छात्रों के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने लाखों छात्रों और बेरोजगार युवाओं की उम्मीदों को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार खामियां सामने आने के बावजूद केंद्र सरकार जिम्मेदारी लेने से बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में ऐसी स्थिति बन गई है, जहां जवाबदेही मांगने वालों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि विफलताओं के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। केटीआर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि छात्रों से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने के बजाय तेलंगाना सरकार बीआरएस को निशाना बनाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भाजपा के खिलाफ सीधा संघर्ष करने से बच रहे हैं और विपक्ष पर हमले कर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता को उम्मीद है कि राज्य सरकार छात्रों और युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी होगी, न कि भाजपा सरकार के लिए ढाल बनेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारें युवा पीढ़ी के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही हैं। केटीआर ने युवाओं से एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल प्रश्नपत्र लीक या दमन के खिलाफ नहीं है, बल्कि न्याय, जवाबदेही और देश के युवाओं के भविष्य की लड़ाई है।

1.23 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में राइस मिल मालिक गिरफ्तार

खम्मम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में जिले के नेलाकोंडापल्ली मंडल में कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) के डायवर्जन से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है।

यह अनियमितता वारंगल रीजनल विजिलेंस एंड एनफोर्समेंट विंग और सिविल सप्लाई विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई संयुक्त जांच के दौरान सामने आई। अधिकारियों के अनुसार, 22 जुलाई को मंडल के राजेश्वरपुरम गांव में स्थित 'श्री अरुणाचल शिव राइस, फूड एंड इंडस्ट्रीज' में अचानक निरीक्षण किया गया।

मिल के रिकॉर्ड और स्टॉक की जांच के दौरान, अधिकारियों ने सरकारी सीएमआर होल्डिंग्स में भारी विसंगति पाई। उन्होंने रिकॉर्ड के अनुसार मौजूद होने चाहिए स्टॉक की तुलना में 442.720 मीट्रिक टन धान की कमी की पुष्टि की।

अधिकारियों ने डायवर्ट किए गए सीएमआर (जिसका रिकॉर्ड में कोई हिसाब नहीं था) का बाजार मूल्य लगभग 1.23 करोड़ रुपये आंका। सिविल सप्लाई अधिकारियों की शिकायत के आधार पर राइस मिल मालिक ओरुगंती किरण के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। किरण को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया और न्यायाधीश ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी करेंगे कोमुरवेल्ली पुण्यक्षेत्र रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

मल्लन्ना मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर रेल सुविधा

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी आगामी 26 जुलाई को कोमुरवेल्ली पुण्यक्षेत्र रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों के उपस्थित रहने की संभावना है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कोमुरवेल्ली मल्लन्ना मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मनोहराबाद-सिद्दीपेट नई रेल लाइन के अंतर्गत इस नए रेलवे स्टेशन का निर्माण किया गया है। यह रेल लाइन परियोजना मनोहराबाद-कोत्तापल्ली नई रेल लाइन परियोजना का हिस्सा है।

लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कोमुरवेल्ली पुण्यक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेड, प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म पर पेयजल व्यवस्था सहित यात्रियों की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह स्टेशन क्षेत्र में रेल संपर्क के नए युग की शुरूआत करेगा और बड़ी संख्या में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ पहुंचाएगा। वर्तमान में सिकंदराबाद-सिद्दीपेट के बीच चार डेमू रेल सेवाएं संचालित की जा रही हैं। अब इन सभी रेल सेवाओं को कोमुरवेल्ली पुण्यक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। स्टेशन के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी गणमान्य अतिथियों के साथ कोमुरवेल्ली पुण्यक्षेत्र स्टेशन से सिद्दीपेट-सिकंदराबाद डेमू रेल सेवा संख्या 77654 को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। नई रेल सेवा से तेलंगाना की राजधानी क्षेत्र से क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा तथा भविष्य में यात्रियों को दूरस्थ क्षेत्रों तक आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह स्टेशन कोमुरवेल्ली मल्लन्ना मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए आसान पहुंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय यात्रियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को भी लाभ पहुंचाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नया स्टेशन धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईपीएस अधिकारियों की पत्नियां भी राष्ट्र निर्माण में निभाती हैं महत्वपूर्ण भूमिका : राज्यपाल

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि आईपीएस अधिकारियों का जनसेवा के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा उनके परिवार, विशेषकर उनकी पत्नियों के त्याग, सहयोग और समझदारी से ही संभव हो पाती है। इस दृष्टि से आईपीएस अधिकारियों की पत्नियां भी अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र सेवा और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। राज्यपाल शुक्रवार को लोक भवन के दरबार हॉल में आईपीएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (आईपीएसओडब्ल्यूए), तेलंगाना के सदस्यों से मुलाकात के दौरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एसोसिएशन से सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पुलिस परिवारों के कल्याण के क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आईपीएसओडब्ल्यूए जैसे संगठन जनकल्याण और सामुदायिक सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इससे पहले एसोसिएशन की लगभग 50 सदस्याओं ने राज्यपाल की धर्मपत्नी जानकी शुक्ल से भेंट कर संगठन द्वारा संचालित कल्याणकारी एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों की जानकारी दी।

जामबाग डिवीजन के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने हिंदी नगर इलाके में एक कार्यक्रम में एसआईआर फार्म भरवाते हुए। अवसर पर श्रीमती अंडालम्मा, श्रीनिवास, बीएलओ-1 और रघु कांबले, सुधीर, संदीप, राजू और बीजेपी नेता शामिल हुए।

रेलवे मिश्रित उच्च विद्यालय में अंतरिक्ष प्रदर्शनी-2026 का भव्य आयोजन

एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के प्रति किया प्रेरित

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण लालागुड़ा स्थित रेलवे मिश्रित उच्च विद्यालय ने कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ एक्सीलेंस के सहयोग से आज अंतरिक्ष प्रदर्शनी-2026 का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलाम इंस्टीट्यट ऑफ यूथ एक्सीलेंस और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ एक्सीलेंस के संस्थापक नरेश इंडियन और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, जीडिमेटला, हैदराबाद के छात्र एवं जनसंपर्क प्रमुख डॉ.आर. श्रीनिवास ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने भारत की अंतरिक्ष विज्ञान में उपलब्धियों और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध असीम संभावनाओं के बारे में जानकारी दी तथा विद्यार्थियों को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सिद्धार्थ काटी ने द हाउस ऑफ योद्धा नामक ताइक्कांडो प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने स्पेस ऑन व्हील्स चलित प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी जानकारी और अनुभव आधारित सीख प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, रेलवे अधिकारियों और आमंत्रित अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान की नई दिशाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जागरूकता, नवाचार और अनुभव आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ। आयोजकों ने कहा कि ऐसी पहलें देश के भविष्य के वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

ईमानदार करदाता देश के मौन निर्माता : शिव प्रताप शुक्ल

राज्यपाल ने आयकर दिवस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि करों का भुगतान केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने करदाताओं को देश के विकास का प्रमुख भागीदार बताते हुए कहा कि ईमानदार करदाता भारत की प्रगति के मौन निर्माता हैं। राज्यपाल शुक्रवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में आयोजित 167वें आयकर दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में कर व्यवस्था को सदैव वैज्ञानिक और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा गया है। नागरिकों से प्राप्त कर का उपयोग आधारभूत संरचना के विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर किया जाता है। श्री शुक्ल ने कहा कि आधुनिक भारत की उपलब्धियों में करदाताओं का अमूल्य योगदान है। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों को आधुनिक हथियार उपलब्ध कराने से लेकर ग्रामीण सड़कों के निर्माण तथा चंद्रयान और गगनयान जैसे अंतरिक्ष अभियानों की सफलता तक, हर उपलब्धि में करदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

राज्यपाल ने आयकर विभाग में हुए व्यापक सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि फेसलेस असेसमेंट, ई-प्रोसीडिंग्स और त्वरित रिफंड व्यवस्था जैसी पहल से पारदर्शिता बढ़ी है तथा करदाताओं को बेहतर सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने 'विवाद से विश्वास' योजना को भी विभाग और करदाताओं के बीच विश्वास एवं सहयोग बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने हैदराबाद को नवाचार, सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि उद्योग और स्टार्टअप का प्रमुख केंद्र बताते हुए कहा कि तेलंगाना के युवाओं की प्रतिभा देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि व्यापक कराधान आधार और स्वैच्छिक कर अनुपालन की मजबूत संस्कृति के बल पर 'विकसित भारत-2047' का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। राज्यपाल ने आयकर अधिकारियों से करदाताओं के सम्मान और विश्वास को बनाए रखने का आह्वान करते हुए नागरिकों से गर्व के साथ कर भुगतान करने की अपील की।

पीएनबी द्वारा अंतर-कार्यालय प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबन्धक (तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश) श्रीमती वन्दना पाण्डेय की अध्यक्षता व नराकास (बैंक एवं बीमा), हैदराबाद के तत्वावधान में नराकास स्तरीय 'चित्र देखकर कहानी/कविता लेखन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें नराकास हैदराबाद के सदस्य कार्यालयों से 37 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को पर्यावरण, बीमा सुरक्षा, बैंकिंग सेवा, डिजिटल नवोन्मेष पर आधारित चित्र दिए गए। प्रतिभागियों द्वारा इनके उत्तर उपयुक्त शीर्षक एवं व्याख्या के साथ 250 शब्दों में लघु कथा या कविता के माध्यम से प्रस्तुत की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ श्रीमती वन्दना पाण्डेय के संबोधन से किया गया।

उन्होंने राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन का दायित्व दिए जाने हेतु नराकास के मंच की प्रशंसा की। उन्होंने हिन्दी भाषा को राष्ट्रीय पहचान से जोड़ते हुए कहा कि भाषा और संस्कृति से ही हमारी पहचान बनती है और इसे हमें संभालना है, आगे बढ़ाना है।

इस अवसर पर उप महाप्रबंधक अजय कुमार ने आयोजन को सृजनशीलता को प्रोत्साहित करने वाला बताया। उप अंचल प्रबन्धक श्रवण कुमार ने अपने संदेश में सृजनशीलता को समर्पित नराकास स्तरीय इस प्रतियोगिता के समस्त प्रतिभागियों को बधाई दी। आयोजन में धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार शर्मा, सहायक महाप्रबन्धक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. साकेत सहाय, मुख्य प्रबन्धक द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को नराकास (बैंक एवं बीमा), हैदराबाद की आगामी अर्द्ध-वार्षिक बैठक के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा। पंजाब नैशनल बैंक की ओर से सभी प्रतिभागियों को उपहार स्वरूप पुस्तकें एवं लेखनी भी भेंट की गई।

सेहत से जुड़ी समस्याओं के कारण युवक ने आत्महत्या की

खम्मम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को ज़िले के चिंताकानी में एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक टी. उपेंदर (22) ने गांव के बाहरी इलाके में स्थित खेत के कुएं में छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस गांव पहुंची, कुएं से शव निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। युवक के इस चरम कदम के पीछे सेहत से जुड़ी समस्याओं को कारण बताया जा रहा है। परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू कर दी गई है।

तिरुमाला श्रीवारी पुष्करिणी मरम्मत 1 से 31 अगस्त तक

तिरुमाला, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । तिरुमाला में श्रीवारी मंदिर के निकट स्थित पवित्र स्वामी पुष्करिणी में मरम्मत और रखरखाव का कार्य 1 अगस्त से 31 अगस्त तक किया जाएगा। श्रीवारी ब्रह्मोत्सव के अवसर पर हर साल पुष्करिणी की मरम्मत कराना एक सामान्य प्रथा है। इस वर्ष का ब्रह्मोत्सव 15 सितंबर से शुरू होने वाला है, इसलिए टीटीडी जल विभाग इन कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए उपाय कर रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रारूप 10-1 सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के अधोलिखित खण्ड के पूर्ण खण्ड पर स्थित सभी रेलवे लाइन्स तथा परिसरों के उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि, 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक वायरों को उक्त खण्ड की निर्धारित तिथि को या इसके बाद उर्जावान या एनर्जाइज किया जायेगा। तत्संबंधित तिथि पर या वही तिथि से सभी समय पर ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सक्रिय या लाइव माना जायेगा तथा उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न प्रवेश कर सकेगा या कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन	तिथि
नई प्रस्तावित अतिरिक्त लूप लाइन का विद्युतीकरण या इलेक्ट्रिफिकेशन सहित खानापूर जंक्शन (केएचएनपी) पर, मौजूदा ओएचई का, सिकंदराबाद डिवीजन के विकाराबाद-परली सेक्शन पर, एलओसी. केएचएनपी/2001 (किमी/सीएच:104/387.90) से केएचएनपी/2065 (किमी/सीएच:106/31.90) का परिवर्तन या माडिफिकेशन्स कार्य।	25.07.2026

PUB/494/26

A578 वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

विजयनगर कॉलोनी सरकारी हाईस्कूल के 1976 बैच का स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित

50 वर्षों बाद फिर मिले सहपाठी, पुरानी यादों को किया ताजा

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विजयनगर कॉलोनी स्थित सरकारी हाईस्कूल, हैदराबाद के 1976 माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (एसएससी) बैच का स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन समारोह प्रगति रिसॉर्ट्स में 23 और 24 जुलाई, 2026 को उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। लगभग पांच दशक बाद करीब 25 सहपाठी अपने जीवनसाथियों के साथ एकत्र हुए और विद्यालय जीवन की मधुर स्मृतियों को याद करते हुए 50 वर्षों की मित्रता का उत्सव मनाया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में विभिन्न संवाद सत्र, मनोरंजक खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत संध्या और विद्यालय के पुराने दिनों की यादों को साझा करने के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर सहपाठियों ने पिछले पांच दशकों के अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा विद्यालय के दिनों में बने आजीवन संबंधों को और मजबूत किया। समारोह का विशेष आकर्षण सहपाठियों द्वारा प्रस्तुत दो संस्मरण रहे। श्रीमती रमा देवी ने अपना तेलुगु संस्मरण 'सृ पथम' प्रस्तुत किया, जबकि शिव प्रसाद ने अपनी रचना प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने भावनात्मक रूप से सराहा और पुरानी यादों को ताजा किया। पुनर्मिलन समारोह की तैयारी आयोजन समिति द्वारा छह महीने तक की गई थी। कार्यक्रम का समापन भावुक माहौल में हुआ, जहां सहपाठियों ने एक-दूसरे से विदा लेते हुए इन अनमोल यादों को संजोकर रखने और भविष्य में फिर मिलने का संकल्प दोहराया। समारोह में सोमसुंदर, श्याम सुंदर, नरहरि, शेषगिरी, कृष्णा, काशीनाथ, बालकृष्ण, ब्रह्मा, मल्लिकार्जुन, राजेश्वर राव, बाबा, रमण, प्रकाश, के.एस. राव, विजय, शंकर, वाणी, रमा, पद्मा, हेमा, स्वर्णलता, शिव प्रसाद और रमा देवी सहित कई सहपाठियों ने अपने जीवनसाथियों के साथ भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

23 जुलाई की रात 12 बजे एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी कह रहे हैं...

> पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है।

> इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं।

> हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया।

> हम इतने से संतोष करने वाले नहीं हैं। इसलिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया है।

क्या है नीट पेपर लीक मामला, अब तक 13 अरेस्ट :

3 मई 2026 को हुई नीट-यूजी 2026 परीक्षा का पेपर लीक हुआ। सरकार और एनटीए ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दी और दोबारा परीक्षा कराई। इस दौरान देश भर में कई छात्रों ने सुसाइड किया।

पेपर लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही है। सोनम वांगचुक ने 26 दिन तक अनशन किया और संसद में सांसद हंगामा कर रहे हैं।

फिलहाल मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इसमें महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली समेत कई राज्यों में पड़ताल हुई। अबतक 13 आरोपी पकड़े गए हैं। सीबीआई जल्द ही इस चार्जशीट फाइल कर सकती है।

मौजूदा पेपर लीक रोकने का कानून...

> जून 2024 तक पेपर लीक के लिए कोई एक सेंट्रल कानून नहीं था। धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और जालसाजी जैसी धाराओं में मुकदमा दर्ज होता था। इनमें जमानत की कोई सख्त शर्तें नहीं हैं।

> कुछ राज्यों ने अलग से नकल-विरोधी भी कानून बनाए, मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट भी शामिल किया। उत्तर प्रदेश में कुछ मामलों में गैंगस्टर एक्ट भी लगाया गया।

> नीट-यूजी और यूजीसी के एग्जाम में धांधली के बाद 21 जून 2024 को केंद्र सरकार ने सार्वजानिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया। इसमें पेपर लीक, मदद करना, गलत तरीके से ओएमआर शीट हासिल करना, नकल करवाना, एग्जाम से जुड़ी फर्जी वेबसाइट बनाने या परीक्षक को धमकी को सजा के दायरे लाया गया।

> ये सभी अपराध गैर-जमानती हैं, इनमें दो कैटेगरी में सजा का प्रावधान है। पहला- पेपर लीक वगैरह करने पर 3 से 5 साल की सजा और 10 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। दूसरा- एग्जाम करवाने वाली संस्था या एजेंसी के डायरेक्टर या मैनेजमेंट के ऑफिसर्स ने कोई अपराध किया, तो 3 से 10 साल तक की जेल और एक करोड़ का जुर्माना हो सकता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑस्ट्रेलिया सीईओ बोले-भारत बड़ा मार्केट

संभावनाओं के लिए दरवाजे खुले; शेड्यूल व्यस्त होना बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि भविष्य में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच भारत में टेस्ट मैच कराने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार में क्रिकेट के लिए बड़े मौके हैं, हालांकि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है।

भारत में नए क्रिकेट कंटेंट की संभावना

बीबीसी के 'स्टंप्ड' पॉडकास्ट में ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हमें सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ईसीबी और बीसीसीआई दोनों के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। भारत में क्रिकेट का नया कंटेंट ले जाने के मौके हैं। अभी ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन भविष्य में इस पर विचार किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट क्रिकेट मजबूत स्थिति में है और इसे आगे बढ़ाना जरूरी है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का व्यस्त कैलेंडर सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। ग्रीनबर्ग ने कहा, 'साल में सिर्फ 365 दिन होते हैं। जितना क्रिकेट और कंटेंट हम देना चाहते हैं, उसके लिए शायद एक-दो महीने और चाहिए।'

चेन्नई में होगा बिग बैश का ओपनिंग मैच

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस साल दिसंबर में पहली बार बिग बैश लीग (बीबीएल) का ओपनिंग मैच भारत में कराएगा। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

इसी तरह भविष्य में भारत में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच प्रदर्शनी टेस्ट कराने की संभावना भी देखी जा रही है।

भारत के खिलाफ सीरीज से ईसीबी को सबसे ज्यादा कमाई

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की हालिया वित्तीय रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के खिलाफ सीरीज बोर्ड के लिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सीरीज में शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईसीबी की आय काफी हद तक भारत जैसी बड़ी ब्रॉडकास्ट सीरीज पर निर्भर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में पुरुष और महिला एशेज की मेजबानी के बावजूद बोर्ड को घाटे की आशंका है।

2027 में एमसीजी पर होगा विशेष टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अगली एशेज सीरीज 2027 में इंग्लैंड में खेली जाएगी। इससे पहले मार्च 2027 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर दोनों टीमों के पहले टेस्ट की 150वीं वर्षगांठ पर डे-नाइट (पिंक बॉल) टेस्ट खेला जाएगा। यह मुकाबला एशेज सीरीज का हिस्सा नहीं होगा।

चेस ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम का एलान

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शतरंज महासंघ ने चेस ओलंपियाड 2026 के लिए पुरुष और महिला टीमों की घोषणा कर दी है। 15 से 27 सितंबर तक उज्बेकिस्तान के समरकंद में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत एक बार फिर स्वर्ण पदक बचाने के इरादे से उतरेगा। ओपन वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, आर प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे स्टार खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। वहीं महिला टीम की कमान अनुभवी कोनेरू हम्पी संभालेंगी। खिलाड़ियों की नजर इस बार भी ओपन और महिला दोनों वर्गों में दमदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने पर होगी।

गुकेश की फॉर्म पर रहेंगी नजर

विश्व चैंपियन बनने के बाद गुकेश का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। पिछले 19 महीनों में उनकी रेटिंग में 75 अंकों की गिरावट आई है। हाल ही में चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में भी वह सात में से तीन मुकाबले हारकर सिर्फ दो अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे। हालांकि, भारत को उम्मीद होगी कि टीम प्रतियोगिता में गुकेश अपने पुराने रंग में लौटेंगे और पिछले ओलंपियाड की तरह निर्णायक योगदान देंगे।

प्रज्ञानंद शानदार लय में

दूसरी ओर, आर प्रज्ञानंद बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने जून में नॉर्वे चेस टूर्नामेंट का खिताब जीतकर अपनी शानदार तैयारी का संकेत दिया था। इस दौरान उन्होंने मैग्नस कार्लसन, अलीरेजा फिरूजा, गुकेश और विन्सेंट कीमर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हराया था। भारत ने 2024 के बुडापेस्ट चेस ओलंपियाड में इतिहास रचते हुए पहली बार ओपन वर्ग का स्वर्ण पदक जीता था। अंतिम दौर में स्लोवेनिया के खिलाफ गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानंद ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को ऐतिहासिक सफलता दिलाई थी, जबकि विदित गुजराती ने अपना मुकाबला ड्रॉ खेला था। महिला टीम ने भी उसी संस्करण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अजरबैजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। ऐसे में इस बार भी दोनों भारतीय टीमें खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉज़ेन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्काडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

फिडे काउंसिल ने द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया।

लुका मोड्रिक ने एक साल के लिए बढ़ाया एसी मिलान संग अपना करार

मिलान, 24 जुलाई (एजेंसियां)। क्रोएशिया के दिग्गज फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने अपने शानदार खेल करियर को एक और साल आगे बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने इटली के क्लब एसी मिलान के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा लिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी है। मोड्रिक अब 30 जून 2027 तक एसी मिलान के साथ जुड़े रहेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे मोड्रिक ने पिछले साल रियल मैड्रिड के साथ 13 साल का सफल सफर खत्म करने के बाद मिलान का दामन थामा था। एसी मिलान के साथ उनका पिछला करार 30 जून को समाप्त हो गया था। अपने पहले सीजन में मोड्रिक ने एसी मिलान के लिए 37 मुकाबले खेले और दो गोल किए। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

आर अश्विन ने गौतम गंभीर से ड्रामा बंद करने को कहा

राहुल द्रविड़ की कोचिंग में तो नहीं मचती थी अफरा-तफरी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड से वनडे सीरीज हारने के बाद 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की तैयारियों की हवा निकलती दिख रही है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े नामों के होने के बाद भी टीम का खेल बेहद घटिया रहा। इस हार के बाद पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने खुलकर बोला है। उन्होंने साफ कहा कि गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम का कोई सिर-पैर नजर नहीं आ रहा है जबकि राहुल द्रविड़ के दौर में कम से कम सोच एकदम साफ रहती थी।

आर अश्विन ने गंभीर पर साधा निशाना

आर अश्विन के मुताबिक टीम की सबसे बड़ी सिरदर्दी हार्दिक पंड्या का कोई पक्का विकल्प न होना है। हार्दिक आए दिन चोटिल रहते हैं और यह भी पक्का नहीं है कि वो अगले साल वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं। उनके चक्कर में टीम मैनेजमेंट नीतीश रेड्डी और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ियों के पीछे पड़ा है जो न तो पूरी तरह गेंदबाज हैं और न ही पक्के बल्लेबाज। अश्विन का मानना है कि ऐसे आधे-अधूरे खिलाड़ियों के भरोसे आप वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते।

राहुल द्रविड़ के दौर की मिसाल देते हुए अश्विन ने गंभीर के तरीकों की पोल खोली और कहा, 'हार्दिक नहीं हैं तो आप बार-बार उन्हीं खिलाड़ियों का रोना रोते हैं जो फिट ही नहीं हैं। 2023 वर्ल्ड कप को याद कीजिए हार्दिक के चोटिल होने के बाद द्रविड़ ने किसी तरह की अफरातफरी नहीं मचने दी। उन्होंने मजबूरी में कोई छठा कामचलाऊ गेंदबाज ढूंढने की जगह पांच पक्के गेंदबाजों के साथ उतरने का निडर फैसला लिया और टीम फाइनल तक पहुंची। मौजूदा कोचिंग स्टाफ को बस आधे-अधूरे ऑलराउंडर खिलाने का शौक चढ़ा हुआ है और इसी बेतुकी सोच की वजह से हम टेस्ट मैचों में भी मात खा रहे हैं।'

अब विकल्पों का प्रयोग करना होगा बंद

अश्विन ने आगे सलाह दी कि अगर भारत को सच में 2027 का वर्ल्ड कप जीतना है तो ये रोज-रोज के नए प्रयोग बंद करने होंगे। उन्होंने कहा कि गंभीर और सेलेक्टर्स को अब और ड्रामा बंद करके तुरंत 17-18 खिलाड़ियों का एक पक्का ग्रुप बना लेना चाहिए जिसमें 2 कीपर, 3 स्पिनर और 5 तेज गेंदबाज हों। विश्व कप की तैयारी का सीधा फार्मूला समझाते हुए अश्विन ने आखिर में कहा, 'खिलाड़ियों के नाम पर बहस करने से पहले सोच में क्लैरिटी लाओ।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की मेडल उम्मीदों को बड़ा झटका

बिना खेले ही स्टार वेटलिफ्टर बाहर

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। क्वालीफिकेशन अवधि के दौरान कई डोपिंग रोधी नियम उल्लंघनों (एडीआरवी) के कारण भारत का कोटा कम किए जाने के बाद भारोत्तोलक दिलबाग सिंह को कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए दल से बाहर कर दिया गया। कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत का भारोत्तोलन कोटा 16 से घटाकर 11 कर दिया गया है। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू की अगुवाई में 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। महासंघ का कहना है कि उसे कोटा घटाए जाने की जानकारी बुधवार को ही मिली। एक सूत्र ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'महासंघ को 12 से घटाकर 11 भारोत्तोलकों का कोटा किए जाने की जानकारी कल ही मिली।'

पीएम मोदी ने दी भारतीय खिलाड़ियों को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (सीडब्ल्यूजी) का आगाज हो चुका है। इस बार टूर्नामेंट की मेजबानी स्कॉटलैंड का ग्लासगो शहर कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीडब्ल्यूजी 2026 के लिए भारतीय एथलीटों को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत हो रही है, ऐसे में मैं भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे खिलाड़ी जोश, दृढ़ संकल्प और बेहतरीन प्रदर्शन की भावना के साथ इन खेलों में हिस्सा लेंगे। हमारे खिलाड़ियों का हुनर और लगन हमेशा अनगिनत भारतीयों को प्रेरित करते हैं। भारत के कुल 125 एथलीट्स इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि, इस बार बैडमिंटन, हॉकी, रेसलिंग समेत कई बड़े इवेंट कॉमनवेल्थ गेम्स का हिस्सा नहीं हैं। भारत की ओर से टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा निगाहें देश के 'गोल्डन ब्वॉय' नीरज चोपड़ा पर रहने वाली है। वहीं, वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू से भी देश को पदक की आस होगी। किंग चार्ल्स तृतीय ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की शुरुआत की। इस दौरान मीराबाई चानू और मुक्केबाज लवलीना भारत की ध्वजवाहक रहीं। भारत के लिए टूर्नामेंट का पहला दिन शानदार रहा। बॉल्स प्रतियोगिता में भारत की पिंकी सिंह और रूपा रानी टिर्की ने दमदार प्रदर्शन करते हुए माल्टा की रेबेका लुईस रिक्सन और कोनो-ले रिक्सन की जोड़ी को कड़े मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, पुरुष टीम में पुतुल सोनोवाल ने उलटफेर करते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन रयान बेस्टर को हराया। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए ग्लासगो पहुंचे हैं। पहले दिन बॉल्स प्रतियोगिता में टीम के शानदार प्रदर्शन की उन्होंने तारीफ की।

भारत के साथ चार टीमों को सीधे नॉकआउट में एंट्री

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के पुरुष और महिला क्रिकेट इवेंट का ड्रॉ घोषित कर दिया गया है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को पुरुष इवेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। सीडिंग के आधार पर यह फैसला हुआ है। इनके साथ क्वार्टर फाइनल में चार अन्य टीमें क्वालिफाइंग राउंड से पहुंचेंगी। एशियन गेम्स में क्रिकेट का आयोजन टी20 फॉर्मेट में किया जाएगा।

क्वालिफाइंग राउंड के ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल को जगह मिली है। वहीं ग्रुप बी में हांगकांग, मलेशिया और ओमान है। क्वालिफाइंग राउंड में सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी।

'मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं'

निकोलस ओटामेंडी ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

ब्यूनस आयर्स, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है।

ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया।

मुझे लगता है काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा : मयंक यादव

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 7 विकेट से हराया। जिम्बाब्वे से मिले 126 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने आसानी से 13.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की जीत में गेंद से अहम योगदान मयंक यादव ने दिया। उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए। लंबे समय बाद टीम में लौटे मयंक अपने प्रदर्शन से काफी खुश नजर आए।

हालांकि, मयंक ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनको काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा है। मैच के दौरान मयंक ने कहा, यह बहुत मुश्किल था, खासकर दो साल का गैप एक चुनौती थी, क्योंकि उम्र मेरे साथ नहीं थी। मैं सिर्फ 22-23 साल का था। मुझे लगा कि काफी कम उम्र में ही मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा। हालांकि, देश के लिए खेलने का मोटिवेशन हमेशा बना रहा। इसी वजह से मैं वापसी करना चाहता था और वैसा ही प्रदर्शन करना चाहता था जैसा पहले किया था। टीम के अन्य गेंदबाजों संग बातचीत को लेकर पूछे गए सवाल पर मयंक ने कहा, हम पेस के बारे में ज्यादा बात नहीं करते, लेकिन हमारी बॉन्डिंग अच्छी है। इस मुकाबले में मैंने पहला ओवर डाला, इसके बाद मैंने प्रिंस और अशोक के साथ कुछ बातें शेयर कीं, जैसे कि मुझे कैसी मदद मिल रही थी और अटैक करने के लिए बेहतर विकल्प क्या थे। पहले छह ओवर के बाद हम बहुत अच्छी स्थिति में थे। इसलिए हमारी बातचीत इस बारे में थी कि हम उन पर और कितना दबाव बना सकते हैं और किस तरह की और गेंदें डाल सकते हैं।

अगले साल नौ जून से शुरू होगा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल

दुबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2027 के फाइनल के आयोजन स्थल का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित टेस्ट मुकाबले का आयोजन 9 से 13 जून 2027 के बीच लंदन के ऐतिहासिक द ओवल मैदान पर होगा। यह दूसरी बार होगा जब द ओवल विश्व टेस्ट फाइनल की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2023 में भी इसी मैदान पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप-2027 फाइनल खेला गया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया था। वहीं उद्घाटन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2021 में साउथेम्प्टन में खेला गया था, जहां न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था। 2025 का फाइनल लॉर्ड्स में हुआ था, जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को मात देकर पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती थी।

इंग्लैंड को मिले अगले तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी

आईसीसी की 2025 वार्षिक बैठक में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को अगले तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी सौंपी गई थी। इसी क्रम में 2027 के फाइनल के लिए द ओवल को चुना गया है। यह मुकाबला डब्ल्यूटीसी के चौथे चक्र का समापन भी करेगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल 2027 खास भी होगा क्योंकि इसी साल टेस्ट क्रिकेट के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। ऐसे में क्रिकेट इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में से एक द ओवल पर यह मुकाबला और भी यादगार बनने की उम्मीद है। ईसीबी के मैनेजिंग डायरेक्टर (कम्पटीशंस एंड मेजर इवेंट्स) नील स्नोबॉल ने कहा, 'इंग्लैंड और वेल्स में अगले तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। 2023 में द ओवल में हुआ फाइनल दर्शकों और प्रसारकों दोनों के लिए शानदार अनुभव रहा था। हमें पूरा विश्वास है कि 2027 का फाइनल भी बेहद खास होगा।' वहीं आईसीसी के जनरल मैनेजर (इवेंट्स एंड ऑपरेशंस) गौरव सक्सेना ने कहा, 'विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल अब वैश्विक क्रिकेट कैलेंडर के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में शामिल हो चुका है। द ओवल का चयन आईसीसी और ईसीबी के मजबूत सहयोग का प्रमाण है। टेस्ट क्रिकेट के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां फाइनल होना इसे और ऐतिहासिक बनाएगा।' फिलहाल मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में ऑस्ट्रेलिया 87.50 प्रतिशत अंक के साथ पहले स्थान पर है। मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है। न्यूजीलैंड तीसरे, बांग्लादेश चौथे और भारत पांचवें स्थान पर है। इसके बाद श्रीलंका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान क्रमशः छठे से नौवें स्थान पर हैं।

फीस प्रतिपूर्ति बकाया नहीं चुकाने से छात्रों का भविष्य खतरे में : रामचंदर राव

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने तेलंगाना सरकार पर राज्य के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा फीस प्रतिपूर्ति की लंबित राशि का भुगतान नहीं किए जाने से लाखों छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रामचंदर राव ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि यदि यह केवल राजनीति का विषय है तो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करने की जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा कब देंगे। उन्होंने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति की राशि का भुगतान नहीं होने के कारण कई शिक्षण संस्थानों ने विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र रोक रखे हैं। इसके चलते छात्र न तो रोजगार के अवसरों के लिए आवेदन कर पा रहे हैं और न ही आगे की उच्च शिक्षा जारी रख पा रहे हैं।

आबादी वाले क्षेत्रों में ही बनाए जाएंगे इंदिरम्मा आवास : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित इंदिरम्मा आवासों की प्रगति पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि क्योर क्षेत्र में बनाए जाने वाले इंदिरम्मा आवास जनावास क्षेत्रों के भीतर ही निर्मित किए जाएं, ताकि लाभार्थियों को रोजगार और आजीविका के अवसरों से दूर न होना पड़े।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने क्योर क्षेत्र में प्रस्तावित इंदिरम्मा आवासों की प्रगति पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर विभिन्न सरकारी विभागों के अधीन पड़ी अनुपयोगी भूमि की पहचान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कई विधानसभा क्षेत्रों में चिन्हित भूमि का विवरण मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस, राजस्व और परिवहन विभागों की अनुपयोगी भूमि का उपयोग आवास निर्माण के लिए किया जाए तथा संबंधित विभागों को अन्य उपयुक्त स्थानों पर भूमि आवंटित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि गरीब परिवारों को शहर से दूर आवास दिए गए तो रोजगार, शिक्षा और परिवहन संबंधी समस्याएं बढ़ेंगी और ऐसे आवास भविष्य में अनुपयोगी होने की आशंका रहेगी। सरकार ने क्योर क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में गरीबों के लिए इंदिरम्मा फ्लैट निर्माण की घोषणा की है।

प्रत्येक फ्लैट लगभग 528 वर्गफुट क्षेत्रफल तथा 400 वर्गफुट कार्पेट एरिया के साथ बनाया जाएगा। एक फ्लैट की अनुमानित लागत करीब 11 लाख रुपये होगी, जिसमें सरकार 5 लाख रुपये की सब्सिडी देगी। शेष 6 लाख रुपये लाभार्थी को वहन करने होंगे, जबकि भूमि की पूरी लागत सरकार उठाएगी। पहले चरण में 17 विधानसभा क्षेत्रों में 7,680 फ्लैट निर्माण की योजना बनाई गई है।

इनमें राजेंद्रनगर, महेश्वरम, शेरिलिंगमपल्ली, इब्राहिमपट्टनम, मल्काजगिरी, नामपल्ली, खैरताबाद, जुबली हिल्स, कारवां, बहादुरपुरा, अंबरपेट, कुकटपल्ली, मेडचल, कुतुबुल्लापुर, सनतनगर, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट और मल्कपेट शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध सरकारी भूमि की पहचान की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोनम प्रभाकर, आर एंड बी विशेष मुख्य सचिव विकास राज, डीजीपी सी.वी. आनंद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव एन. श्रीधर और वी. शेषाद्रि, राजस्व सचिव लोकेश कुमार, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, आवास विभाग के विशेष सचिव वी.पी. गौतम, हैदराबाद जिला कलेक्टर प्रियंका आला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रत्येक परिवार को पांच निःशुल्क पौधे वितरित करेगा एचएमडीए

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी वन महोत्सव-2026 अभियान के अंतर्गत हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) का शहरी वानिकी प्रभाग जनभागीदारी से शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगा। एचएमडीए के उद्यान प्रभाग के सहायक निदेशक चक्रपाणि ने बताया कि 25 जुलाई (शनिवार) को शाम चार बजे तारनाका स्थित मर्री लक्ष्मा रेड्डी फंक्शन हॉल में तारक सेवा समिति (गैर-सरकारी संगठन) के सहयोग से प्रत्येक परिवार को पांच-पांच निःशुल्क पौधे वितरित किए जाएंगे। इनमें फलदार, औषधीय तथा सजावटी पौधे शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना, भूजल संरक्षण को बढ़ावा देना, जैव विविधता की रक्षा करना तथा प्रत्येक घर में स्वस्थ घरेलू उद्यान विकसित करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है। एचएमडीए के शहरी वानिकी प्रभाग ने नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने, निःशुल्क पौधे प्राप्त करने तथा पर्यावरण संरक्षण अभियान के सहभागी बनने की अपील की है।

पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटना नहीं चाहिए : जूपल्ली

एसआईआर अभियान का मंत्री ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को गंभीरता से लेने की अपील करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर गणना (एन्यूमरेशन) प्रपत्र भरकर जमा करें और अपने मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं का नाम किसी भी स्थिति में मतदाता सूची से हटना नहीं चाहिए। शुक्रवार को कोल्लापुर नगर में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का मंत्री ने स्वयं निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने वार्ड कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क का दौरा कर मतदाताओं, राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत की तथा प्रपत्रों के वितरण, प्राप्ति और पंजीकरण की प्रक्रिया की समीक्षा की। मंत्री ने बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) और बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिया कि वे पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करें तथा मतदाता सूची के पुनरीक्षण में किसी प्रकार की त्रुटि न होने दें। उन्होंने कहा कि स्थानीय पात्र मतदाताओं के नाम किसी भी परिस्थिति में सूची से नहीं हटने चाहिए और पारदर्शी मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में बीएलए की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बाद में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने बीएलए और बीएलओ के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटलीकरण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राप्त प्रपत्रों का शीघ्र डिजिटलीकरण किया जाए तथा इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गलती न होने पाए। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि मतदाताओं को प्रपत्र भरने में आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करें। जो मतदाता घर पर उपलब्ध नहीं हैं, उनसे दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करें और प्रपत्र उपलब्ध कराएं। साथ ही, जिन मतदाताओं से संपर्क नहीं हो पा रहा है, उनकी जानकारी तत्काल संबंधित पर्यवेक्षकों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

बेटे से जुड़े हिट-एंड-रन मामले में आंध्र के पूर्व मंत्री गिरफ्तार

विशाखापट्टनम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले की पुलिस ने बुधवार को पूर्व मंत्री और वायएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता सीडिरी अप्पला राजू को गिरफ्तार किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे से जुड़े हिट-एंड-रन मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ की।

पुलिस ने वायएसआरसीपी नेता को कासिबुग्गा स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया और स्थानीय पुलिस स्टेशन ले गई। पुलिस उनका बयान दर्ज किया। गिरफ्तारी के समय अप्पला राजू के घर पर तनाव का माहौल था क्योंकि उनके बड़ी संख्या में समर्थक वहां जमा हो गए थे और एनडीए सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना और उत्पीड़न का आरोप लगा रहे थे। वायएसआरसीपी नेता पर जांच अधिकारियों को गुमराह करने और अपने बेटे अराव वर्मा से जुड़े हिट-एंड-रन मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप हैं। 10 जुलाई को, कासिबुग्गा में पुराने नेशनल हाईवे पर अराव द्वारा चलाई जा रही दोपहिया गाड़ी की टक्कर से 45 वर्षीय व्यक्ति दनय्या की मौके पर ही मौत हो गई थी।

स्थानीय पुलिस ने शुरू में अराव के दोस्त सिद्धार्थ नाम के एक अन्य युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हालांकि, पास के पेट्रोल स्टेशन से मिले सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि दुर्घटना से पहले गाड़ी अराव चला रहा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने अराव वर्मा और सिद्धार्थ दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा ने नगर निकाय विधेयक में संशोधन की मांग की

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कांति किरण के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद जिला संयुक्त कलेक्टर जितेंद्र रेड्डी को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित नगर निकाय कानून में संशोधन की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए नगर निकायों में आरक्षित सीटों का प्रतिशत 25 प्रतिशत निर्धारित किया जाए। मोर्चा नेताओं ने कहा कि वर्ष 1956 के नगरपालिका विधेयक के अनुसार अनुसूचित जातियों को 25 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, जिसे वर्तमान प्रस्तावित नगर निकाय कानून में भी बनाए रखा जाना चाहिए। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कांति किरण ने कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरक्षण व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रस्तावित कानून में आवश्यक संशोधन कर अनुसूचित जाति वर्ग को न्याय प्रदान किया जाए। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पी. सुनील कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण बागड़ी, प्रदेश सचिव राजेश्वर राव, गोलकोंडा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूर्ण चंदर और भाग्यनगर जिला अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष के. सुरेंद्र सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

इंसान और जानवरों के बीच टकराव को कम करने के लिए 'कुम्की' हाथी तैनात होगा

अमरावती, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने वन विभाग को निर्देश दिया है कि वे ओडिशा बॉर्डर के पास इंसान और हाथियों के बीच बढ़ते टकराव को कम करने में मदद के लिए पार्वतीपुरम मन्यम ज़िले में दो ट्रेंड 'कुम्की' हाथियों को तैनात करें। वन विभाग ने हाथियों को पलमनेर के मुसलामाडुगु कैंप से पार्वतीपुरम मन्यम ज़िले के गुच्चिमी कैंप में शिफ्ट करने की तैयारी पूरी कर ली है। कल्याण ने कहा, ओडिशा बॉर्डर के पास बार-बार होने वाले इंसान-हाथी टकराव से प्रभावित गांवों को लंबे समय तक राहत देने के लिए आंध्र प्रदेश में मौजूद दो ट्रेंड कुम्की हाथियों को पार्वतीपुरम मन्यम ज़िले में तैनात किया जाना चाहिए। इस कदम का मकसद पड़ोसी राज्य ओडिशा से जंगली हाथियों के झुंड के बार-बार आने से प्रभावित गांवों को लंबे समय तक राहत देना है।

विभाग ने ज़िले में तैनाती के लिए राज्य के ननियाल एलीफेंट कैंप में ट्रेंड कुम्की हाथी 'जयंत' और कर्नाटक से लाए गए 'अभिमन्यु' को तैयार किया है। दोनों हाथियों को इंसान-हाथी टकराव को संभालने का अनुभव है और उन्होंने हाल ही में छह बड़े ऑपरेशन में हिस्सा लिया है, जिसमें पलमनेर के पास एक अकेले जंगली हाथी (टस्कर) को सफलतापूर्वक पकड़ना भी शामिल है।

दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय में राजभाषा विभाग द्वारा 23 और 24 जुलाई को क्षेत्रीय हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक् प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताएं मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाडे की अध्यक्षता तथा उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) एम.के. नागराजु के मार्गदर्शन में संपन्न हुईं। प्रतियोगिताओं में प्रधान कार्यालय के अलावा विभिन्न मंडलों और कारखानों से कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजेश पी. खाडे ने कहा कि रेलवे इन प्रतियोगिताओं का आयोजन केवल औपचारिकता के लिए नहीं करता, बल्कि कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में राजभाषा में कार्य करने के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित करता है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपने सरकारी दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने के साथ-साथ अपनी भाषा और संस्कृति को भी समृद्ध बनाना चाहिए। वाक् प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) एम.के. नागराजु तथा प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के सचिव एवं उपमुख्य यांत्रिक अभियंता (योजना) ए. स्वराज कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारी अखिल भारतीय रेल स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दक्षिण मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा से पूरे भारतीय रेल में दक्षिण मध्य रेलवे का गौरव बढ़ाएंगे।

बाल अपचारी को विशेष गृह में दो वर्ष रखने का आदेश

बंगलों में चोरी के मामलों में न्यायालय ने सुनाया फैसला

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित पंचम अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने लालागुड़ा थाना क्षेत्र में कई घरों में सेंधमारी और चोरी की घटनाओं में शामिल एक बाल अपचारी को दोषी ठहराते हुए उसे दो वर्ष के लिए बालकों के सरकारी विशेष गृह भेजने का आदेश दिया है।

मामले के अनुसार, 16 वर्षीय बाल अपचारी संपत्ति संबंधी अपराधों में आदतन शामिल रहा है और उसके खिलाफ पहले से आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्तमान मामलों में उसने सिकंदराबाद के दक्षिण लालागुड़ा क्षेत्र में रेलवे अधिकारियों के बंगलों में घुसकर नकदी और कीमती सामान की चोरी की थी।

नदी मानव जीवन के लिए प्राणवायु के समान : संतोष कुमार

गोदावरी तट पर 99 लाख पौधों का हरित अभियान शुरू

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे ग्रीन इंडिया चैलेंज ने अपने नौवें चरण के अभियान की शुरुआत की है। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव के 50वें जन्मदिन के अवसर पर गोदावरी नदी के तट क्षेत्र में 99 लाख पौधे लगाने के महाअभियान का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। महाराष्ट्र के नांदेड जिले के धर्माबाद तालुका स्थित बाबली में गोदावरी नदी के किनारे 1000 बांस के पौधे लगाकर इस अभियान की शुरुआत की गई। ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक एवं पूर्व सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार, इग्नाइटिंग माइंड्स संस्था के संस्थापक करुणाकर रेड्डी, ग्रीन इंडिया चैलेंज के सह-संस्थापक राघवेंद्र यादव, यूथ फॉर गोदावरी दल के सदस्य, बाबली एवं आसपास के गांवों के सरपंच, वन विभाग के कर्मचारी और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। अभियान के तहत बासरा से त्र्यंबकेश्वर तक गोदावरी नदी के दोनों किनारों पर बांस के पौधे लगाए जाएंगे। नदी के कटाव को रोकने के उद्देश्य से पूरे नदी क्षेत्र में 99 लाख पौधों का रोपण और संरक्षण किया जाएगा। इस अभियान में महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विद्यार्थी, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवक तथा युवा संगठनों से जुड़े लगभग 50 लाख स्वयंसेवक भाग लेंगे। इस चरण में दक्कन क्षेत्र की गर्म जलवायु को सहन करने वाली स्थानीय बांस प्रजातियों को प्राथमिकता दी जा रही है। लगाए जाने वाले बांस के पौधे नदी किनारे की मिट्टी को मजबूती से पकड़कर वर्षा ऋतु में होने वाले भूमि कटाव को रोकेंगे और प्राकृतिक सुरक्षा दीवार की तरह कार्य करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की हरित पहल से प्रेरित होकर वर्ष 2018 में पूर्व सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार ने ग्रीन इंडिया चैलेंज की शुरुआत की थी। एक पौधे से शुरू हुआ यह अभियान अब तक 19.6 करोड़ से अधिक पौधों के रोपण तक पहुंच चुका है और 4.4 करोड़ से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जा चुका है। इस अवसर पर ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार ने कहा कि नदी केवल जल प्रवाह नहीं होती, बल्कि यह मानव जीवन के लिए प्राणवायु के समान है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.